नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

जमशेदपुर जिले के बिरसा नगर मोहरदा में लाभुकों को पीएम आवास की चाबी देते सांसद विद्युत वरण महतो

• बोकारो, शनिवार 20 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 34 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

युवक की ट्रेन से कटकर मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ग्रहटांड स्थित मधुपुर-गिरिडीह रेलवे ट्रैक पर शुक्रवार को एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के शिवमुहल्ला निवासी राजेंद्र प्रसाद के 30 वर्षीय पुत्र देवाशीष कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी। फिलहाल इस घटना से मृतक के परिवार और मोहल्ले में शोक का माहौल है। परिजनों ने बताया कि देवाशीष की शादी करीब चार माह पूर्व बेंगाबाद थाना क्षेत्र के चपुआडीह निवासी मनोज कुमार राम की पुत्री मोली कुमारी से हुई थी।

लापता किशोर का शव मिला

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र के गोलवाढाब गांव से रविवार से लापता 12 वर्षीय किशोर शीतल कुमार का शव शुक्रवार को एक कुएं से बरामद किया गया। शव घर से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित कुएं में मिला। मृतक की पहचान वीरेंद्र यादव के पुत्र शीतल कुमार के रूप में की गई है। शीतल रविवार शाम को अपने घर से अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की लेकिन जब उसका कहीं पता नहीं चला तो डोमचांच थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

हादसे में बाइक सवार की मौत

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एनएच-19 पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना सियरकोनी स्थित सीएम होटल के पास हुई। जानकारी के अनुसार दोनों युवक बाइक से चौपारण की ओर जा रहे थे तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात ऑटो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि एक युवक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

लापता युवक का क्षत-विक्षत शव पेड़ से लटका मिला

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के बड़ा नावाटांड आमाघाटा जोरिया के पास शुक्रवार को एक पेड़ से 28 वर्षीय युवक का सड़ा-गला शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान आसनबनी-2 निवासी मुबारक अंसारी के पुत्र अकबर अंसारी के रूप में हुई है। अकबर अंसारी 16 जून से लापता था। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने गोविंदपुर थाना में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तीन दिनों की तलाश के बाद शुक्रवार को शव मिलने से परिवार में शोक छा गया।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री ने आदिवासी इलाकों में बिजली पहुंचाने पर जोर

अर्बन चैलेंज फंड के तहत झारखंड को मिलेंगे 1900 करोड़ रुपये : मनोहर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड दौरे पर आए केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को राजधानी में राज्य के शहरी विकास और विद्युत क्षेत्र की समीक्षा बैठक की। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी, पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में अभी भी करीब 30 हजार घरों तक बिजली कनेक्शन नहीं पहुंचा है। इन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाएगा ताकि शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल हो सके। उन्होंने बताया कि जहां ट्रांसमिशन लाइन

नहीं पहुंच पाई है वहां सोलर ऊर्ज़ा के माध्यम से बिजली पहुंचाने का काम किया जाएगा। झारखंड में विद्युत क्षति (ट्रांसमिशन लॉस) को लेकर चिंता जताते हुए मंत्री ने कहा कि यहां का आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से काफी ज्यादा है। वर्तमान 24 प्रतिशत ट्रांसमिशन लॉस को घटाकर 20 प्रतिशत लाने का लक्ष्य रखा गया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह करीब 15 प्रतिशत है। इससे बिजली चोरी पर भी अंकुश लगेगा। श्री खट्टर ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की योजना की जानकारी दी। घरेलू कनेक्शनों के साथ-साथ कमर्शियल और इंडस्ट्रियल क्षेत्रों को भी इसमें शामिल किया जाएगा जिससे बिजली बिलिंग व्यवस्था मजबूत होगी। डीवीसी कमांड एरिया में ट्रांसमिशन से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन भी उन्होंने दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत सरकार ने अर्बन चैलेंज फंड शुरू किया है। इसके तहत झारखंड को 1900 करोड़ रुपये मिलेंगे। इस फंड से चार गुना यानी 7600 करोड़ रुपये तक का प्रोजेक्ट तैयार कर राज्य के शहरी क्षेत्रों का विकास किया जा सकता है। उन्होंने जिला स्तर पर आई-ट्रिपल-सी को शामिल करने का आग्रह भी किया। स्वच्छ भारत मिशन को और गति देने के लिए भीड़-भाड़ वाले धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। रांची सहित राज्य के 9 डंप साइट्स को चिन्हित किया गया है जिन्हें साफ करने में केंद्र सरकार पूरा सहयोग देगी। बैठक में मौजूद झारखंड के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि पैन इंडिया के आधार पर बनी योजनाएं झारखंड के भौगोलिक वातावरण और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप नहीं होतीं। इसलिए केंद्र की एक टीम भेजकर स्थानीय समस्याओं का अध्ययन कर अलग से रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने डीवीसी कमांड एरिया के जिलों में पावर डिस्ट्रीब्यूशन सुधार के लिए डीवीसी और जेबीवीएनएल की संयुक्त टीम बनाने की बात कही। ऊर्ज़ा सचिव जल्द दिल्ली जाकर इस मुद्दे पर पहल करेंगे। सुदिव्य कुमार ने कहा कि नीतियों में लचीलापन लाकर झारखंड को प्राथमिकता दी जाए तो राज्य राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में पहुंच सकता है।

आकाशीय बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने से भारी तबाही हुई है। इन दर्दनाक घटनाओं में कम से कम आठ लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मृतकों में दो महिलाएं और एक दो साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। पुलिस अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के छह जिलों से मौत के ये मामले सामने आए हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित हजारीबाग जिला रहा जहां बिजली गिरने की घटनाओं में तीन लोगों की मृत्यु हो गई। इसके अलावा राज्य के पांच अन्य जिलों पलामू, लोहरदगा, रामगढ़, पश्चिमी सिंहभूम और गोड्डा में भी वज्रपात का कहर देखने को मिला। इन सभी जिलों में एक-एक व्यक्ति की जान जाने की खबर है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने घटनाओं की पुष्टि करते हुए बताया कि पिछले 24 घंटों के भीतर राज्य के छह अलग-अलग जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से कम से कम आठ लोगों की मौत दर्ज की गई है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

पुलिस वर्दी में आए बदमाशों ने घर में की लूटपाट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले के मधुपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात पुलिस की वर्दी में आए बदमाशों ने एक घर में लूटपाट की। पहाड़पुर स्थित एनएच के पास हुई इस वारदात में अपराधियों ने करीब 40 हजार रुपए नकद और हजारों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए। विरोध करने पर उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट भी की। जानकारी के अनुसार पहाड़पुर निवासी महेंद्र यादव के घर देर रात सात से आठ अपराधी पुलिस की वर्दी में पहुंचे। वर्दीधारी होने के कारण परिवार को शुरुआत में कोई संदेह नहीं हुआ। दरवाजा खुलते ही सभी बदमाश घर में घुस गए और हथियारों के बल पर परिवार को बंधक बना लिया। इसके बाद अपराधियों ने घर के विभिन्न कमरों की तलाशी ली और नकदी के साथ कीमती जेवरात लूट लिए। परिजनों द्वारा विरोध करने की कोशिश किए जाने पर बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इस घटना से परिवार के सदस्य काफी भयभीत हैं। घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र प्रसाद और मधुपुर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी संतोष गुप्ता पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से घटना की विस्तृत जानकारी ली और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की जा रही है और संभावित सुराग जुटाए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हार का दुख नहीं, अपनों ने तोड़ दिया भरोसा : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्यसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी भावुक नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर धनबल, छल और साजिश की राजनीति करने का आरोप लगाया। इरफान अंसारी ने कहा कि उन्हें चुनाव में हार का उतना दुख नहीं है जितना अपने ही लोगों द्वारा विश्वास तोड़े जाने का दर्द है। राज्यसभा चुनाव के नतीजों के बाद महागठबंधन के भीतर भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। ऐसे माहौल में इरफान अंसारी की भावुक प्रतिक्रिया ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। राजनीति में हार के बाद बयान भी उतनी ही तेजी से आते हैं जितनी तेजी से जीत के बाद मिठाइयां बांटी जाती हैं। श्री अंसारी ने कहा कि यदि सभी लोग एकजुट रहते और साथ खड़े होते तो भारतीय जनता पार्टी यह चुनाव नहीं जीत पाती। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने धनबल, छल और सत्ता के प्रभाव का इस्तेमाल कर जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा अपनी जीत का जश्न मना रही है लेकिन यह जीत जनभावनाओं की नहीं बल्कि धनबल और सत्ता के दुरुपयोग की जीत है। उनके मुताबिक लोकतंत्र में जनादेश सर्वोपरि होता है लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों ने इस चुनाव को अलग दिशा दे दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उनका मन आहत है लेकिन वह निराश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष उनकी पहचान है और जनता का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और जीत-हार स्थायी नहीं होती। इरफान अंसारी ने कहा कि आज परिस्थितियां उनके पक्ष में नहीं रहीं, लेकिन भविष्य में हालात बदलेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता का समर्थन उनके साथ है और वह लगातार संघर्ष करते रहेंगे।

आग लगने से लाखों का नुकसान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडलीय मुख्यालय स्थित मेदिनीनगर नगर निगम के मुख्य बाजार में शुक्रवार की अहले सुबह सब्जी मार्केट लादीगढ़ कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित एक मकान में लग गई। अगलगी की घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग लगने की घटना में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। अगलगी की सूचना मिलने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का हरसंभव प्रयास किया। अगलगी की घटना के बाद आसपास कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बना रहा। मेदिनीनगर नगर निगम के मुख्य बाजार में आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को आसपास के अन्य भवनों तक फैलने से रोक लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हैं। भुक्तभोगी अविनाश प्रकाश ने बताया कि पहरेदार द्वारा सूचना दी गई की दुकान में आग लगी है। अविनाश प्रकाश उक्त स्थल से कुछ दूर पर रहते हैं। वहां से आकर देखा कि दुकान के बाहर रखा चौकी में आग लगी हुई है। आग की लपटें काफी तेज हो गई और दुकान और मकान में आग पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। दुकान के सामने सड़क के किनारे अतिक्रमण कर कुछ लोग दुकान पर सब्जी लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना में करीब 15 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

अधूरे सरकारी तालाब में डूबने से बच्चे की मौत

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के झींकपानी थाना अंतर्गत आसुरा गांव के सुरजाबासा में गुरुवार शाम एक पांच वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान आनंद बुडीउली के रूप में हुई है। आनंद अपनी मां अंकिता बुडीउली के साथ गांव स्थित सरकारी तालाब में नहाने गया था। उस समय उसकी मां भी तालाब में स्नान कर रही थी जबकि आनंद पास में ही खेलते हुए नहा रहा था।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को बकाया भुगतान के साथ मिला अनुबंध विस्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले में जैप-आईटी (झारखंड एजेंसी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) के अधीन कार्यरत करीब 500 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। विभाग की ओर से लंबित वेतन के भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही कर्मचारियों के अनुबंध की अवधि भी बढ़ा दी गई है। लगातार तीन महीने से मानदेय नहीं मिलने के कारण कर्मचारी और उनके परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार जेएपी-आईटी के माध्यम से विभिन्न सरकारी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को 31 जुलाई 2026 तक अनुबंध विस्तार दिया गया है। अनुबंध बढ़ने से कर्मचारियों के बीच नौकरी को लेकर बनी अनिश्चितता काफी हद तक दूर हो गई है। जिले में ऐसे आउटसोर्सिंग कर्मियों की संख्या 500 से अधिक है जबकि पूरे झारखंड में इनकी संख्या सात हजार से ज्यादा बताई जाती है। विभाग के इस फैसले से बड़ी संख्या में कर्मचारियों को राहत मिली है। जेएपी-आईटी के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को मार्च 2026 से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ था। लगातार वेतन नहीं मिलने से कई परिवारों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया था। कर्मचारियों का कहना है कि नियमित रूप से अपनी सेवाएं देने के बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिल रहा था जिससे घरेलू खर्च चलाना मुश्किल हो गया था। सरकारी व्यवस्था में काम तो समय पर चाहिए लेकिन भुगतान की फाइलें अक्सर ऐसी गति से चलती हैं मानो उन्हें भी अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का इंतजार हो। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद कर्मचारियों को राहत मिली है। जेएपी-आईटी के माध्यम से विभिन्न विभागों में कंप्यूटर ऑपरेटर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, ड्राइवर, मेडिकल स्टाफ और अन्य श्रेणियों के कर्मचारी कार्यरत हैं। ये कर्मचारी सरकारी कार्यालयों में नियमित रूप से अपनी सेवाएं देते हैं और विभिन्न योजनाओं व प्रशासनिक कार्यों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का कहना है कि अनुबंध विस्तार और बकाया वेतन के भुगतान से उन्हें बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो गई थी। अब भुगतान शुरू होने और सेवा अवधि बढ़ने से कर्मचारियों में राहत और संतोष का माहौल है। साथ ही उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में मानदेय भुगतान की प्रक्रिया नियमित और समयबद्ध होगी।

मुहर्रम पर शांति और सौहार्द बनाए रखने का आह्वान, अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को केरेडारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ अमित आनंद ने की, जबकि संचालन थाना प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय ने किया। बैठक में विभिन्न गांवों की अखाड़ा समितियों के प्रतिनिधियों के साथ मुहर्रम के अवसर पर आयोजित होने वाले जुलूस, अखाड़ा प्रदर्शन एवं अन्य कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

सभी पक्षों ने पर्व को आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाने पर सहमति जताई। एसडीपीओ अमित आनंद ने कहा कि मुहर्रम का पर्व शांति, अनुशासन और आपसी सम्मान के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों और हुड़दंग करने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं थाना प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय ने लोगों से सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने बताया कि मुहर्रम के दौरान संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। बैठक में उपस्थित दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में शांति, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संकल्प दोहराया तथा प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में जिला परिषद सदस्य अनिता सिंह, प्रमुख सुनीता देवी, बीडीओ विवेक कुमार, मुखिया संघ अध्यक्ष सह कंडाबेर पंचायत मुखिया दिनेश साव, मुखिया पार्वती देवी, आजसू प्रखंड अध्यक्ष पंकज शाह, जिला परिषद प्रतिनिधि निरंजन साव, भाजपा महामंत्री नरेश महतो, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव, उप प्रमुख अमेरिका महतो, पंचायत समिति सदस्य जागेश्वर साव सहित विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अखाड़ा समितियों के सदस्य उपस्थित थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मुहर्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और किसी भी अफवाह या असामाजिक गतिविधि से सख्ती से निपटा जाएगा।

हजारीबाग में भू-माफियाओं का आतंक, कोनार नदी तट व श्मशान भूमि पर कब्जे की साजिश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटकमदाग (हजारीबाग)। हजारीबाग जिले में भू-माफियाओं का दुस्साहस लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला कटकमदाग प्रखंड के खपरियावां पंचायत का है, जहां भू-माफियाओं द्वारा कोनार नदी की सरकारी भूमि एवं सार्वजनिक श्मशान घाट की

जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास किए जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों के अनुसार, भू-माफियाओं ने कोनार नदी तट एवं श्मशान भूमि की लगभग सत्तर फीट जमीन पर ट्रेंच (खाई) काटकर कब्जा जमाने की कोशिश की। जैसे ही इसकी जानकारी ग्रामीणों को मिली, उन्होंने एकजुट होकर इसका विरोध किया और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। मामले की सूचना मिलने पर अंचल कार्यालय की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान अंचल अमीन उपेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई है।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

जमीन की मापी में यह स्पष्ट हुआ कि कोनार नदी की लगभग सत्तर फीट भूमि पर ट्रेंच काटकर अतिक्रमण का प्रयास किया गया है। फिलहाल आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध कृत्य के पीछे कौन लोग शामिल हैं।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि भू-माफियाओं के खिलाफ शीघ्र और सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। लोगों का कहना है कि श्मशान जैसी सार्वजनिक आस्था और उपयोग की भूमि पर कब्जे का प्रयास न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज की संवेदनाओं पर भी सीधा प्रहार है।ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी से दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

फॉस्टेक प्रशिक्षण कल, खाद्य कारोबारियों के लिए प्रमाण पत्र अब होगा अनिवार्य

बरही/हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के सभी खाद्य कारोबारियों एवं दुकानदारों के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (ऋरअक) के तहत ऋडरळअउ (फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन) प्रशिक्षण का आयोजन 20 जून को नगर भवन (टाउन हॉल) बरही में किया गया है। प्रशिक्षण पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगा। जिला खाद्य सुरक्षा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, खाद्य सामग्री का कारोबार करने वाले सभी दुकानदारों के लिए इस प्रशिक्षण में भाग लेना अनिवार्य है। प्रशिक्षण से पहले नगर भवन में दुकानदारों का पंजीकरण किया जाएगा, जिसके लिए निर्धारित शुल्क भी लिया जाएगा। प्रशिक्षण में शामिल होने वाले दुकानदारों को अपना आधार कार्ड और आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाना होगा। जिन दुकानदारों ने पहले से पंजीकरण करा रखा है, उन्हें भी प्रशिक्षण में उपस्थित होना अनिवार्य बताया गया है। जानकारी के अनुसार, यह प्रशिक्षण ज्ञान सिटी एजुकेशनल ट्रस्ट के माध्यम से आयोजित कराया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिसकी वैधता दो वर्षों तक रहेगी।खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार, भविष्य में खाद्य पदार्थों की बिक्री और संबंधित कारोबार के लिए यह प्रमाणपत्र आवश्यक माना जाएगा। ऐसे में सभी दुकानदारों से समय पर पहुंचकर प्रशिक्षण का लाभ लेने की अपील की गई है।

देवरी में चरमराई बिजली व्यवस्था से जनता परेशान, सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। देवरी जमुआ विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी सुखदेव हाजरा ने देवरी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा है कि अनियमित बिजली व्यवस्था से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी और लू के बीच लोगों को दिन में राहत नहीं मिल रही है, वहीं रात में लगातार बिजली कटौती के कारण लोगों की नींद भी हराम हो गई है सुखदेव हाजरा ने कहा कि बिजली विभाग अक्सर डीवीसी की समस्याओं का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करता है। कभी 33 हजार केवी लाइन में खराबी, कभी 11 हजार केवी लाइन की समस्या, तार टूटने, हल्की बारिश में बिजली खंभा गिरने या क्षमता की कमी जैसे कारण बताकर विभाग नियमित आपूर्ति सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि कई फीडरों में केवल दो-दो घंटे बिजली देने की मजबूरी बताई जा रही है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है उन्होंने कहा कि बिजली की अनियमित आपूर्ति से बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और युवा सभी प्रभावित हो रहे हैं। इस गंभीर समस्या पर बड़े जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। उन्होंने कहा कि आम जनता की आवाज और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की मांगों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए सुखदेव हाजरा ने डीवीसी एवं बिजली विभाग के अधिकारियों से अपील की कि देवरी की चरमराई बिजली व्यवस्था पर तत्काल संज्ञान लेते हुए नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो क्षेत्र की जनता विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को बाध्य होगी।

रोजगार का झांसा देकर खंडोली में 3 लाख की ठगी, पीड़ितों की विधायक और डीसी से शिकायत की तैयारी

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। खंडोली क्षेत्र में रोजगार दिलाने के नाम पर स्थानीय लोगों से करीब तीन लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि एक राजनीतिक संगठन से जुड़े कुछ कथित नेताओं ने खंडोली डेम में बोटिंग व्यवसाय से जोड़ने, नया बोट उपलब्ध कराने तथा अन्य रोजगार के साधन मुहैया कराने का आश्वासन देकर कई लोगों से रुपये लिए, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बावजूद न तो रोजगार मिला और न ही बोट उपलब्ध कराया गया।भुक्तभोगियों ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया कि रोजगार सृजन का सपना दिखाकर उनसे अलग-अलग किस्तों में पैसे लिए गए थे। जब वादे के अनुरूप कोई व्यवस्था नहीं हुई तो लोगों ने अपनी राशि वापस मांगी। आरोप है कि संबंधित लोगों द्वारा लगातार आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन अब तक पैसे वापस नहीं किए गए हैं पैसे की वापसी को लेकर हुई नोकझोंक सूत्रों के अनुसार, एक-दो दिन पूर्व राशि वापसी को लेकर पीड़ितों और आरोपित पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। मामले को आपसी स्तर पर सुलझाने की कोशिश की गई, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। इस बीच मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है।विधायक और उपायुक्त को देंगे आवेदन ठगी के आरोपों से नाराज पीड़ित अब संगठित होकर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही गांडेय विधायक और जिला उपायुक्त को लिखित आवेदन देकर पूरे मामले की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी। पीड़ितों का कहना है कि यदि उनकी राशि वापस नहीं की गई तो वे कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे चर्चित चेहरों पर उठ रहे सवाल स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मामले में एक राजनीतिक संगठन से जुड़े कुछ चर्चित चेहरों की संलिप्तता को लेकर चर्चा है। हालांकि, अभी तक किसी व्यक्ति का नाम आधिकारिक रूप से सामने नहीं आया है और न ही प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है।

सात आरोपितों ने मारपीट कर किया घायल

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मनसाही थाना क्षेत्र के कुरेठा पंचवर्गा गांव में एक आदिवासी के द्वारा अपने घर में सीसीटीवी लगाना भारी पड़ गया और गांव के ही कुछ लोगों ने सीसीटीवी लगाने वाले वीरेन कुजूर से पहले तो तू तू मैं मैं किया और बाद में उसकी जमकर पिटाई कर दी जिससे पीड़ित वीरेंद्र कुजूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना घाट के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना मनसाही पुलिस को दी गई मगर समय पर पुलिस के नहीं पहुंचने पर आदिवासी आक्रोशित हो गए और दर्जनों आदिवासियों का जत्था मनसाही थाना पहुंचकर न्याय की गुहार लगने लगे। आदिवासी तब तक थाने में डटे रहे जब तक थाना अध्यक्ष के द्वारा उन्हें ठोस कार्रवाई का भरोसा नहीं मिल गया। थानाध्यक्ष समझाने के बाद सभी आदिवासी मान गए और अपने घर के लिए निकल गए। घायल का इलाज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में जारी है। घटना को लेकर पीड़ित ने गांव के ही मो वसीम सहित सात लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। थाना अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद ने बताया कि आवेदन के आलोक में पुलिस कार्रवाई में जुट गई।

स्टेट हाइवे-13 की बंद स्ट्रीट लाइटों को चालू कराने की मांग, उपायुक्त ने दिया सकारात्मक आश्वासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह गोविंदपुर रोड स्थित स्टेट हाईवे-13 पर वर्षों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को चालू कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। सड़क सुरक्षा और आम लोगों की सुविधा को देखते हुए झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेताओं ने उपायुक्त से मुलाकात कर इस संबंध में ज्ञापन सौंपा बताया गया कि करीब चार वर्ष पूर्व करोड़ों रुपये की लागत से इस मार्ग पर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थीं, लेकिन आज तक अधिकांश लाइटें बंद पड़ी हैं। इसके कारण रात में पूरा मार्ग अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है और लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव महाराज मंडल एवं केंद्रीय संयुक्त महासचिव नागेंद्र चंद्रवंशी ने उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन में स्ट्रीट लाइटों की तकनीकी जांच कर जल्द मरम्मत और संचालन सुनिश्चित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिहाज से स्ट्रीट लाइटों का चालू होना अत्यंत आवश्यक है और अंधेरे के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संबंधित विभाग से वार्ता कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को जल्द चालू कराने का प्रयास किया जाएगा। उपायुक्त के इस आश्वासन से क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है कि लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान जल्द होगा इस अवसर पर महाराज मंडल ने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद स्ट्रीट लाइटों का वर्षों तक बंद रहना दुर्भाग्यपूर्ण है और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं नागेंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि रात के समय इस मार्ग पर सफर करना जोखिम भरा हो गया है तथा लोगों की सुरक्षा के लिए स्ट्रीट लाइटों को जल्द चालू करना जरूरी है प्रमुख मांगें स्टेट हाईवे-13 पर लगी सभी स्ट्रीट लाइटों की तकनीकी जांच खराब उपकरणों की शीघ्र मरम्मत और आवश्यक बदलाव सभी स्ट्रीट लाइटों को जल्द चालू कर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना भविष्य में नियमित रखरखाव की स्थायी व्यवस्था करना जेएलकेएम नेताओं ने कहा कि जनहित से जुड़े इस मुद्दे को लेकर संगठन आगे भी लगातार आवाज उठाता रहेगा।

अवैध शराब के विरुद्ध उत्पाद विभाग की छापेमारी, 150 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। उपायुक्त श्री हेमन्त सती के निदेशानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, संचय एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त उत्पाद, हजारीबाग के निर्देशन तथा निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में कटकमदाग थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पसई एवं मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सीतागढ़ा में अलग-अलग घरों में छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान घटनास्थल एवं आसपास के घरों में छिपाकर रखे गए लगभग 600 किलोग्राम किन्वयन योग्य जावा महुआ को विनष्ट किया गया। साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, बर्तन आदि को नष्ट करते हुए लगभग 150 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद कर जब्त की गई। उत्पाद विभाग द्वारा मामले में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है तथा उनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। इस छापेमारी अभियान में निरीक्षक उत्पाद सौरव कुमार झा, अवर निरीक्षक उत्पाद भुवनेश्वर नायक, अवर निरीक्षक सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक एंटोनी बागे, उत्पाद आरक्षी अनूप कुमार सिंह तथा सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे। जिला प्रशासन एवं उत्पाद विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्रधान गुरुद्वारा में श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाया गया गुरु अर्जन देव जी का 420वां शहीदी दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के स्टेशन रोड स्थित प्रधान गुरुद्वारे में सिखों के पांचवें गुरु गुरु अर्जन देव जी का 420वां शहीदी दिवस श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सिख समाज के श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारे पहुंचकर मत्था टेका और गुरु साहिब को नमन किया कार्यक्रम के दौरान रागी जत्था के भाई सतनाम सिंह ने गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। वहीं स्त्री सत्संग द्वारा पिछले 40 दिनों से चल रहे सुखमनी साहिब एवं सहज पाठ का समापन भी श्रद्धापूर्वक किया गया।

गुरुद्वारे में विशेष दीवान सजाया गया, जिसमें गुरु अर्जन देव जी के जीवन, त्याग और बलिदान पर प्रकाश डाला गया शहीदी दिवस के अवसर पर गुरुद्वारे के बाहर छबील लगाकर राहगीरों और श्रद्धालुओं के बीच ठंडा शर्बत एवं लस्सी का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने गुरु का लंगर ग्रहण कर सेवा और समानता के संदेश को आत्मसात किया गुरुद्वारा के सचिव नरेंद्र सिंह सममी ने बताया कि गुरु अर्जन देव जी का शहीदी दिवस सिख समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह दिन उनके अद्वितीय त्याग, धैर्य और मानवता के लिए दिए गए बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि गुरु अर्जन देव जी की बढ़ती लोकप्रियता से चिंतित तत्कालीन मुगल बादशाह जहांगीर के आदेश पर उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गईं और वर्ष 1606 में शहीद कर दिया गया था।

उनकी शहादत आज भी मानवता, सत्य और धर्म के प्रति अटूट समर्पण की प्रेरणा देती है।इस अवसर पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के प्रधान डॉ. गुणवंत सिंह मोंगिया, चरणजीत सिंह सलूजा, राजेंद्र सिंह बग्गा, कुशल सलूजा, रॉबी सिंह, अजींदर सिंह चावला, कुंवरजीत सिंह, देवेंद्र सिंह सलूजा, राजेंद्र सिंह, सरबजीत सिंह, मिंटू सिंह सहित सिख समाज के अनेक गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

अग्निशमन जांच के दौरान विवाद, होटल संचालक और अधिकारियों में आरोप-प्रत्यारोप

संचालक ने अनावश्यक मांग व धमकी का तो विभाग ने असहयोगात्मक रवैया व दुर्व्यवहार का लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) के निर्देश पर होटलों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की जांच के दौरान करसो स्थित एक होटल हर्षित राज में विवाद उत्पन्न हो गया। मामले में होटल संचालक और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संचालक प्रदीप सिंह ने आरोप लगाया है कि 16 जून को जांच के लिए पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच के दौरान अनावश्यक मांगें रखीं। उनका कहना है कि विभागीय मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं होने के बावजूद कमियां निकालने का प्रयास किया गया। संचालक के अनुसार, शिकायत के बाद 17 जून को धनबाद से आई जांच टीम ने भी होटल पहुंचकर कर्मचारियों पर दबाव बनाया तथा जांच के नाम पर अनावश्यक कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने पर होटल बंद कराने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी गई। वहीं, अग्निशमन अधिष्ठापन पदाधिकारी धनबाद लक्ष्मण प्रसाद ने होटल संचालक के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उनका कहना है कि शिकायत मिलने पर टीम जांच के लिए होटल पहुंची थी, लेकिन होटल प्रबंधन ने सहयोग नहीं किया और अग्निशमन उपकरणों की समुचित जांच भी नहीं करने दी। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच दल के साथ दुर्व्यवहार किया गया तथा कुछ लोगों द्वारा दबाव बनाने का प्रयास किया गया। मामले की शिकायत अनुमंडल प्रशासन और वरीय अधिकारियों को करने की बात भी उन्होंने कही। फिलहाल दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर आरोप लगाए गए हैं। मामले की निष्पक्ष जांच और प्रशासनिक रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। एसडीओ का पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका। स्थानीय प्रशासन के समक्ष अब पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तथ्य सामने लाने की चुनौती है।

अधिकारियों ने रक्तदान को बताया महादान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सदर प्रखंड परिसर में सदर प्रखंड एवं अंचल प्रशासन के सौजन्य से आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 16 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर का आयोजन सदर प्रखंड, अंचल कार्यालय तथा प्रखंड स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सहयोग से किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों, स्वास्थ्य सहियाओं एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश रजक, सदर प्रमुख पूनम देवी, अंचल अधिकारी जितेंद्र प्रसाद तथा प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ. सचिन कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा

कि रक्तदान एक महादान है, जो जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन देने का कार्य करता है रक्तदान से पूर्व स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सभी रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच की गई। इसके बाद सुरक्षित एवं मानक प्रक्रिया के तहत रक्त संग्रह किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में रक्त की उपलब्धता बनाए रखने तथा लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रकार के शिविरों का आयोजन आगे भी किया जाता रहेगा।शिविर के दौरान रक्तदान करने वाले सभी लोगों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सोहेल अख्तर, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के मदन विश्वकर्मा, लिपिक राजू दास, बीपीएम सुजल कुमार, नकुल पाठक, सहिया साथी, सहियाएं, एमपीडब्ल्यू सहित सदर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कर्मी उपस्थित रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में न्यास परिषद एवं प्रबंधकीय समिति की बैठक

लंबित योजनाओं की समीक्षा, नई योजनाओं पर विस्तार से चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (उटऋ) न्यास परिषद एवं प्रबंधकीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में स्वीकृत योजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उनके क्रियान्वयन की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही नई योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत अपूर्ण योजनाओं की स्थिति पर गहन समीक्षा करते हुए विलंब के कारणों की जानकारी ली तथा संबंधित पदाधिकारियों को

आवश्यक निर्देश दिए। विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप खनन प्रभावित क्षेत्रों में योजनाओं के चयन पर विशेष जोर दिया गया। इस क्रम में ढटङङ गाइड लाइन के तहत प्रत्यक्ष रूप तथा अप्रत्यक्ष रूप से कुल 25 किलोमीटर की परिधि में आने वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनबाड़ी केंद्रों, जीविकोपार्जन एवं अन्य से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं के चयन पर विचार विमर्श समिति के सदस्यों संग किया गया। उपायुक्त ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल आपूर्ति, शौचालय, स्किल डेवलपमेंट एवं कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार योजनाओं का चयन कर अनुशंसा भेजने पर चर्चा किया। उन्होंने कहा कि उटऋ मद के अंतर्गत प्राप्त निधि का उपयोग जनहित में प्रभावी योजनाओं के माध्यम से किया जाए, ताकि खनन प्रभावित क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। बैठक में क्षेत्र के माननीय सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि, उप विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला खनन पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, जिला उद्यान पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

नशा मुक्त समाज के निर्माण में मीडिया और समुदाय की भूमिका अहम : उपायुक्त रामनिवास यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को नगर भवन, गिरिडीह में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया गया तथा समाज के विभिन्न वर्गों से अभियान को जनांदोलन बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त रामनिवास यादव एवं उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि जागरूकता फैलाने का सबसे प्रभावी

माध्यम मीडिया ही है उपायुक्त ने ड्रग्स, डेंड्राइट, गांजा, गुटखा, पान मसाला, तंबाकू तथा अन्य मादक पदार्थों से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशे के कारण घरेलू हिंसा, अपराध और सड़क दुर्घटनाओं जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि जिले में प्रत्येक माह एनसीओआरडी (नकॉर्ड) की बैठक आयोजित कर मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान की समीक्षा की जाती है। साथ ही लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, मेडिटेशन करने और जरूरत पड़ने पर नशामुक्ति केंद्रों की सहायता लेने की अपील की उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने कहा कि नशा आज केवल स्वास्थ्य का नहीं बल्कि सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक चुनौती का विषय बन गया है। युवाओं को नशे से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को जागरूकता अभियान की मजबूत कड़ी बताते हुए गांव-गांव तक संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति, परिवार और समाज के समग्र विकास में बड़ी बाधा है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा लगातार नशामुक्ति और जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार एवं टाउन थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं सरस्वती आजीविका महिला समूह और खुशबू आजीविका महिला समूह को भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।कार्यशाला में अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह, अनुमंडल पदाधिकारी खोरीमहुआ, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, सामाजिक सुरक्षा विभाग के अधिकारी, जेएसएलपीएस के प्रतिनिधि, पुलिस पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित थी।

नशा मुक्ति अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए थाना प्रभारी रत्न सिंह सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नशा मुक्ति, जन जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने के लिए नगर थाना के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी रत्न सिंह को सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उपायुक्त रामनिवास यादव ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में पुलिस, प्रशासन, मीडिया एवं आम जनता की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है नगर थाना प्रभारी रत्न सिंह ने अपने कार्यों के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने तथा मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों से समाज में नशा मुक्ति के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण हुआ है सम्मान प्राप्त करने पर रत्न सिंह ने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए वे आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे तथा लोगों को जागरूक करने का अभियान निरंतर जारी रहेगा।

गडरमा और जोभी गांव में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, नौ हजार किलो जावा महुआ नष्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। अधीक्षक उत्पाद गिरिडीह के निर्देश पर उत्पाद विभाग और मुफ्फसिल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने गडरमा एवं जोभी गांव में अवैध शराब के खिलाफ व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान कई अवैध महुआ शराब भट्टियों को ध्वस्त किया गया तथा भारी मात्रा में शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री और तैयार महुआ शराब बरामद की गई छापेमारी के दौरान अवैध शराब कारोबारियों द्वारा अपने घरों में संग्रहित लगभग 9,000 किलोग्राम जावा महुआ बरामद कर मौके पर ही नष्ट किया गया। इसके अलावा सप्लाई के लिए तैयार करीब 400 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की गई। हालांकि उत्पाद टीम को आता देख शराब कारोबारी मौके से फरार हो गए उत्पाद विभाग ने फरार आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है वहीं, इससे एक दिन पूर्व 18 जून 2026 को जमुआ थाना क्षेत्र के छकनाडीह, खरीडीह एवं खरगडीहा गांवों में भी अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया गया था। उस कार्रवाई में करीब 1,500 किलोग्राम जावा महुआ और 160 लीटर महुआ शराब बरामद की गई थी तथा अवैध शराब भट्टियों को ध्वस्त कर कारोबारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उत्पाद विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए नागरिकों की समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव सुने। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जनता दरबार में भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मामलों पर सुनवाई की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।उपायुक्त ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है, जहां नागरिक बिना किसी मध्यस्थता के अपनी समस्याएं रख सकते हैं। जनसरोकार से जुड़े मामलों का पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है जनता दरबार का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना और प्रशासन एवं जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों एवं मांगों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

डीसी ने डीसीसी एवं डीएलआरसी की समीक्षा बैठक में केसीसी लक्ष्य प्राप्ति पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की मार्च 2026 तिमाही की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक के एलडीओ, नाबार्ड के डीडीएम, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक शामिल हुए बैठक में वार्षिक ऋण योजना (एसीपी) की बैंकवार प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही सीडी रेशियो, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

(पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुद्रा योजना तथा स्वयं सहायता समूहों के वित्तपोषण की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई उपायुक्त ने समीक्षा के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड योजना को प्राथमिकता के आधार पर संचालित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में केसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जिन बैंकों का प्रदर्शन अपेक्षित स्तर का नहीं पाया गया, उन्हें वित्तीय वर्ष 2026-27 में निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया बैठक में वित्तीय साक्षरता केंद्र (एफएलसी) एवं सीएफएल के माध्यम से चलाए जा रहे वित्तीय जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी बैंक प्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों को बेहतर समन्वय स्थापित कर विभिन्न कल्याणकारी एवं स्वरोजगार आधारित योजनाओं से अधिकाधिक पात्र लाभुकों को जोड़ने का निर्देश दिया उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, ऋण स्वीकृति एवं वितरण प्रक्रिया में तेजी लाने तथा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। बैठक के दौरान विभागों एवं बैंकों के प्रतिनिधियों ने एजेंडावार प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भाजपा ने की प्रबुद्धजनों के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। प्रखंड के गयाजी रोड स्थित एक निजी मकान में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र सरकार की योजनाओं, संगठनात्मक गतिविधियों एवं विभिन्न जनहित मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में बारह साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत विकसित भारत एवं विकसित बिहार को लेकर संवाद कार्यक्रम चलाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने कार्यकाल में गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं के हित में कई योजनाएं लागू की हैं, जिसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। भाजपा नेताओं ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। बैठक में संगठन को मजबूत करने तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा हुई। मौके पर भाजपा जिला प्रवक्ता अश्विनी तिवारी, डॉ. दिनेश वर्मा, राजेश पांडेय, संजय शर्मा, मुन्ना तिवारी, गोपालशरण सिंह, संजय कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

लैपटॉप, नकद सहित अन्य सामान की चोरी

दाउदनगर (औरंगाबाद)। थाना क्षेत्र के एकौनी में एक घर से चोरों ने नगद, लैपटॉप सहित हजारों रुपए की संपत्ति चुरा ली। घटना के संबंध में प्रभात कुमार द्वारा करायी गयी प्राथमिकी में कहा गया है कि चोर घर के छत के सहारे सीढ़ी से नीचे आ गए। घर में रखा मोबाइल, लैपटॉप, बैग में रखा गोल्ड रिंग, चैन एवं 15 हजार नगद सहित अन्य सामान चुरा लिया। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

विभिन्न मुद्दों को लेकर भाकपा माले का धरना व प्रदर्शन

दाउदनगर (औरंगाबाद)। गरीबों के घरों पर चलाए जा रहे बुलडोजर और निरस्त किये जा रहे राशन कार्ड जैसे कई ज्वलंत समस्याओं को लेकर भाकपा माले द्वारा गुरुवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष धरना- प्रदर्शन किया गया। नेतृत्व प्रखंड सचिव सह राज्य कमेटी सदस्य चंद्रमा पासवान ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में पार्टी के जिला सचिव मुनारीक पासवान एवं पूर्व जिला सचिव जनार्दन प्रसाद सिंह उपस्थित रहे। धरना प्रदर्शन के माध्यम से गरीबों-भूमिहीनों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने, आवासीय जमीनों का गरीबों को आवंटित करने, वर्षों से बसे हुए गरीबों की भूमि को भूमि पर्चा निर्गत करने तथा प्रखंड कार्यालय में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार पर रोक लगाने सहित अन्य मांगे की गई। बिहार के तमाम विभागों में भ्रष्टाचार चरम पर है,जिसमें प्रखंड कार्यालय भी अछूता नहीं है। आरोप लगाते हुए कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा सहित विभागों की योजनाओं में अनियमितता बरती जा रही है। मौके पर काराकाट सांसद प्रतिनिधि प्रकाश कुमार उर्फ पिंटू सिंह, नरेंद्र कुमार, प्रखंड सांसद प्रतिनिधि राजकुमार भगत, नगर सांसद प्रतिनिधि कयूम अंसारी, भाकपा माले टाउन सचिव बिरजू चौधरी, जिला कमेटी सदस्य दुधेश्वर मेहता, महेंद्र राम, परशुराम सिंह, गणेश कुमार, गिरजा राम, एपवा नेत्री सिंह अख्तरी बानो उपस्थित थे।

रसुलपुर में किसान चौपाल का आयोजन

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड के रसुलपुर सिहाड़ी, हैबसपुर गांव में खरीफ फसलों की उत्पादन में बढ़ोतरी को लेकर कृषि विभाग आत्मा की ओर से किसान चौपाल का आयोजन किया गया। किसान चौपाल में बड़ी संख्या में किसान भाई शामिल हुए। एटीएम अवनीश कुमार, मुकेश कुमार, बीटीएम कुंदन कुमार ने कहा परंपरागत खेती अब घाटे की खेती होती जा रही है। खरीफ फसलों में उत्पादन बढ़े इसके लिए नई तकनीक विधि को अपनाना होगा। इसके साथ नगदी फसल. लगाने पर बल दिया गया। एटीएम अवनीश कुमार ने कहा किसान खेतों की मिट्टी अवश्य जांच कराएं। इससे खेतों के गुणवत्ता पता चलता है। धान की बिचड़ा डालने के पहले बिजोपचार अवश्य करें। उन्होंने मशरुम लगाने कि विधि को विस्तार से जानकारी दी। पटसन की खेती करने पर बल देते हुए कहा कि बाजार मे इसके किमत बहुत कम है। बाहर में बहुत ज्यादा है। कुंदन कुमार, किसान सलाहकार रविंद्र कुमार ने किसानों के बिच सरकार के द्वारा चलाए जा रही लाभकारी योजनाओं का विस्तार से जानकारी दी।

बकाया मजदूरी मांगने गए युवक के साथ मारपीट

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के हाजीपुर गोला स्थित एक टेंट दुकान पर बकाया मजदूरी मांगने गए युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। घटना में रफीगंज शहर के अब्दुलपुर निवासी डोमन साव के 24 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नीतीश कुमार एक टेंट दुकान में मजदूरी का कार्य करता था। उसकी तीन दिनों की मजदूरी बकाया थी। गुरुवार की रात्रि वह अपनी मजदूरी मांगने टेंट दुकान पर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर टेंट मालिक सरफराज और नीतीश कुमार के बीच कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि गुस्से में आकर टेंट मालिक ने नीतीश कुमार पर हमला कर दिया। हमले में नीतीश कुमार के सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद परिजनों द्वारा उसका इलाज कराया गया। रफीगंज थाना अध्यक्ष

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-17-26, दिनांक: 17.06.2026। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंज़िल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या: ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-17-26। कार्य का नाम सहित उसका स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में अम्बिका कालना, नबद्वीपधाम, कटवा, आजिमगंज, खागड़ाघाट रोड, हावड़ा, डानकुनी, तारकेश्वर, सांइथिया, लिलुआ, बैंडेल, कामारकुण्डू, सालार, बैंची, पाण्डुया एवं मेमारी में पैदल ऊपरी पुल को जोड़ने वाली पैसेंजर लिफ्टों के प्रावधान के सम्बन्ध में 25 केवी ओएचई कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹50,63,009.97। **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** ₹ 1,01,300। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **कार्य पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 06 (छह) महीना। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 10.07.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्योरे/स्पेसिफिकेशन के लिए निविदादाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा कोई भी मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसे स्वीकार नहीं किया जायेगा तथा सीधे रद्द कर दिया जायेगा।

(HWH-166/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-17, दिनांक: 17.06.2026। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/पूर्व रेलवे, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए वैध विद्युतीय ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस रखने वाले तथा निम्नलिखित कार्य को आर्थिक रूप से पूरा करने में सक्षम सम्माननीय निविदादाताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा केस संख्या: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-17। कार्य का नाम:** निम्नलिखित टीआरडी पोर्शन कार्य: (i) आसनसोल मंडल- सहायक अभियंता/ बीआरएल/आसनसोल के अधीन सोनाचारा-तपसी खंड के बीच पुल संख्या 2 (स्पैन 2x24.689 मी.) की रीगार्डरिंग, जैकेटिंग एवं सुरक्षा कार्य सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। (ii) आसनसोल मंडल- सहायक अभियंता/ बीआरएल/आसनसोल के अधीन खाना जंक्शन-आसनसोल खंड के बीच अप एवं डाउन डीएसपी लाइन पर पुल संख्या 9 एवं 9ए की रीगार्डरिंग तथा एम्बैंकमेंट का मज़बूतीकरण सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। (iii) सहायक अभियंता/बीआरएल/आसनसोल के अधीन खाना जंक्शन-आसनसोल खंड के बीच अप डीएसपी लाइन पर पुल संख्या 4 (आरओआर) की रीगार्डरिंग एवं एम्बैंकमेंट का मज़बूतीकरण सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। (iv) आसनसोल मंडल- आसनसोल-खाना जंक्शन खंड में कालीपहाड़ी-दामोदर जंक्शन के बीच पुल संख्या 2 डीके की रीगार्डरिंग सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। (v) आसनसोल मंडल- मंडल अभियंता/4/ आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/1/अंडाल के अधीन अंडाल में पुल संख्या 20 के लिए पीएससी गार्डर की बदली एवं जीर्णोद्धार तथा सुरक्षा कार्य सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। (vi) आसनसोल मंडल- वरिष्ठ मंडल अभियंता/III/आसनसोल के खंड में प्रतिस्थापन के आधार पर मानकर स्टेशन पर नए पैदल ऊपरी पुल का प्रावधान। (vii) आसनसोल मंडल- वरिष्ठ मंडल अभियंता/III/ आसनसोल के खंड में प्रतिस्थापन के आधार पर गलसी स्टेशन पर नए पैदल ऊपरी पुल का प्रावधान। (viii) मार्शेलिंग यार्ड, अंडाल में नया आरओएच शेड। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,30,63,974.52। **बयाना राशि:** ₹ 6,61,300। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 29.07.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। **कार्य पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीना। **कार्य हेतु प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तारीख से 60 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(ASN-144/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

करोड़ों के खर्च के बाद भी बाजार समिति परिसर बदहाल

टूटे नाले, गंदगी और जलजमाव से परेशान किसान-व्यापारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और बाजार व्यवस्था को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से स्मार्ट सिटी योजना के तहत बाजार समिति के विकास एवं सौंदर्यीकरण पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। लेकिन जमीनी हकीकत सरकारी दावों से बिल्कुल उलट नजर आ रही है। अधिकारियों की उदासीनता और रखरखाव की कमी के कारण बाजार समिति आज बदहाली, गंदगी और अव्यवस्था का पर्याय बन गई है।परिसर में जगह-जगह नाले टूटे पड़े हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। कीचड़, दुर्गंध और जलजमाव के कारण किसानों, व्यापारियों और ग्राहकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन बाजार पहुंचने

वाले किसान और उनके बच्चे दुर्घटनाओं के जोखिम के बीच आवागमन करने को मजबूर हैं। कई स्थानों पर खुले और क्षतिग्रस्त नाले हादसों को आमंत्रण दे रहे हैं।स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। बदबू और गंदगी के कारण ग्राहक अधिक देर तक बाजार में रुकना नहीं चाहते, जिसका सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि विकास कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन मूलभूत सुविधाएं आज भी अधूरी हैं।लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नालों की मरम्मत, नियमित सफाई और बेहतर जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो आगामी बरसात में हालात और भी गंभीर हो जाएंगे।वहीं दूसरी ओर किसानों और मत्स्य विक्रेताओं के लिए बाजार समिति परिसर में लगभग 100 आधुनिक दुकानों, करीब 20 मछली विक्रेता दुकानों तथा वातानुकूलित भंडारण की सुविधा का निर्माण कराया गया है। लेकिन निर्माण कार्य पूरा हुए करीब एक वर्ष बीतने के बावजूद आज तक दुकानों का आवंटन नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप करोड़ों रुपये की लागत से बनी ये सुविधाएं उपयोग के अभाव में उपेक्षा का शिकार बनी हुई हैं।

नालंदा में नीट (यूजी) 2026 की तैयारी पूरी, 3804 परीक्षार्थी होंगे शामिल

बिहारशरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) 2026 परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में प्रभारी जिला पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता राजीव रंजन कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित हरदेव भवन में सभी स्टैटिक दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, स्कॉर्ट पार्टी एवं परीक्षा केंद्राधीक्षकों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी जिला पदाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस महत्वपूर्ण परीक्षा की शुचिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कुल 3804 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष का टोल-फ्री नंबर 18003456323 जारी किया गया है।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी परीक्षार्थी को मोबाइल फोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के साथ परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 07 स्टैटिक दंडाधिकारी तथा 07 स्कॉर्ट पार्टी की प्रतिनियुक्ति की गई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा, पिन-723121, पश्चिम बंगाल के द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा की अंतिम तिथि और समय 10.07.2026 को 11.00 बजे है। विवरण वेबसाइट **www. ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **क्रम सं. निविदा सूचना सं., कार्य का नाम और निविदा मूल्य** निम्नानुसार है: **(1) एसएनटी_ई_निविदा_एडीए_ 26_27_19,** आद्रा मंडल में एसएसई/सिग्नल/ बाँकुड़ा के खंड में 4 एलसी गेटों के इंटरलॉकिंग के संबंध में एस एंड टी कार्य, रु. 2,80,73,515.92, **(2) एसएनटी_ई_ निविदा _एडीए_ 26_ 27_17,** आद्रा मंडल के तहत आद्रा में जेओसी छोर पर किमी 283/5-किमी 283/7 के बीच आरएचएस के निर्माण के संबंध में एस एंड टी कार्य, रु. 1,37,08,235.60, **(3) एसएनटी_ई_ निविदा _एडीए_26_27_18,** आद्रा मंडल में एसएसई/ सिग्नल/आद्रा के खंड में एलसी गेट आरसी-5 एवं डीके-2 के इंटरलॉकिंग के संबंध में एस एंड टी कार्य, रु. 1,38,87,120.86 **(PR-358)**

राजस्व सेवा के अधिकारी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

राजनीतिक विरोध और दबाव का किया है जिक्र

प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बगहा। बगहा-दो अंचल में पदस्थापित बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी रवि प्रकाश चौधरी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान राजनीतिक प्रतिशोध और संभावित कार्रवाई की आशंका जताई है।

उन्होंने पत्र में निष्पक्ष जांच, पारदर्शी प्रक्रिया तथा विधि के शासन की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

17 जून को लिखे गए इस पत्र में अधिकारी ने उल्लेख किया है कि सेवा में प्रवेश के समय उन्होंने संविधान और कानून के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी तथा हमेशा निष्पक्ष और विधिसम्मत तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन किया है।

उन्होंने दावा किया कि हाल के अतिक्रमण उन्मूलन अभियानों के दौरान उन्हें राजनीतिक विरोध और दबाव का सामना करना पड़ा, जिससे प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हुई।

पत्र के अनुसार, पांच जून को एक अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान राजनीतिक विरोध के कारण अभियान प्रभावित हुआ था। वहीं, 12 जून को भी एक अन्य अभियान के दौरान उन पर दबाव बनाने और कार्यवाही रोकने के प्रयास किए गए।

राजस्व अधिकारी द्वारा सीधे प्रधानमंत्री को पत्र भेजे जाने के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, पत्र में किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन इसमें राजनीतिक दबाव और प्रतिशोध की आशंका को लेकर उठाए गए सवालों ने मामले को गंभीर बना दिया है। लोगों का कहना है कि इस तरह के राजनीतिक दबाव में आखिरकार अधिकारी कैसे अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।

416 स्कूलों पर मंडराया मान्यता रद्द होने का खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जिले के 416 स्कूलों ने ई-संबंधन पोर्टल अब तक मान्यता के लिए आवेदन नहीं किए हैं। शिक्षकों के साथ ही स्कूल की आधारभूत संरचना की जानकारी भी साझा नहीं की है।

ऐसे विद्यालयों को सूची तैयार कर जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से प्रधानाध्यापकों को एक सप्ताह के अंदर मान्यता लेने के लिए ई-संबंधन पोर्टल पर आवेदन देने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने पर यू-डायस कोड रद कर दिया जाएगा।

इन स्कूलों ने वर्ष 2018-2019 पहले के नियम के अनुसार बिना मान्यता के ही यू-डायस कोड दे दिया गया था, लेकिन अब नए नियम के तहत निजी स्कूलों को पहले जिला शिक्षा कार्यालय की तीन सदस्यीय कमेटी की ओर से मान्यता प्राप्त करने के बाद ही यू-डायस कोड स्वीकार किया जाएगा।

ऐसे में इन 416 स्कूलों को अनरिकोग्नाइजड कैटेगरी में रखा गया है। इसके साथ ही जिले के 113 निजी स्कूल ऐसे भी हैं, जिन्होंने प्रस्वीकृति की तीन साल की अवधि खत्म होने के बाद भी नवीनीकरण के लिए ई-संबंधन पोर्टल पर आवेदन नहीं किया है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी साकेत रंजन ने सूची में शामिल इन स्कूलों को एक सप्ताह के अंदर ई-संबंधन पोर्टल पर आवेदन के लिए कहा है।

रेलवे ट्रैक से लाश बरामद

मुजफ्फरपुर। जिले में एक युवक की आत्महत्या का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। कांटी थाना क्षेत्र के कपरपुरा स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पर 26 वर्षीय युवक का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सिरसिया खुर्द गांव निवासी अभय कुमार के रूप में हुई है। घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट में युवक ने अपनी पत्नी के कथित प्रेम संबंधों को आत्महत्या का कारण बताया है।

चुनाव परिणाम के बाद आरोप-प्रत्यारोप शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा की हार के बाद झारखंड की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस प्रभारी के. राजू द्वारा राजद पर गठबंधन प्रत्याशी को वोट नहीं देने का आरोप लगाए जाने के बाद राजद ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

राजद के पोलिंग एजेंट भोला प्रसाद यादव, विधायक दल के नेता सुरेश पासवान, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव और मंत्री संजय प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से कांग्रेस के आरोपों को निराधार और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

"खेला" के लिए जिम्मेदार कौन?

राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान ने कहा कि कांग्रेस को दूसरों पर आरोप लगाने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि राजद के सभी चार विधायकों ने गठबंधन प्रत्याशी प्रणव झा को ही वोट दिया था। पासवान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रभारी के. राजू स्वयं इस चुनाव में खेला करने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि राजद पर आरोप लगाकर कांग्रेस अपनी विफलता छिपाने की कोशिश कर रही है।

साथ ही राहुल गांधी से के. राजू को झारखंड प्रभारी पद से हटाने की मांग भी की।

प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि कांग्रेस की वर्तमान स्थिति उसके नेताओं की कार्यशैली और बयानों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता लगातार कांग्रेस से दूरी बना रही है और पार्टी को आत्ममंथन करने की जरूरत है।

राजद के पोलिंग एजेंट भोला प्रसाद यादव ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का स्पष्ट निर्देश था कि गठबंधन प्रत्याशी प्रणव झा को जिताना है।

उन्होंने दावा किया कि मतदान के दौरान सभी राजद विधायकों ने उन्हें अपना वोट दिखाया था, जिससे वह पूरी तरह संतुष्ट थे।

मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि राजद ने कभी किसी सहयोगी दल के साथ विश्वासघात नहीं किया है। कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह झूठे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों पर सार्वजनिक बयानबाजी के बजाय गठबंधन के मंच पर चर्चा होनी चाहिए।

बकाया रकम के विवाद में महिला को लगी गोली, मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। फतुहा के पंचरुखिया थाना क्षेत्र स्थित खरपड़ी गांव में भैंस खरीद-बिक्री के लेनदेन को लेकर चल रहा विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। गुरुवार देर रात बकाया रकम को लेकर हुए विवाद में एक महिला की गोली लगने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान खरपड़ी गांव निवासी संजय पासवान की 45 वर्षीय पत्नी रानी देवी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, घटना के पीछे भैंस खरीद से जुड़ा आर्थिक विवाद बताया जा रहा है। मृतका के पुत्र सोनू कुमार ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले उसके पिता संजय पासवान ने वीरू पासवान से ढाई लाख रुपये में एक भैंस खरीदी थी। इस सौदे में डेढ़ लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया था, जबकि एक लाख रुपये बकाया था। इसी राशि को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

परिजनों के मुताबिक, गुरुवार रात करीब दो बजे वीरू पासवान अपने दो सहयोगियों के साथ उनके घर पहुंचा और बकाया राशि की मांग करने लगा। इसी दौरान संजय पासवान और वीरू पासवान के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी ने हथियार निकालकर गोली चला दी। बताया जा रहा है कि आरोपी का निशाना संजय पासवान था, लेकिन गोली उनकी पत्नी रानी देवी को जा लगी। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ीं। परिजन घायल महिला को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी अपने दोनों साथियों के साथ मौके से फरार हो गया।

शादी समारोह में नर्तकी को मारी गोली, मौत

मौत के बाद कलाकारों में मचा कोहराम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। जिले में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया जब फरमाइशी गीत को लेकर हुए विवाद में एक नर्तकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आरोपी मौके से फरार हो गए। नर्तकी सोनू गोड तरकुलवा थाना क्षेत्र का रहने वाला था।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। घटना गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र के पटूहा जमुनहा गांव की है। महेंद्र कुशवाहा के यहां शादी समारोह के अवसर पर नाच-गाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में देवरिया जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के सिसवा गांव निवासी थर्ड जेंडर नर्तकी सोनू गोड अपने दल के साथ प्रस्तुति दे रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात कार्यक्रम के दौरान गांव के कुछ युवक मंच के पास पहुंचे और अपनी पसंद का गीत बजाने की मांग करने लगे। नर्तकी द्वारा तत्काल उनकी फरमाइश पूरी नहीं किए जाने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया।

मारपीट के बीच चली गोली सोनू को लगी और उसकी मौके पर मौत हो गई। कार्यक्रम संचालक एवं देवरिया जिले के मालसी चौराहा निवासी रामायण यादव ने बताया कि विवाद के दौरान युवकों ने नर्तकी के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान एक युवक ने तमंचा निकालकर सोनू गोड के पेट में गोली मार दी। गोली लगते ही नर्तकी लहूलुहान होकर मंच के सामने गिर पड़ी। घटना होते ही कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ मच गई। शादी समारोह में शामिल लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे जबकि आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने किया मृत घोषित घटना के बाद घायल सोनू गोड को आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों और साथी कलाकारों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर कटेया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज पुलिस ने कार्यक्रम संचालक की तहरीर पर तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा कार्यक्रम में मौजूद लोगों के मोबाइल वीडियो और अन्य साक्ष्य भी खंगाले जा रहे हैं।

कई थानाध्यक्षों पर हाई कोर्ट की तनी भृकुटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना में ध्वनि एवं पर्यावरण प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने को लेकर पटना हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है।

न्यायाधीश राजीव रॉय की एकलपीठ ने सुरेंद्र प्रसाद की याचिका पर सुनवाई करते हुए विभिन्न थानों द्वारा दाखिल अनुपालन प्रतिवेदनों पर असंतोष जताते हुए कहा कि न्यायालय के पूर्व आदेशों के अनुरूप कार्रवाई नहीं की गई है।

अदालत ने कई थानाध्यक्षों की कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए चेतावनी दी कि लापरवाही जारी रहने पर प्रतिकूल न्यायिक कार्रवाई की जाएगी।

अदालत अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें डीजे, उच्च ध्वनि वाले साउंड सिस्टम और प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न के अनियंत्रित उपयोग का मुद्दा उठाया गया है।

न्यायालय की सहायता के लिए न्यायालय मित्र के रूप में वरीय अधिवक्ता अजय उपस्थित हुए, जबकि राज्य की ओर से सरकारी अधिवक्ता प्रशांत प्रताप ने पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान अदालत ने बुद्धा कॉलोनी, गांधी मैदान, रूपसपुर, राजीव नगर और पोठिया थाना क्षेत्रों से प्राप्त प्रतिवेदनों को अपर्याप्त पाया। विशेष रूप से बुद्धा कॉलोनी थानाध्यक्ष की रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अदालत ने कहा कि क्षेत्र के सभी विवाह भवनों का विवरण देने के बजाय चुनिंदा संस्थानों से ही शपथपत्र लिया गया है। न्यायालय ने थानाध्यक्ष को क्षेत्र के सभी मैरेज हॉल की संख्या तथा प्रत्येक से प्राप्त उपबंधों का विस्तृत ब्यौरा शपथपत्र के माध्यम से प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

इसी दौरान बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से दायर हलफनामे पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने रूपसपुर के निमार्णाधीन क्षेत्रों में धूल प्रदूषण रोकने के लिए नियमित जल छिड़काव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

न्यायालय मित्र ने बिहटा के तेजी से विकसित हो रहे निर्माण क्षेत्रों में भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता बताई। वहीं, फुलवारीशरीफ क्षेत्र में प्रेशर हॉर्न के बढ़ते उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए अदालत ने संबंधित थानाध्यक्ष को स्थिति का आकलन कर विस्तृत अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया।

दूसरी ओर, कदमकुआं और छपरा थाना द्वारा प्रस्तुत कार्रवाई प्रतिवेदन को संतोषजनक मानते हुए न्यायालय ने दोनों थानाध्यक्षों की सराहना की। मामले की अगली सुनवाई दस दिनों बाद होगी।

अदालत ने सभी संबंधित थानाध्यक्षों को कार्रवाई की तिथि, प्रकृति और परिणामों का पूरा विवरण देते हुए नया विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

सियालदह-बलिया एक्सप्रेस से अंग्रेजी शराब की खेप बरामद

आम के बीच छिपाकर रखी गई थी शराब की बोतलें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सोनपुर। आम के बीच छुपा कर रखे गए अंग्रेजी शराब के साथ सियालदह-बलिया एक्सप्रेस ट्रेन के कोच अटेंडेंट को सोनपुर आरपीएफ क्राइम ब्रांच टीम ने गिरफ्तार किया है।

रेलवे सुरक्षा व्यवस्था के तहत चलाए जा रहे विशेष निगरानी अभियान के दौरान सोनपुर आरपीएफ क्राइम ब्रांच टीम ने सियालदह-बलिया एक्सप्रेस से अंग्रेजी शराब की खेप बरामद करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार निरीक्षक चंदन कुमार सिंह के निर्देशन में क्राइम ब्रांच की टीम गाड़ी संख्या 13105 डाउन सियालदह-बलिया एक्सप्रेस में आपराधिक गतिविधियों की निगरानी कर रही थी।

इसी दौरान कोच संख्या बी-2 में संदिग्ध व्यक्ति को सीट के नीचे से प्लास्टिक टेप से पैक दो कैरेट निकालकर दरवाजे के समीप रखते हुए देखा गया। पूछताछ के दौरान उसके जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कैरेट की जांच की गई। तलाशी के दौरान दोनों कैरेटों में आम के बीच छिपाकर रखी गई कुल 10 बोतलें (प्रत्येक 750 एमएल) बरामद हुईं। बरामद शराब की कुल मात्रा 7.500 लीटर है। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान गौतम कुमार (29 वर्ष), निवासी विशुनपुर, थाना गोविंदपुर, जिला नवादा के रूप में हुई है, जो ट्रेन में कोच अटेंडेंट बेडरोल कर्मी के रूप में कार्यरत बताया गया है।

पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि शराब की खेप उसे पश्चिम बंगाल के नैहटी में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराई गई थी तथा उसे सीतलपुर स्टेशन पर किसी अन्य व्यक्ति को पहुंचाना था। हालांकि वह संबंधित व्यक्तियों का नाम-पता नहीं बता सका।

इस कार्रवाई अभियान में सहायक उप निरीक्षक अमरेश कुमार, प्रधान आरक्षी विजय कुमार विजेता, चंदन कुमार तथा आरक्षी संजीव कुमार शामिल थे।

तीन ट्रांसफार्मरों से तांबे के क्वायल की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। कृषि कार्य के लिए लगाए गए बिजली ट्रांसफार्मरों पर चोरों की नजर पड़ गई है। बुधवार की रात बदमाशों ने तेल्हाडा एवं इस्लामपुर थाना क्षेत्र की सीमा से सटे तीन अलग-अलग स्थानों पर लगे कृषि ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाते हुए उनके तांबे के क्वायल चोरी कर लिए। घटना के बाद किसानों के सामने सिंचाई का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

जानकारी के अनुसार, तेल्हाडा थाना क्षेत्र के सोनियावां पंचायत अंतर्गत खुशहालपुर एवं सोनियावां गांव के खंधा में स्थापित कृषि ट्रांसफार्मरों को चोरों ने खंभे से नीचे गिरा दिया और उसमें लगे तांबे के क्वायल निकालकर फरार हो गए। वहीं इस्लामपुर थाना क्षेत्र के गवसपुर गांव के खंधा में लगा कृषि ट्रांसफार्मर भी चोरों के निशाने पर रहा। यह स्थान तेल्हाडा थाना क्षेत्र की सीमा से सटा हुआ है।

शुक्रवार सुबह जब किसान खेतों की ओर पहुंचे तो ट्रांसफार्मरों को जमीन पर पड़ा देख उनके होश उड़ गए। घटना की जानकारी ग्रामीणों और बिजली विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। किसानों ने बताया कि इन ट्रांसफार्मरों के माध्यम से खेतों की सिंचाई की जाती है।

क्वायल चोरी होने से धान की रोपनी समेत अन्य कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। किसानों ने जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदलने और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

घटना की पुष्टि करते हुए तेल्हाडा विद्युत प्रशाखा के कनीय अभियंता तारकेश्वर प्रसाद ने बताया कि सोनियावां पंचायत के खुशहालपुर एवं सोनियावां गांव में लगे दो कृषि ट्रांसफार्मरों से सामग्री चोरी की गई है। इस घटना से विभाग को लगभग एक लाख रुपये की क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

जिप सदस्य को मातृशोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। भाजपा टिकारी के एक शिष्टमंडल मुर्गी बिगहा का दौरा कर जिप सदस्य सह राजद के जिला उपाध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव के माता के निधन पर सहानभूति मुलाकात किया। मालूम हो कि उनकी माता का निधन 13जून हो गई थी।

सप्लायर कार्यालय में हथियार के बल पर लूटपाट

कर्मियों के साथ मारपीट, तीन की हालत गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। जिले के सफियासराय थाना क्षेत्र में अपराधियों ने पुलिस व्यवस्था को खुली चुनौती देते हुए थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित एक सप्लायर कार्यालय में लूटपाट की वारदात को अंजाम दे दिया। हथियारबंद बदमाशों ने कार्यालय में मौजूद कर्मियों के साथ मारपीट कर करीब 55 हजार रुपये लूट लिए। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, श्री गणेश सप्लायर कार्यालय में बालू बिक्री की राशि लेकर चालक सत्तू यादव पहुंचे थे। इसी दौरान चार हथियारबंद अपराधी कार्यालय में घुस आए और नकदी लूटने का प्रयास करने लगे। कार्यालय कर्मियों द्वारा विरोध किए जाने पर बदमाशों ने लाठी-डंडों और हथियारों के बल पर हमला कर दिया। हमले में नीरज यादव, रामानंद यादव समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल, मुंगेर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के दौरान कार्यालय में

बाइक छोड़कर अपराधी फरार

अफरा-तफरी मच गई। भागने की जल्दबाजी में अपराधी अपनी एक बाइक घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गए। कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बदमाशों द्वारा छोड़ी गई बाइक को जब्त कर जांच शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि लूटपाट की घटना के बाद अपराधियों ने कंपनी मालिक के कासिम बाजार थाना क्षेत्र स्थित हेरूदियारा इलाके के घर के पास फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश भी की। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए झारखंड से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

तीन शराब तस्कर धराये

किशनगंज। गलगलिया पुलिस ने सीमावर्ती क्षेत्र में गुरुवार को संध्या गश्ती के दौरान पश्चिम बंगाल की ओर से आ रहे तीन व्यक्तियों को 14.04 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। तस्कर शराब की बोतलों को तस्कर शरीर में टेप से बांधकर ले जा रहे थे। पुलिस की सतर्कता के कारण उनकी चालाकी सफल नहीं हो सकी।

जानकारी के अनुसार, गलगलिया के झपसी टोला के समीप समस्तीपुर निवासी अर्पण साह (38), कटिहार निवासी सोनी लाल दास (55) तथा पूर्णिया निवासी संजीव कुमार सिंह (48) पर शक होने के बाद तीनों को रोका गया। रोककर पूछताछ करने के बाद उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जवानों ने पाया कि तीनों ने अपने कपड़ों के अंदर शरीर पर टेप की मदद से शराब की बोतलें बांध रखी थीं। बरामद शराब की कुल मात्रा 14.04 लीटर बताई गई है। शराब बरामद होने के बाद तीनों आरोपितों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। तीनों बिहार के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं।

दशकों पुराना ऐतिहासिक सरोवर चढ़ा अतिक्रमणकारियों की भेंट

12 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला तालाब

छठ में बड़ी संख्या में जुटते हैं श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। एक समय करमौनी शिव मंदिर का ऐतिहासिक सरोवर आसपास के कई गांवों के लोगों की प्यास बुझाने और खेती-किसानी का प्रमुख आधार हुआ करता था, लेकिन आज यह सरोवर खुद पानी के संकट से जूझ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार करीब 12 एकड़ क्षेत्र में फैला यह तालाब सौ वर्ष से भी अधिक पुराना है और धार्मिक, सामाजिक तथा कृषि दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

करमौनी, दरियाऔरा, मानसीडीह, दाब, गढ़ करमौनी, पड़री, आंगदा, भलूआ और गंहरिया समेत कई गांवों के लोग इस सरोवर पर निर्भर रहे हैं। छठ पर्व के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु अर्घ्य देने पहुंचते हैं। तालाब के मेड़ पर भगवान शिव और भगवान सूर्य का आकर्षक मंदिर भी स्थित है, जहां सावन माह में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

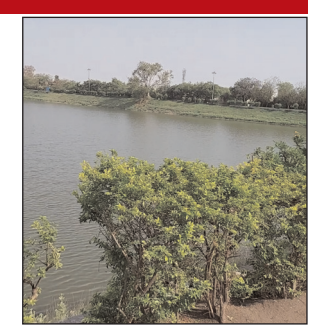

ग्रामीणों ने बताया कि पहले गोविंदपुर नहर से पईन के माध्यम से तालाब में सालभर पानी पहुंचता था, लेकिन पईन पर अतिक्रमण हो जाने के कारण जलापूर्ति बंद हो गई है। नतीजतन फागुन माह से ही तालाब सूखने लगता है और बरसात आने पर ही इसमें पर्याप्त पानी जमा हो पाता है।

पहले यह सरोवर पूरे वर्ष जल से भरा रहता था। तालाब में 150 फीट गहरी चार पांच बोरिंग कराई जाए तो पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकती है। क्षेत्र में 80 फीट से नीचे जलस्तर उपलब्ध है और आसपास के गांवों में भी भूजल का स्तर लगातार गिरते जा रहा है। इसके बावजूद कृषि विभाग, पीएचईडी और मत्स्य विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

ग्रामीण मनोज कुमार ने कहा कि अतिक्रमण हटाकर पईन की सफाई कराने तथा तालाब के पुनर्जीवन के लिए विशेष योजना चलाया जाना चाहिए। जिससे तालाब जीवंत हो जाएगा।

ग्रामीण संतोष कुमार ने बताया कि ऐतिहासिक सरोवर का अस्तित्व बचाने के लिए ग्रामीण संगठित हो रहे है और जल्द ही आंदोलन का रुख किया जायेगा। छठ पर्व और महाशिवरात्रि में इस तालाब का उपयोग बढ़ जाता है।

ग्रामीण आशीष कुमार ने कहा कि तालाब का सौंदर्यीकरण होना चाहिए। तालाब में पानी सुख जाने के कारण पानी का जलस्तर डेढ़ सौ फीट पहुंच गया है।

ग्रामीण संतोष कुमार ने बताया कि तालाब के आस पास मंदिर, धर्मशाला बनाया गया है वही प्रखंड प्रमुख के द्वारा छठ घाट और सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कार्य गया है जिससे तालाब गंदगी से बच रहा है।

नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा से बनेगा आत्मनिर्भर बिहार : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण में नवीकरणीय ऊर्जा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे पटना के ज्ञान भवन सभागार में आयोजित आईसीसी नवीकरणीय ऊर्जा एक्सपो 2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाला एक प्रभावी मंच है। उन्होंने आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सरकार, उद्योग और

समाज को एक मंच पर लाकर नवाचार, संवाद और निवेश के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। **प्रधानमंत्री सूर्य घर:** मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से आम लोगों को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। बिहार भी इस दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है और राज्य के हजारों परिवार सौर ऊर्जा अपनाकर अपनी बिजली आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ हरित ऊर्जा अभियान में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में व्यापक वृद्धि तथा वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इन राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उपलब्ध संसाधनों, सरकारी प्रोत्साहन और निजी क्षेत्र की भागीदारी से बिहार स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। डॉ. प्रेम कुमार ने कार्यक्रम में भाग लेने वाली विभिन्न कंपनियों, निर्माताओं, अभियांत्रिकी-क्रय-निर्माण साझेदारों, वितरकों, वित्तीय संस्थानों, निवेशकों और तकनीकी सहयोगियों की सराहना करते हुए बिहार में निवेश एवं तकनीकी विकास के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिहार अब केवल ऊर्जा उपभोक्ता राज्य नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा और सौर उद्योग के उभरते केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। कार्यक्रम में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, उद्योगपति, निवेशक, उद्यमी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शाहपुर की घटना दुखद एवं चिंताजनक, दोषी कोई भी हो बख्शा न जाए : ऋतुराज सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने भोजपुर के शाहपुर में हुई दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत भूषण तिवारी की मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को मर्माहत किया है। इस घटना को लेकर जनता के मन में जो सवाल और चिंताएं हैं, उनका निष्पक्ष उत्तर सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार द्वारा संबंधित पुलिसकर्मियों के निलंबन की त्वरित कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन न्याय केवल प्रारंभिक कार्रवाई से पूरा नहीं होता। पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच आवश्यक है, ताकि सच्चाई सामने आए और किसी भी प्रकार की आशंका की गुंजाइश न

रहे। श्री सिन्हा ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है, लेकिन किसी भी परिस्थिति में कानून से ऊपर कोई नहीं हो सकता। यदि जांच में अधिकारों के दुरुपयोग, लापरवाही अथवा निर्धारित प्रक्रिया के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति की मृत्यु का नहीं, बल्कि जनता के कानून और न्याय व्यवस्था पर विश्वास से भी जुड़ा हुआ है। मुझे विश्वास है कि एनडीए सरकार इस मामले में निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ेगी। न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए। मुझे पूरा भरोसा है कि सत्य सामने आएगा, दोषी चाहे कोई भी हो उसे बख्शा नहीं जाएगा और पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा। श्री सिन्हा ने शाहपुर एवं भोजपुर की जनता से शांति और संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि न्याय की मांग पूरी मजबूती से होनी चाहिए, लेकिन कानून का सम्मान और सामाजिक सौहार्द भी उतना ही आवश्यक है।

एएन कॉलेज परिसर से हटेगा थाना, सीएम ने दी मंजूरी : डॉ रत्ना अमृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एएन कॉलेज प्रशासन द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही दो महत्वपूर्ण मांगों को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्वीकृति दे दी है। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रत्ना अमृत ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पहली मांग कॉलेज परिसर से पुलिस थाना हटाने की थी जबकि दूसरी मांग कॉलेज परिसर के समीप स्थित जल परिषद की अतिरिक्त भूमि को कॉलेज के लिए हस्तांतरित करने की थी। डॉ. रत्ना अमृत ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दोनों मांगों को स्वीकार कर संबंधित प्रक्रिया शुरू कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों से कॉलेज के शैक्षणिक एवं आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिलेगी। प्राचार्य ने बताया कि मुख्यमंत्री ने एएन कॉलेज को बिहार का शीर्ष महाविद्यालय बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन मुख्यमंत्री की इस अपेक्षा को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। डॉ. रत्ना अमृत ने कॉलेज की मांगों को स्वीकृति देने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने भी प्रसन्नता जताई। उन्होंने सम्राट चौधरी और डॉ. रत्ना अमृत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन फैसलों से महाविद्यालय के विकास का मार्ग और अधिक प्रशस्त होगा। शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उम्मीद जताई कि अतिरिक्त भूमि मिलने और परिसर से थाना हटने के बाद एएन कॉलेज में शैक्षणिक, शोध एवं अन्य विकासात्मक गतिविधियों के विस्तार के नए अवसर उपलब्ध होंगे तथा महाविद्यालय विकास के नए अध्याय लिखेगा।

बिहार के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में सीआइआइ की पहल

उद्योग-स्टार्टअप संवाद सत्र में 24 से अधिक स्टार्टअप्स ने साझा किए अनुभव और चुनौतियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में उद्यमिता, नवाचार और रोजगार सृजन को नई गति देने के उद्देश्य से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) बिहार द्वारा एमिटी यूनिवर्सिटी, पटना में इंडस्ट्री-स्टार्टअप एंगेजमेंट सेशन एवं सीआईआई बिहार एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्टार्टअप टास्क फोर्स 2026-27 की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 24 से अधिक स्टार्टअप्स, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, निवेशकों और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग और स्टार्टअप्स के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर बिहार में उद्यमिता के लिए एक मजबूत और सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना था। इस दौरान स्टार्टअप

संस्थापकों ने अपने उद्यमों की विकास यात्रा, उपलब्धियों और व्यवसाय विस्तार में आने वाली चुनौतियों को साझा किया। चर्चा के दौरान बाजार तक पहुंच, निवेश, तकनीकी नवाचार, मानव संसाधन और व्यवसाय विस्तार जैसे विषय प्रमुख रहे। सीआईआई बिहार के उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि राज्य में स्टार्टअप्स को उद्योग जगत से जोड़ने, उन्हें मेंटरशिप उपलब्ध कराने और बाजार के अवसरों तक पहुंच बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में शामिल उद्योग विशेषज्ञों और स्टार्टअप संस्थापकों ने निवेश के अवसर, ब्रांड निर्माण, उद्योग साझेदारी और व्यवसाय विकास की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर सीआईआई बिहार स्टेट काउंसिल के चेयरमैन गौरव साह, पूर्व चेयरमैन प्रमोद शर्मा, डॉ. सत्यजीत कुमार सिंह, इमीडिएट वाइस चेयरमैन प्रिंस रंजन, एमिटी यूनिवर्सिटी पटना के कुलपति प्रो. (डॉ.) विवेकानंद पांडेय तथा टास्कफोर्स के सह-कन्वीनर विश्वजीत कुमार सहित कई उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विशेष पैनल चर्चा में विभिन्न सफल स्टार्टअप्स के संस्थापकों ने अपने अनुभव साझा किए। पैनलिस्ट्स ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद बिहार में सफल व्यवसाय स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने नवाचार, दृढ़ संकल्प और ग्राहक-केंद्रित सोच को सफलता की कुंजी बताया। कार्यक्रम में यह बात प्रमुखता से उभरकर सामने आई कि बिहार के स्टार्टअप्स को दीर्घकालिक मार्गदर्शन, संरचित मेंटरशिप और मजबूत उद्योग संपर्कों की आवश्यकता है। प्रतिभागियों ने माना कि राज्य में उद्यमिता गतिविधियों में तेजी आई है, लेकिन स्टार्टअप्स को निवेशकों, बाजार और उद्योग नेटवर्क तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराना जरूरी है।

बिहार में हाइब्रिड वाहनों को मिलेगा बढ़ावा : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए हाइब्रिड गाड़ियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए शुक्रवार को जापानी वाहन निर्माता कंपनी टोयोटा के प्रतिनिधिमंडल ने परिवहन मंत्री दामोदर रावत से मुलाकात की। विश्वेश्वरैया भवन स्थित मंत्री के कक्ष में हुई अहम बैठक में टोयोटा कंपनी के प्रतिनिधियों ने राज्य में हाइब्रिड वाहनों की खरीदारी और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण चर्चा की। कंपनी ने हाइब्रिड वाहनों पर टैक्स छूट, विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं तथा एथेनॉल को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने कहा कि आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करना हमारी प्राथमिकता है। हाइब्रिड वाहन इस दिशा में बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे क्योंकि ये ईंधन की बचत के साथ-साथ प्रदूषण भी कम करते हैं।

डॉ. प्रेम कुमार ने किया मानवता और अधिकारों की रक्षा का आह्वान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व शरणार्थी दिवस के अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने शरणार्थियों के साहस, संघर्ष और मानवीय अधिकारों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि यह दिन उन लाखों लोगों के अदम्य साहस और धैर्य को नमन करने का अवसर है जिन्हें हिंसा, उत्पीड़न और संघर्ष के कारण अपना देश तथा घर छोड़ने के लिए विवश होना पड़ा। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्पित यह विशेष दिवस शरणार्थियों के प्रति सहानुभूति प्रकट करने, उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने तथा वैश्विक समाज के सामूहिक दायित्वों को निभाने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि शरणार्थियों की पीड़ा केवल किसी एक देश या क्षेत्र का विषय नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए चिंता और संवेदना का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति ने सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत को आत्मसात किया है। भारतीय परंपरा ने हर कालखंड में संकटग्रस्त लोगों को आश्रय, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करने का कार्य किया है। यही मानवीय दृष्टिकोण भारत की सांस्कृतिक पहचान और वैश्विक संदेश का आधार है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि विश्व शरणार्थी दिवस हमें ऐसे शांतिपूर्ण, सुरक्षित और न्यायपूर्ण विश्व के निर्माण का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है जहां किसी भी निर्दोष व्यक्ति को अपना घर न छोड़ना पड़े और प्रत्येक मनुष्य को सम्मान, सुरक्षा तथा गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्राप्त हो। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से शरणार्थियों और विस्थापित लोगों के प्रति संवेदनशीलता, सहयोग और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री ने किया क्लिनिक का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने शुक्रवार को पटना के कंकड़बाग पीसी कॉलोनी स्थित डॉ. स्वप्निल के क्लिनिक का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने डॉ. स्वप्निल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस क्लिनिक में डायबिटिज, थायरॉयड और एंडोक्राइनालॉजी की बेहतर इलाज होगी। इससे लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। इस मौके पर सुल्तानगंज के विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल एवं विधान

परिषद सदस्य एवं मुख्य सचेतक बिहार विधान परिषद संजय गांधी सहित अन्य मौजूद थे।

राहुल गांधी के 56वें जन्मदिन पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में भव्य समारोह

लोकतंत्र, संविधान और युवाओं के सच्चे रक्षक हैं राहुल गांधी : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जननायक राहुल गांधी का 56वां जन्मदिन आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में हर्षोल्लास के साथ कांग्रेसजनों के द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने केक काटकर राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और पार्टीजनों को केक खिलाया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि राहुल गांधी देश की लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, संविधान और आम जनता

के अधिकारों की लड़ाई के सबसे सशक्त एवं प्रतिबद्ध नेता हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों, महिलाओं एवं वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाते रहे हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी देश में भाईचारे, समानता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा के लिए संघर्षरत है। जेन जी के बीच राहुल गांधी की लोकप्रियता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि देश के युवा और छात्र उन्हें अपना नेता मानते हैं और वे उनके हक के लिए लगातार सड़क से लेकर सदन तक संघर्षरत रहते हैं।

युवाओं को रोजगार देकर आत्मनिर्भर बिहार बनाने की जरूरत : डॉ. अशोक वर्मा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय सहयोग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा है कि बिहार का युवा राज्य की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन सरकार की कमजोर नीतियों के कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ प्रभावी कदम उठाए तो बिहार को बेरोजगारी की समस्या से काफी हद तक मुक्त किया जा सकता है। शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में डॉ. वर्मा ने कहा कि बिहार के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल ऐसे माहौल और अवसरों की है जहां उन्हें अपने ही राज्य में रोजगार और स्वरोजगार के पर्याप्त अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर बिहार का सपना तभी साकार होगा जब युवाओं को अपने घर और गांव के आसपास ही सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। डॉ. वर्मा ने सरकार के समक्ष रोजगार सृजन के लिए तीन सूत्री फॉर्मूला भी रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तकनीकी शिक्षा को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए तथा स्वरोजगार योजनाओं को पूरी तरह पारदर्शी और भ्रष्टाचारमुक्त किया जाए। उनका दावा है कि इन तीन बिंदुओं पर गंभीरता से काम होने पर बिहार के युवाओं को राज्य के भीतर ही रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। राष्ट्रीय सहयोग पार्टी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से मांग की कि युवाओं के पलायन को रोकने के लिए तत्काल ठोस कार्ययोजना बनाई जाए और गांव-गांव रोजगार सृजन की पहल शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जनहित और विकास से जुड़े हर सकारात्मक कदम में सरकार का समर्थन करेगी। डॉ. वर्मा ने कहा कि बिहार के युवा ही आत्मनिर्भर और विकसित बिहार की मजबूत नींव रख सकते हैं, बशर्ते उन्हें उचित अवसर और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

केवाइपी केंद्रों के नवीकरण एवं नामांकन शीघ्र प्रारंभ करने की मांग को लेकर उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वैशाली/पटना। राज्यभर के कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों की समस्याओं एवं लंबित नवीकरण प्रक्रिया को लेकर केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्य के लगभग 1800 केवाईपी केंद्रों का नवीकरण शीघ्र कराने तथा नए बैचों के नामांकन की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि नवीकरण एवं नामांकन प्रक्रिया में विलंब होने के कारण हजारों छात्र-छात्राएं कौशल प्रशिक्षण से वंचित हैं। वहीं केंद्र संचालकों को भी आर्थिक एवं प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रत्येक वर्ष जून माह के अंतिम सप्ताह तक नए बैचों का नामांकन प्रारंभ हो जाता था, लेकिन इस वर्ष अब तक कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं होने से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। डॉ. आनंद रंजन झा ने उपमुख्यमंत्री से

अनुरोध किया कि केवाईपी केंद्रों का नवीकरण एवं नामांकन प्रक्रिया यथाशीघ्र प्रारंभ कराई जाए, ताकि छात्रों के भविष्य और केंद्रों के संचालन पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को रोका जा सके। ज्ञापन सौंपने के क्रम में केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा, ट्रेजरर राकेश कुमार सिन्हा तथा अन्य केवाईपी केंद्र संचालक उपस्थित रहे। सभी ने राज्य सरकार से इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक पहल की अपेक्षा जताई।

डाबर ग्लूकोज ने युवा एथलीट्स को बढ़ावा देने के लिए लांच किया एनर्जाइज इंडिया कैंपेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। डाबर की ओर से इंस्टेन्ट एनर्जी ड्रिंक डाबर ग्लुकोज ने युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा देश भर की स्पोर्ट्स एकेडमियों के युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए एक कैंपेन एनर्जाइज इंडिया लांच किया है। इस कैंपेन के तहत डाबर ग्लुकोज ने पाटलिपुत्रा कॉलोनी स्थित पाटलिपुत्रा टेनिस सेंटर में एनर्जी एवं स्टैमिना मैनेजमेन्ट पर एक विशेष जागरुकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के सीएसआर एवं कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस हेड ब्यास आनंद एवं पाटलिपुत्रा टेनिस सेंटर के मुख्य कोच राजन कुमार मौजूद रहे। सत्र के दौरान एथलीट्स को उन्होंने बताया कि किस तरह से वे खेल के दौरान अपने परफोर्मेन्स को बेहतर बना सकते हैं और अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग कर सकते हैं।

पैक्सों के माध्यम से धान बीज उत्पादन का पायलट प्रोजेक्ट शुरू

राज्य के छह जिलों रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, गया, भोजपुर एवं सिवान के लिए है यह योजना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा किसानों को कम लागत पर बेहतर बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहकारिता विभाग ने खरीफ वर्ष 2026-27 में पैक्सों के माध्यम से धान बीज उत्पादन का कार्य पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इस योजना की शुरुआत राज्य के छह जिलों रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, गया, भोजपुर एवं सिवान में की जाएगी। सहकारिता विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार राष्ट्रीय सहकारी बीज समिति (बीबीएसएसएल) की सदस्यता प्राप्त पैक्सों को इस योजना से जोड़ा जाएगा। योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को गुणवत्तापूर्ण प्रमाणित बीज उपलब्ध कराना तथा बीज उत्पादन के क्षेत्र में सहकारी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। कृषि विभाग द्वारा पूर्व से संचालित बिहार राज्य बीज निगम (बीआरबीएन) एवं बिहार स्टेट सीड ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी (बसोका) के सहयोग से बीज उत्पादन की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। इसके लिए बसोका में निबंधित किसानों की सूची संबंधित जिलों को उपलब्ध कराई गई है जिसके आधार पर चयनित प्रखंडों में पैक्सों के माध्यम से बीज उत्पादन का कार्य कराया जाएगा। सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि बिहार में सहकारिता के माध्यम से कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने की दिशा में यह सहकारिता विभाग की एक महत्वपूर्ण पहल है। पैक्सों को केवल धान अधिप्राप्ति तक सीमित न रखकर उन्हें किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का केंद्र बनाया जा रहा है। बीज उत्पादन के क्षेत्र में पैक्सों की भागीदारी से किसानों को स्थानीय स्तर पर प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध होंगे जिससे उत्पादन लागत घटेगी और उपज में वृद्धि होगी। सहकारिता विभाग ने संबंधित जिलों के जिला सहकारिता पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे जिला कृषि पदाधिकारियों तथा भारतीय बीज सहकारी समिति के साथ समन्वय स्थापित कर निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप समयबद्ध ढंग से बीज उत्पादन कार्य संपादित कराना सुनिश्चित करें।

बिहार कृषि ऐप अन्नदाताओं के लिए साबित हो रहा वरदान : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व कृषि एवं स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा किसानों की सुविधा के लिए 'बिहार कृषि ऐप' लांच करने और 'खेत बचाओ अभियान' चलाने के ऐतिहासिक निर्णय की मैं हृदय से सराहना करता हूं। 'बिहार कृषि ऐप' के माध्यम से अब किसान घर बैठे ही उद्यानिकी फसलों पर 75 प्रतिशत तक अनुदान के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह तकनीक का उपयोग कर किसानों को भ्रष्टाचार और दलालों से मुक्त करने की दिशा में बड़ा कदम है। साथ ही मिट्टी के स्वास्थ्य और कृषि लागत को कम करने के लिए चलाया जा रहा 'खेत बचाओ अभियान' आने वाले समय में बिहार के किसानों की आय दोगुनी करने में मील का पत्थर साबित होगा। श्री पांडेय ने कहा कि मैं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के किसान हितैषी निर्णयों की प्रशंसा करता हूं। उनके नेतृत्व में बिहार कृषि के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मैं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस विजन की भी सराहना करता हूं जिसकी नींव पर आज बिहार में कृषि क्रांति आ रही है। किसानों के हित में उनके द्वारा चलाई गई योजनाएं आज भी प्रेरणा देती हैं और सबसे ऊपर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र से प्रेरित होकर केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना ने देश के किसान को आत्मनिर्भर बनाया है।

श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करायेगा स्वास्थ्य विभाग : निशांत

बांका, भागलपुर, जमुई एवं मुंगेर सहित अन्य संबंधित जिलों को जारी किए गए आवश्यक निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। श्रावणी मेला 2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। श्रद्धालुओं को मेले के दौरान गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभाग द्वारा सभी संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने, अस्थायी स्वास्थ्य शिविरों की स्थापना, चिकित्सकीय मानव संसाधन की उपलब्धता तथा आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने कहा कि 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाले श्रावणी मेला के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस सेवाओं तथा आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने बांका, भागलपुर, जमुई, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, सारण, वैशाली, दरभंगा, पूर्वी चम्पारण, जहानाबाद, लखीसराय, मधुबनी, समस्तीपुर एवं सिवान सहित श्रावणी मेला से जुड़े सभी जिलों के सिविल सर्जनों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में की जा रही तैयारियों का विस्तृत प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध कराएं। साथ ही सुल्तानगंज-देवघर कांवरिया पथ एवं राज्य के अन्य प्रमुख मेला क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। विभागीय निर्देशों के अनुसार कांवरिया मार्ग एवं प्रमुख मेला क्षेत्रों में प्रत्येक दो से तीन किलोमीटर की दूरी पर अस्थायी स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके।

संपादकीय

दल बदल की नई दस्तक- मतदाताओं के भरोसे पर भारी पड़ रही अवसर की राजनीति

शिवसेना में बगावत कोई पहली बार नहीं हुई है। करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की अगुआई में कई विधायक उद्धव ठाकरे से अलग हो गए थे।पश्चिम बंगाल के बाद महाराष्ट्र की सियासत में बगावत की आहट से ऐसा प्रतीत होता है कि अब सिद्धांतों की राजनीति हाशिए पर जा रही है। नहीं तो क्या वजह है कि किसी दल की विचारधारा के साथ चलने वाले और उसके चुनाव चिह्न पर जीत हासिल करने वाले नेता या तो अपना अलग गुट बना रहे हैं या दूसरे किसी दल का दामन थाम रहे हैं।तृणमूल कांग्रेस के बाद अब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कुछ सांसदों के अलग गुट बनाने और उसकी मान्यता के लिए प्रयास करने की अटकलों के बीच फिर यह सवाल उठा है कि अगर जनप्रतिनिधि सुविधा और अवसर की राजनीति करेंगे, तो उन मतदाताओं के विश्वास का क्या होगा, जिन्होंने उन पर भरोसा किया था।यह निराशाजनक है कि कोई दल सत्ता के गणित में जब कमजोर हो जाता है, तो उसके नेता सुविधा की सियासत करने लगते हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों ने अलग गुट बनाकर सत्तारूढ़ दल में अपना विलय कर लिया था। स्पष्ट है कि सिद्धांतों की दुहाई देने वाले नेता कब अपना दल छोड़ देंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता।शिवसेना में बगावत कोई पहली बार नहीं हुई है। करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की अगुआई में कई विधायक उद्धव ठाकरे से अलग हो गए थे। राजनीति में सिद्धांतों की बुनियाद किस तरह कमजोर हो रही है, इसे महाराष्ट्र के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम से एक बार फिर समझा जा सकता है।उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना में मौजूदा उथल-पुथल पार्टी को फिर मुश्किल में डाल सकती है। यही वजह है कि पार्टी ने अपने सांसदों को महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल होने का व्हिप जारी किया है, ताकि अनुपस्थित रहने वालों पर कार्रवाई की जा सके।साथ ही पार्टी के कुछ सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर नियमों के अनुरूप फैसला करने का आग्रह किया है। ऐसा लगता है कि इस दल के समक्ष वर्ष 2022 जैसा संकट खड़ा हो गया है, मगर इससे भी बड़ा संकट लोकतंत्र के लिए है, जहां निर्वाचित प्रतिनिधि सत्ता की लालसा में सिद्धांतों का त्याग कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि यह वहीं पाकिस्तान है जिसने तालीबान के मामलें में दुनिया को धोखा दिया वहीं ओसामा बिन लादेन को शरण दी। वैसे भी पाकिस्तान को आंतक को पनाह देने वाला देश माना जाता है। अब अमेरिका और अरब देश ईरान के पुननिर्माण के लिए करीब 300 अरब डॉलर देंगे। हांलाकि अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर समझौते पर राजी होने के समाचार से दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है पर समझौता कितने दिन चलेगा और इसके साइड इफेक्ट क्या होंगे, इसे लेकर अभी से कयास लगने आरंभ हो गए हैं। इजरायल ने जहां सीज फायर समझौते से अभी तक तो अपने को अलग कर लिया हैं वहीं मिडिल ईस्ट फोरम ने समझौते की शर्तों को लेकर जो प्रतिक्रिया दी है उसे भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि जो मैसेज दुनिया के देशों के सामने गया है वह साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्ध से गले तक भर आये हैं और अब सवाल इज्जत बचाने का रह गया है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव भी जल्दी ही होने हैं। इसके अलावा दुनिया के अन्य देशों की तो छोड़ो अमेरिकियों का ही ट्रंप पर भरोसा नहीं रहा है।

अमेरिका-ईरान समझौते से पहले उभरते विरोध के स्वर

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

अमेरिका में ट्रंप की रेंकिंग लगातार नीचे जा रही है। ट्रंप भले ही अपने 80 वें जन्मदिन पर युद्ध विराम की बात कर रहे हो पर यदि निष्पक्ष विष्लेषण किया जाए तो इस युद्ध में अमेरिका ने खोया ही खोया है। ट्रंप ने अपनी क्रेडिट रेंकिंग खोई है तो निर्णय लेने से पहले उसके परिणामों को लेकर गंभीर नहीं होना देखा गया है। हांलाकि समूची दुनिया विष्व शांति चाहती है और सभी चाहते हैं कि युद्ध विराम जल्दी से जल्दी हो। पर एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि ईरान के तेवर अभी तक तीखे है और वह कुछ खोना नहीं चाहता। अमेरिका-इजरायल द्वारा जब 28 फरवरी को ईरान पर आक्रमण किया गया था तब उन्होंने सोचा नहीं था कि यह युद्ध इतना लंबा चलेगा और इनके हाथ से निकल जाएगा। अमेरिका-ईरान युद्ध से समूचा विश्व प्रभावित हुआ है। ईंधन की आपूर्ति बाधित होने से सबसे अधिक संकट के हालात बने। वैसे भी अमेरिका को ईरान पर आक्रमण करने से पहले रुस-यूक्रेन युद्ध से सबक लेना चाहिए था। लाख प्रयासों के बावजूद रुस यूक्रेन युद्ध अभी तक विराम की स्थिति में नहीं आ पाया है। देखा जाए तो आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की स्थिति में है। एक दो दिन में युद्ध समाप्ति की सोचना भी बेमानी होगा। अब अमेरिका-ईरान युद्ध की ही बात की जाए तो 7200 से अधिक जान लेने और हजारों की संख्या में घायलों के बाद समझौते की बात की जा रही है। ईरान तो युद्ध के नुकसान की भरपाई के लिए साफ साफ कह रहा है तो परमाणु को लेकर भी कोई ठोस नतीजा नहीं देखा जा रहा है। अमेरिकियों को लगने लगा है कि 2015 के बराक ओबामा के समय परमाणु समझौते जैसे ही हालात लग रहे हैं। दूसरी और अमेरिका-ईरान समझौते की लिए राजी हुए हैं पर अमेरिका का एक साथी और

तथाकथित मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान और कतर भरोसे वाले देश नहीं हैं।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि यह वहीं पाकिस्तान है जिसने तालीबान के मामलें में दुनिया को धोखा दिया वहीं ओसामा बिन लादेन को शरण दी। वैसे भी पाकिस्तान को आंतक को पनाह देने वाला देश माना जाता है। अब अमेरिका और अरब देश ईरान के पुननिर्माण के लिए करीब 300 अरब डॉलर देंगे। ईंधन की आपूर्ति बाधित होने से 146 देशों को ईंधन के दाम बढ़ाने पड़े और इसका सीधा सीधा असर इन देशों के नागरिकों पर पड़ा। देखा जाए तो 108 दिन बर्बादी के बाद कहीं जाकर युद्ध में संलग्न इजरायल ने इस समझौते को सीरे से खारिज कर दिया है। बल्कि समझौता प्रयासों के दौरान ही लेबनान पर हमले तेज ही किये हैं। इजरायल किसी भी हालत में ईरान को परमाणु संपन्न देश नहीं चाहता। अब अमेरिका इजरायल के बीच संबंधों में बिगाड़ के आसार भी साफ दिखने लगे हैं। यह भी कयास लगाये जाने लगे हैं कि खाड़ी के देश अमेरिका से संबंधों पर नए सिरे से विचार करें। अभी तो समझौते पर हस्ताक्षर भी जेनेवा में 19 जून को होना है।

मिडिल इस्ट फोरम के पॉलिसी एनालिसिस निदेशक माइकल रुबिन की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है और उनका मानना है कि इससे मध्य पूर्व में नए संघर्ष के हालात बनेंगे। पश्चिमी एशिया में संघर्ष की राह प्रशस्त होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध विराम समझौते से ईरान लाभ में रहने वाला है। उसे पुनर्निर्माण के लिए अच्छी खासी सहायता राशि मिलेगी। दूसरी यह भी एक प्रतिक्रिया आई है कि जिस तरह से द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति रुजवेल्ट ने जर्मनी से निपटने के लिए फासीवादी इटली पर भरोसा कर समझौता किया था।

खैर इतना तो तय है कि दुनिया के देश युद्ध से तंग आ गए हैं। तत्काल युद्ध बंद होना चाहिए यह सभी चाहते हैं। दुनिया के किसी भी कोने में युद्ध के हालात नहीं बनने चाहिए। अमेरिका-ईरान युद्ध ने समूची दुनिया को प्रभावित किया है। ईंधन की आपूर्ति बाधित होने से हालात खराब हुए हैं और आने वाले समय में दुनिया के देशों को होर्मुज का वैकल्पिक रास्ता भी खोजना ही पड़ेगा क्योंकि ईंधन यानी के तेल और एलपीजी की निर्भरता अधिकांश देशों की है और रास्ता रोकना या फिर टोल लगाना किसी दादागिरी से कम नहीं हैं। ऐसे में अमेरिका ईरान युद्ध से दुनिया के देशों को सबक लेना होगा। समझौते में स्थायित्व होना और इजरायल को भी समझौते की टेबल पर लाने के प्रयास किये जाते हैं तो परिणाम सकारात्मक प्राप्त हो सकते हैं नहीं तो इजरायल और लेबनान व अन्य देशों के बीच तनाव व संघर्ष के हालात बने ही रहेंगे और उसके परिणाम अच्छे नहीं हो सकतें। अब लोगों की निगाह 19 जून पर जेनेवा में समझौते पर हस्ताक्षर होने और समझौते की सभी पक्षों द्वारा ईमानदारी से पालना करने पर टिकी हुई हैं। इजरायल को भी समझौते की टेबल पर लाना होगा नहीं तो पश्चिम एशिया में शांति के हालात बनना मुश्किल ही रहेंगे।

जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने

जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने निम्नलिखित हैं, जिन्हें समझकर और साधकर कोई भी देश आगे बढ़ सकता है।

पहला, यूक्रेन-रूस युद्ध पर पश्चिमी एकजुटता की परीक्षा- जी-7 देशों ने यूक्रेन को समर्थन जारी रखने और रूस पर दबाव बनाए रखने पर चर्चा की। यूक्रेनी राष्ट्रपति जैलेंस्की की मौजूदगी ने संकेत दिया कि यूरोप चाहता है कि युद्ध का समाधान यूक्रेन की शर्तों के अनुरूप हो। लिहाजा इसका प्रभाव यह होगा कि रूस पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है।

यूरोपीय सुरक्षा ढांचे में नाटो की भूमिका और मजबूत हो सकती है। वैश्विक हथियार एवं रक्षा उद्योग को लाभ मिल सकता है। भू-राजनीतिक संकटों पर सामूहिक प्रतिक्रिया- रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया की स्थिति, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और प्रतिबंधों जैसे मुद्दों पर जी-7 देशों की सामूहिक रणनीति अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करती है।

दूसरा, अमेरिका-ईरान समझौते के बाद पश्चिम एशिया की नई राजनीति- यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक शांति समझौता सामने आया है। जी-7 नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर विशेष चर्चा की। इसका प्रभाव यह होगा कि अरब-खाड़ी देशों को राहत मिल सकती है। तेल कीमतों में स्थिरता आ सकती है। ईरान के वैश्विक आर्थिक पुनर्समावेशन की संभावना बढ़ सकती है।

तीसरा, चीन के लिए स्पष्ट संदेश- फ्रांस की अध्यक्षता वाले जी-7 का प्रमुख एजेंडा वैश्विक आर्थिक असंतुलन और आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा है, जिसे व्यापक रूप से चीन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसका प्रभाव यह होगा कि चीन पर व्यापारिक दबाव बढ़ सकता है। फ्रेंड-शोरिंग और चाइना+1 रणनीति को बल मिलेगा। भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और मेक्सिको जैसे देशों को निवेश आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। हाल के वर्षों में जी-7 चीन की औद्योगिक क्षमता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और वैश्विक निवेश पहलों के विकल्प तैयार करने पर जोर दे रहा है।

चौथा, एआई और डिजिटल शासन पर वैश्विक नियमों की दिशाः जी-7 में एआई के भविष्य, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नियमन पर भी चर्चा हुई। इसका प्रभाव यह होगा कि एआई के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक विकसित हो सकते हैं। अमेरिका और यूरोप के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ सकता है। चीन की डिजिटल कंपनियों के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों पर साझा मानक विकसित करना अब जी-7 की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पांचवां, विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय करना- जी-7 देश वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 29 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। इसलिए ब्याज दरों, व्यापार, आपूर्ति श्रृंखलाओं, ऊर्जा और वित्तीय स्थिरता से जुड़े इनके फैसलों का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है।

छठा- जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा- स्वच्छ ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा पर लिए गए निर्णय विकासशील देशों की नीतियों को भी प्रभावित करते हैं। विभिन्न देशों पर इस शिखर बैठक के संभावित प्रभाव जहां तक विभिन्न देशों पर इस शिखर बैठक के संभावित प्रभाव की बात है तो- अमेरिका- यूएस को वैश्विक नेतृत्व पुनर्स्थापित करने का अवसर मिलेगा। ईरान समझौते और यूक्रेन नीति पर समर्थन जुटाने की कोशिश रंग लाएगी। चीन के विरुद्ध आर्थिक गठबंधन मजबूत करने का प्रयास परवान चढ़ेगा। जहां तक चुनौतियाँ और आलोचनाएँ सम्बन्धी बात है तो जी-7 की आलोचना भी होती है क्योंकि इसमें उभरती अर्थव्यवस्थाएँ (जैसे चीन) सदस्य नहीं हैं। कई विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व सीमित है। निर्णय कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते। सदस्य देशों के बीच व्यापार, जलवायु और विदेश नीति को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। निष्कर्ष- यह कहा जा सकता है कि जी-7 अब केवल अमीर देशों का क्लब नहीं है; बल्कि यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, तकनीकी शासन, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। हालांकि इसकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि यह विकसित देशों के हितों से आगे बढ़कर व्यापक वैश्विक सहमति बना पाता है या नहीं।वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सनातन व नारी सम्मान पर बड़ी लकीर खींचते योगी आदित्यनाथ

(मृत्युंजय दीक्षित)

मुख्यमंत्री योगी बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पवान हैं। वह कई जनसभाओं मे अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर किसी ने बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया तो अगले चैराहे पर उसका इंतजार यमराज कर रहा होगा। योगी जी के बयानों का असर धरातल पर भी दिखाई पड़ता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजनीति से ऊपर उठकर सनातन धर्म तथा स्त्री गरिमा तथा सम्मान के हित में बड़ी रेखाएं खींच रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी के प्रति सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक बयानबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने केआदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गयी है। मुख्यमंत्री ने सख्ती के साथ कहा है कि किसी भी बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए हर बेटी का सम्मान होना चाहिए।

हम उन संस्कारों में पले -बढ़े हैं जहां गांव की बेटी-बहन को पूरे गांव की बेटी -बहन माना जाता है। मुख्यमंत्री योगी बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पवान हैं। वह कई जनसभाओं मे अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर किसी ने बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया तो अगले चैराहे पर उसका इंतजार यमराज कर रहा होगा। योगी जी के बयानों का असर धरातल पर भी दिखाई पड़ता है। बेटियों के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही हो रही है। आरोपियों का हाफ एनकाउंटर हो रहा है तथा आवश्यकता पड़ने पर बुलडोजर एक्शन भी हो रहे हैं। प्रदेश में नारी समाज को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से नारी सशक्तीकरण का महाअभियान चलाया जा रहा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रवैया दिखाकर सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा बुने जा रहे चक्रव्यूह को एक ही झटके में ध्वस्त कर दिया है। सपा मुखिया अखिलेश की बेटी अदिति पर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के बाद मुख्यमंत्री योगी ने जो एक्शन लिया है उसने इस दुखद घटना पर बनाए जा रहे सपा के राजनैतिक नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया है। जब सोशल मीडिया के माध्यम से यह विवाद बड़े राजनीतिक तूफान में बदल रहा था और सपा योगी जी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह कहकर घेरने का प्रयास कर रही थी कि, जिनका खुद का परिवार नहीं वो परिवार का दर्द क्या समझेंगे तब योगी जी इस घटना के जिम्मेदार लोगों को ढूंढ रहे थे। योगी जी ने अपराधियों पर तुरंत एफआईआर कराने के निर्देश जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी बेटी क्यों न हो बेटी पर अभद्र टिप्पणी बर्दाश्त नहीं है।

यूपी चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ ने अपने इस कदम से सिद्ध कर दिया है कि महिला सुरक्षा और सम्मान के मामले में उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के काम करती है। इससे सपा मुखिया रक्षात्मक रुख अपनाने को बाध्य हो गए हैं। अब भाजपा सपा के पुराने बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर उस पर

हमलावर है। जो मुद्दा सरकार को घेरने के लिए तैयार किया जा रहा था उस पर योगी जी की प्रशासनिक और राजनीतिक सूझबूझ का बुलडोजर चल गया है। समाजवादी पूर्व में कई बार नारी सम्मान व उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी करते रहे हैं। स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने एक बार कहा था कि लड़के हैं गलतियां हो जाती हैं। सपा के कद्दावर नेता माने जाने वाले आजम खां जैसे नेता तो कई बार महिलाओं की गरिमा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। मायावती जी पर तो सपाइयों ने हमला ही बोल दिया था। सपा राज में महिला सुरक्षा की कितनी बुरी स्थिति थी यह हर कोई जानता है।

योगी की पाती दे रही सनातन विचार- विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस पर योगी जी ने एक पाती जारी की है। इस पाती में उन्होंने वृद्धजनों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा है कि उम्र के अमृतकाल में वृद्धजनों को अपनत्व की सर्वाधिक आवश्यकता होती है, दुर्भाग्य से समाज ऐसे समय का साक्षी बन रहा है जब वृद्धजनों को अपनों का दुर्व्यवहार सहना पड़ता है।

योगी जी ने आगे लिखा है कि सनातन संस्कृति में माता-पिता और गुरु को साक्षात ईश्वर माना जाता है। पाती में योगी ने एक प्राचीन कथा के माध्यम से इस विषय को समझाया। भगवान शिव-पार्वती ने पुत्र गणेश जी और कार्तिकेय के समक्ष समस्त जगत की परिक्रमा की चुनौती रखी। भगवान गणेश ने माता-पिता को ही संपूर्ण सृष्टि मानकर उनकी परिक्रमा कर ली। उन्होंने भगवान श्रीराम का भी उदाहरण दिया। योगी जी का स्पष्ट कहना है कि सनातन, धार्मिक तथा सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संबंधों एवं मूल्यों पर आधारित जीवन शैली है। सनातन में बड़ों का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने की परंपरा है ऐसा इसलिए क्योंकि वे हमारी संस्कृति और जीवन मूल्यों के धरोहर हैं। वृद्धजनों का सम्मान केवल संस्कर नहीं बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता की पहचान है। अपनी पाती मे वह बता रहे हैं कि वृद्धजन व निराश्रित महिलाओं के लिए प्रदेश सरकार ने 1500 रुपए प्रति माह पेंशन देने का निर्णय लिया है।

सहयोग शिविर में प्राप्त 188 आवेदनों में से 151 का हुआ निष्पादन : नगर आयुक्त

नगर निगम कटिहार ने दिखाई तत्परता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार की ओर से आयोजित सहयोग शिविर में नागरिकों से प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन की दिशा में सराहनीय कार्य किया गया है। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 188 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमें से 151 आवेदनों का निष्पादन संबंधित विभागों द्वारा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा की जा रही है। ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

शेष लंबित आवेदनों पर भी आवश्यक कार्रवाई जारी है। संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त के नेतृत्व में आयोजित समीक्षा बैठक में सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवेदनों के निष्पादन में और अधिक तेजी लाने तथा लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि नगर निगम कटिहार ने नागरिकों से अपील किया है कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को सहयोग शिविर के माध्यम से प्रशासन तक पहुंचाएं। ताकि पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें। समीक्षा बैठक में सहायक अभियंता विवेक कुमार, कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह, प्रधान सहायक परवेज सलीम, सीटी मैनेजर ज्योति कृष्णमूर्ति, स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार, नूर अली खान, अमरेन्द्र झा, अभिषेक कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

10 एमबीए का नया ट्रांसफार्मर लगा

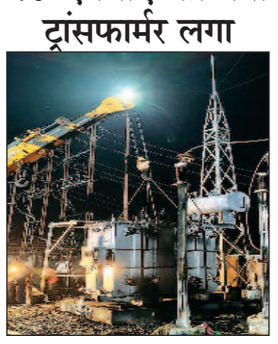

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। विद्युत शक्ति उप केंद्र मनसाही में 10 एमबीए का नया ट्रांसफार्मर विगत रात्रि डेढ़ बजे लगाया गया। इसकी जानकारी देते हुए मनसाही विद्युत शक्ति उप केंद्र के जेई रोशन कुमार राकेश ने बताया कि गुरुवार को डेढ़ बजे पूर्णिया की टीम 10 एमबीए का नया ट्रांसफार्मर विद्युत शक्ति उप केंद्र मनसाही में लगाया। जिसे लगातार चार्ज किया गया। शुक्रवार की शाम को पूरे मनसाही, पोठिया, हरिप्रसाद एवं कुरेठा में पूरे लोड के साथ बिजली सप्लाई दी गयी ।

मनिहारी में खरीफ महाअभियान का जोरदार आगाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। प्रखंड कृषि कार्यालय मनिहारी के सभागार में शुक्रवार को शारदीय खरीफ महाअभियान-2026 के तहत प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद सदस्य सुमति देवी ने की। इसमें कृषि विभाग के अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत खेती, वैज्ञानिक कृषि तकनीक, बीज उपचार, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, हरी खाद,मूंग एवं ढैंचा के उपयोग सहित बागवानी और फल-फूल उत्पादन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और किसान हितैषी कार्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी साझा की गई। कृषि विज्ञान केंद्र कटिहार के कृषि वैज्ञानिक सुशील कुमार तथा सहायक निदेशक पौधा संरक्षण रोमी कुमारी ने खरीफ मौसम में फसलों में आने वाली समस्याओं,कीट एवं रोग प्रबंधन तथा उनके बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने की सलाह दी। वही प्रखंड कृषि पदाधिकारी गौरव कुमार ने किसानों से विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने, उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने तथा वैज्ञानिक पद्धति से खेती कर उत्पादन बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि सह मनिहारी व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललन कुमार यादव ने किसानों से कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने और वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की अपील की। वहीं अध्यक्षीय संबोधन में जिला परिषद सदस्या सुमति देवी ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण बेहद जरूरी है। उन्होंने किसानों से नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान खेत बचाओ अभियान पर विशेष जोर देते हुए किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ खेती करने से कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति और उत्पादकता लंबे समय तक सुरक्षित रखी जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस जिला कमिटी की ओर से राहुल गांधी का जन्मदिन मना

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला कांग्रेस कमेटी अर्बन अध्यक्ष संजय कुमार सिंह के नेतृत्व मे नेता प्रतिपक्ष सह सांसद राहुल गांधी का जन्मदिन मनिया स्थित अनाथ आश्रम मे बच्चों संग धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम अनाथ आश्रम मे रह रहे बच्चों के द्वारा केक काटकर जननायक राहुल गांधी की दीघार्यु व अच्छे स्वास्थ्य रहने की कामना की। सभी कांग्रेसी नेताओं ने बच्चों को केक खिलाया। अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी जी को बच्चों से बेहद प्यार एवं लगाव है। इसी सोच के साथ हम कांग्रेसियों ने हमारे नेता राहुल गांधी का जन्मदिन बच्चों संग मनाने का निर्णय लिए। राहुल गांधी गरीब, किसान, छात्रों, किसानों, मजदूरों एवं शोषितों के सच्चे हितैषी है साथ ही वे इनलोगों की आवाज है। राहुल गांधी के जन्मदिन के शुभ उपलक्ष्य पर उनके विचारों को और कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प कांग्रेसजनों ने लिया। इस अवसर पर बच्चों के बीच कॉपी, पेंसिल, बिस्कुट टॉफियों बांटी गई। इस मौके पर कटिहार जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला, नगर अध्यक्ष अ पुतुल सिंह व नगर अध्यक्ष ब रिंकू मिश्रा, सऊद मुखिया, युवा अध्यक्ष मन्नी पासवान, राज आनंद सिंह, राकेश पोद्दार, अभिषेक प्रताप आदि नेतागण शामिल रहे।

न्यायालय परिसर में मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर

कटिहार कोर्ट (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला व्यवहार न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से लोक अदालत भवन में शुक्रवार को आयुष्मान मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150 महिला एवं पुरुषों के ब्लड प्रेशर, शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई।शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि वीर एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपेश कुमार पटेल ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याएं सुनकर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया तथा निःशुल्क दवाओं का भी वितरण किया। अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मियों एवं आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में शिविर का लाभ उठाया। शिविर में मौजूद लोगों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं आयुष्मान मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का नियमित आयोजन करने की मांग किया।

हत्या की साजिश रचने के मामले में एक और गिरफ्तार, भेजा गया जेल

आजमनगर/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना क्षेत्र अंतर्गत आलमपुर पंचायत के कुशहा गांव में वर्ष 2025 में हत्या का साजिश रचने वाले मामले में एक व्यक्ति को आजमनगर पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत कटिहार भेज दिया गया था। परंतु कुछ दिनों के बाद छानबीन के दौरान पता चला कि जिस महिला की हत्या के मामले में देवर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वह महिला अपने प्रेमी के साथ सात फेरे लेकर सुधानी के निकट स्थित एक गांव में खुशियाली की जिंदगी बिता रही थी।मामले का खुलासा होने के बाद आजमनगर पुलिस हरकत में आई, उक्त महिला को अपने प्रेमी संघ न्यायालय में हाजिर कराया गया। जेल की हवा खाकर आए व्यक्ति ने एक दर्जन से अधिक लोगों पर मामला दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई थी। दर्ज मामले के बाद आजमनगर पुलिस हरकत में आई। आजमनगर पुलिस ने कुशहा गांव निवासी सुबोल यादव को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत कटिहार भेज दिया गया था। अब मामले के दूसरे आरोपी गुड्डू कुमार यादव(22) पिता नारायण यादव ग्राम कुशहा को गिरफ्तार कर शुक्रवार के दिन न्यायिक हिरासत कटिहार भेज दिया गया। थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने कहा कि उक्त मामले में पूर्व में सुबोल यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत कटिहार भेज दिया गया था। अब दूसरे आरोपी गुड्डू कुमार यादव को गिरफ्तार कर शुक्रवार के दिन न्याय हिरासत कटिहार भेज दिया गया है।

रोजगार के लिए जा रहे मजदूर की ट्रेन से गिरकर मौत

सालमारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बलिया बेलौन क्षेत्र अंतर्गत बेनी जलालपुर पंचायत के वार्ड चार गोबिंदपुर निवासी प्रवासी मजदूर मंजर आलम(30) की मध्यप्रदेश के इटारसी जंक्शन के करीब ट्रेन से गिरकर घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के मुम्बई में रह कर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। बकर ईद के मौके पर घर आया था। 15 जुन को रोजगार की तलाश में मुम्बई जा रहा था की 17 जुन के प्रातःकाल में ट्रेन से गिरकर मौत होने की सूचना मिली। यात्रा के दौरान वह ट्रेन से कैसे गिरा। कुछ पता नहीं है। परिजनों ने संबंधित जीआरपी थाना में शिकायत दर्ज कर मामले की जांच की मांग की है। मृतक के घर जैसे ही यह खबर पहुंची। परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी अंजरा खातुन इस घटना अपने पति की इस तरह दर्दनाक मौत से पूरी तरह टूट चुकी हैं। उनका पांच वर्ष और एक वर्ष का दो बेटा हैं। पिता की मौत से बच्चों के सिर से सहारा छिन गया है। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर थी। ऐसे में इस घटना ने उन्हें गहरे संकट में डाल दिया है। घटना की जानकारी मिलने पर बेनी जलालपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि नाहिद आलम ने शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि मंजर आलम मेहनती था और परिवार के लिए बाहर रहकर काम करता था।

ऑटो लूट कांड के तीसरे अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पुलिस ने एक विशेष टीम गठित कर ओटो लुट कांड के अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है । वहीं कुमारीपुर के डूमरकोल से देशी कट्टा के साथ दुसरा अभियुक्त को गिरफ्तार किया है । थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने बताया कि 31 दिसंबर की रात मनिहारी कटिहार मुख्य सड़क पर अपराधियो ने एक ओटो लुट लिया था । लुट कांड मे शामिल दो अभियुक्त को पूर्व के समय गिरफ्तार कर लिया गया था । तीसरा फरार अभियुक्त सत्यम पासवान उदामारेखा मुफस्सिल थाना कटिहार फरार था । जिसे जाल बिछाकर धर दबोचा गया है । थानाध्यक्ष ने बताया कि बिती रात कुमारीपुर के डूमरकोल कलवट के पास से रवि शंकर पासवान को देशी कट्टा के साथ के साथ गिरफ्तार किया गया है ।

शराब पिलाने के बाद युवक की पीट-पीट कर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। पोठिया थाना क्षेत्र की भंगहा पंचायत के तुर्की टोला के नहर टोला में गुरुवार की देर शाम शराब पिलाने के बाद एक युवक की पीट-पीटकर हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मृतक की पहचान भंगहा वार्ड संख्या 2 निवासी संतोष कुमार मंडल (30) के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पोठिया थानाध्यक्ष नवीन कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार मृतक के पिता अखिलेश मंडल ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया है कि तुर्की टोला निवासी मंटू महलदार अवैध रूप से शराब बनाने और बेचने का काम करता है। उनका पुत्र संतोष मंडल अक्सर उसके घर शराब पीने जाता था। गुरुवार को भी वह शराब पीने आरोपी के घर गया था। इसी दौरान आरोपित अवैध रूप से शराब बनाने व बेचने का काम करता था। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है आरोपी ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। जिससे उसकी मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि घटना के बाद आरोपी साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को तुर्की नहर के समीप झाड़ियों में छिपाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान स्थानीय ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ गई और उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया।

बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतक के पिता द्वारा आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। तहकीकात कर जेल भेज दिया जाएगा।

केस डायरी जमा नहीं करने पर कोर्ट सख्त, एसपी से विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । जिला व्यवहार न्यायालय एडीजे 3 सुनील कुमार सिंह के न्यायालय ने कोढ़ा थाना कांड संख्या 47/2026 की केस डायरी समय पर प्रस्तुत नहीं किए जाने को गंभीरता से लिया है। न्यायालय ने पाया कि बार-बार निर्देश,अनुस्मारक तथा कारण बताओ नोटिस जारी होने के बावजूद उक्त वाद में अनुसंधान पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी द्वारा न तो केस डायरी प्रस्तुत की गई और न ही कारण बताओ नोटिस का संतोषजनक जवाब दिया गया। इस पर न्यायालय ने कटिहार के पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर संबंधित अनुसंधान पदाधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने की अनुशंसा की है। साथ ही, केस डायरी एवं कारण बताओ नोटिस का संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत होने तक संबंधित अधिकारी के वेतन से ₹5,000 की कटौती करने का भी अनुरोध किया है। न्यायालय ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि केस डायरी समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण न्यायिक कार्यवाही प्रभावित हो रही है। इस मामले को लेकर पुलिस महकमे में भी हलचल तेज हो गई है।

कटिहार रेल मंडल में सीआरएस का निरीक्षण, नए रेलखंडों पर हुआ स्पीड ट्रायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेल मंडल में दोहरीकरण एवं आधारभूत संरचना विकास कार्यों को अंतिम मंजूरी देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। पूर्वोत्तर सीमांत सर्किल के रेल संरक्षा आयुक्त सीआरएस सुमित सिंघल 17 से 19 जून तक कटिहार मंडल के विभिन्न रेलखंडों का विशेष निरीक्षण कर रहे हैं।

इस दौरान रेल सुरक्षा, परिचालन व्यवस्था तथा नए विकसित ट्रैक की गुणवत्ता का गहन परीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण कार्यक्रम के तहत 17 जून को कटिहार-मनिहारी एवं कुरसेला रेलखंड का निरीक्षण किया गया। जबकि 18 जून को डंडखोराझ सोनैली सेक्शन का मोटर ट्रॉली से निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का जायजा लिया गया। इस संबंध में कटिहार रेलमंडल के सीनियर डीसीएम सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार 19 जून को कटिहार यार्ड एवं ईस्ट केबिन का सीआरएस निरीक्षण किया। इसके बाद कटिहार से प्राणपुर रोड तथा सोनैली से कटिहार के बीच नए रेल ट्रैक पर हाई स्पीड ट्रायल आयोजित हुआ । इस ट्रायल के सफल होने के बाद संबंधित रेलखंड पर नियमित रेल परिचालन का मार्ग और अधिक प्रशस्त होगा।

स्मैक के साथ पूर्व मंत्री के पुत्र और तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। फलका थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 102.79 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में अररिया के पूर्व सांसद सह बिहार के पूर्व मंत्री स्वर्गीय रामजी दास ऋषि के पुत्र सुनील कुमार भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से बिना नंबर की एक बाइक और दो मोबाइल भी जब्त की है। थानाध्यक्ष प्रहलाद यादव के नेतृत्व में पुअनि अमरदीप सिंह प्रखंड विकास पदाधिकारी की मौजूदगी में निसुन्द्रा - गेड़ाबाड़ी मार्ग पर वाहन जांच अभियान चला रहे थे। तभी गेड़ाबाड़ी की ओर से

आ रही बिना नंबर की पीले रंग की बाइक को टीम ने रोकने का प्रयास किया तो पुलिस को देखते ही बाइक सवार भागने लगा। लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी की उपस्थिति में मुख्य आरोपित सुनील कुमार के पास रखे थैले से 102.79 ग्राम स्मैक बरामद की गयी। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अररिया जिले के नरपतगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गोखलापुर निवासी सुनील कुमार जो फारबिसगंज के रोजगार सेवक हैं। पूर्णिया जिले के भवानीपुर निवासी खुशीलाल मंडल (24) के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों आरोपितों के पास से दो मोबाइल भी जब्त कर ली गई। इस मामले में फलका थाना में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है ।

विजयधारी हनुमान मंदिर मरंगी में 24 प्रहर 72 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार) । प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के विजयधारी हनुमान मंदिर मरंगी में 24 प्रहर 72 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा हैं। इस कड़ी में मंदिर परिसर में राधा कृष्ण की प्रतिमा स्थापित की गई हैं। विधिवत पूजा पाठ जजमान कंचनमाला देवी,प्रदीप कुमार पासवान कर रहे हैं। वहीं मंदिर परिसर में शिव, पार्वती, गणेश, लक्ष्मी, हनुमान, दुर्गा जी आदि कई तरह के प्रतिमा स्थापित की गई हैं। जो आकर्षण का केंद्र बन हुआ हैं।

वहीं हरिनाम संकीर्तन को लेकर रुपौली पूर्णिया के कलाकार महिषासुर वध का पाठ दिखा कर दर्शकों का मंत्र मुग्ध किया । वहीं आचार्य सुभाष चंद्र झा के द्वारा वैदिक मंत्रोचार कर पूजा पाठ कर रहे हैं। इस अवसर पर हरिनाम संकीर्तन कमेटी विजयधारी हनुमान मंदिर मरंगी के अध्यक्ष भोला कुमार पासवान,उपाध्यक्ष पवन कुमार यादव, सचिव प्रदीप कुमार पासवान, उपसचिव देवनारायण पासवान, कोषाध्यक्ष रामावतार पासवान सहित कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

जगदेव बाबू की प्रतिमा के सौन्दर्यीकरण की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला अध्यक्ष उमाकांत आनंद ने शहीद जगदेव चौक,न्यू मार्केट कटिहार में स्थित शहीद जगदेव बाबू के प्रतिमा को सौन्दर्यकरण करने के लिए महापौर श्रीमती ऊषा अग्रवाल एवं विधान पार्षद अशोक अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। जिसे महापौर एवं विधान पार्षद ने इसे गंभीरता से लेते हुए इसे जल्द से जल्द सौंदर्यकरण करने का आश्वासन दिए। उमाकांत आनंद ने इसके लिए उन्हें धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किए। उमाकांत आनंद ने कहा शहीद जगदेव बाबू शोषित एवं वंचितों के आवाज थे।न्यू मार्केट में स्थित शहीद जगदेव बाबू के प्रतिमा के आस पास गंदगी फैला रहता है।इसके साफ सफाई पर भी उन्होंने महापौर का ध्यान आकर्षित किया।

वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी सेवा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य : ललन सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया (कटिहार)। वृद्धाश्रम सहारा पूर्णिया में एक विशेष निरीक्षण एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह केन्द्रीय मंत्री, मत्स्य, पंचायती राज पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, श्रीमती लेशी सिंह भवन निर्माण विभाग बिहार सरकार, नितीश कुमार सिंह विधायक कसबा, कलाधर प्रसाद मंडल विधायक रूपौली, अंशुल कुमार जिला पदाधिकारी, अंजनी कुमार, उप विकास आयुक्त,अमरेश कुमार सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, डॉ. संतोष कुमार कोषागार पदाधिकारी एवं स्वयंसेवी संस्था के सचिव रणधीर कुमार सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत प्रबंधन समिति एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया। इसके पश्चात उन्होंने वृद्धाश्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। जिसमें आवासीय

कक्ष, भोजनालय, स्वास्थ्य सुविधा केंद्र एवं मनोरंजन कक्ष शामिल थे। निरीक्षण के दौरान वृद्धजनों की देखभाल की व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता का गहन अध्ययन किया गया। कार्यक्रम के मध्य में वृक्षारोपण भी किया गया। आंवला, गुलमोहर एवं आम के पौधे लगाए गए। जिससे आश्रम परिसर में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश स्थापित हुआ। यह पहल न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि वृद्धजनों के लिए एक सुखद और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी सार्थक कदम सिद्ध हुई।अतिथियों ने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद स्थापित किया। उन्होंने उनकी दैनिक जीवन की आवश्यकताओं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं व्यक्तिगत अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना। वृद्धजनों ने भी अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। जिससे उनके जीवन की वास्तविकताओं और आवश्यकताओं का स्पष्ट चित्र सामने आया। कार्यक्रम के दौरान सभी वृद्धजनों को सम्मान स्वरूप सॉल भेंट किए गए तथा फल एवं अन्य खाद्य सामग्री के पैकेट प्रदान किए गए। यह पहल वृद्धजनों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता का प्रतीक रही। केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी सेवा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। श्रीमती लेशी सिंह ने आश्वासन दिया कि खाद्य एवं पोषण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विभागीय सहयोग निरंतर जारी रहेगा। विधायक नितीश कुमार सिंह ने स्थानीय स्तर पर वृद्धजनों की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। जिला प्रशासन ने वृद्धाश्रम की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास करने का आश्वासन दिया।

आईटी शेयरों के लिए 'ब्लैक फ्राइडे', पूरा सेक्टर धड़ाम

नईदिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार शेयरों के लिए ब्लैक फ्राइडे साबित हो रहा है। घरेलू शेयर मार्केट में शुक्रवार को आईटी सेक्टर में जबरदस्त बिकवाली देखने को मिल रही है। एक्सेंचर के कमजोर आउटलुक और वैश्विक मांग को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आज 1,636.20 अंक यानी

5.75 प्रतिशत टूटकर 26,830.25 पर आ गया। यह पिछले एक महीने में सेक्टर की सबसे बड़ी गिरावटों में से एक है। आज आईटी दिग्गज इंफोसे में सबसे ज्यादा बिकवाली हुई। 8.16 प्रतिशत गिरकर 1,035.50 रुपये पर आ गया। खास बात यह रही कि कारोबार के दौरान यह 1,030 रुपये तक फिसल गया, जो इसका 52 सप्ताह का नया निचला स्तर है। पिछले 30 दिनों में शेयर 13.43 प्रतिशत टूट चुका है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस का शेयर 6.02 प्रतिशत गिरकर 2,070.60 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। कारोबार के दौरान यह 2,059.90 रुपये तक लुढ़क गया। वहीं एम्फेसिस में भी भारी बिकवाली रही और शेयर 6.06 प्रतिशत टूटकर 2,194.90 रुपये पर आ गया। आईटी सेक्टर की कमजोरी केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रही। टेक महिंद्रा सुबह 10 बजे तक 5.28 प्रतिशत टूट चुका था। 4.98 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा रही थी। जबकि, एलटीआई माइंडट्री 4.58 प्रतिशत टूट चुका था। पर्सिस्टेंट सिस्टम भी 4.56 प्रतिशत नीचे था जबकि, विप्रो में 3.62 प्रतिशत गिरावट थी। कंसल्टिंग कंपनी ने अपने पूरे साल के राजस्व वृद्धि अनुमान को घटा दिया है। कंपनी ने चौथी तिमाही के लिए भी कमजोर आउटलुक दिया है। इससे निवेशकों को डर है कि अमेरिका और यूरोप में आईटी खर्च में सुस्ती आ सकती है, जिसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों की कमाई पर पड़ सकता है।

यूपीआई और एटीएम से पीएफ का पैसा इसी महीने से निकाल सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन के 7 करोड़ से अधिक सदस्य यूपीआई और एटीएम के जरिए अपने पीएफ अकाउंट से फंड निकाल सकेंगे। सरकारी सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि यह सुविधा इस महीने के अंत तक शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज सदस्यों के खातों में इसी महीने भेज दिया जाएगा। श्रम मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया तहत सेंट्रलाइज्ड सिस्टम का काम पूरा हो चुका है। इस महीने के अंत तक जरिए फंड निकासी की सुविधा शुरू कर दी जाएगी।' उन्होंने कहा कि सदस्य अपने क्लेम की रकम के जरिए अपने बैंक खाते में तुरंत ले सकेंगे और फिर किसी भी निकाल सकेंगे। अधिकारी ने बताया, 'यह सुविधा शुरू करने से पहले आने वाले दिनों में सर्वर कम से कम 3 दिनों के लिए ब्लैकआउट कर जाएंगे। शुरू होने वाली व्यवस्था को अपडेट करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। नियमों के मुताबिक, मेंबर के अकाउंट में अंशदान का 25 प्रतिशत हिस्सा मिनिमम बैलेंस के रूप में रहना अनिवार्य है। वहीं, बीमारी, पढ़ाई, शादी और घर बनाने जैसे मामलों में 5 लाख रुपये तक के क्लेम का ऑटो-सेटलमेंट होता है।

9.44 करोड़ किसानों के लिए खुशखबरी! बंगाल से जारी होगी 23वीं किस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून यानी शनिवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी करेंगे। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,880 करोड़ रुपये सीधे ट्रांसफर करेंगे। यह पीएम-किसान योजना के इतिहास की सबसे बड़ी किस्तों में से एक होगी। प्रत्येक पात्र किसान के खाते में 2,000 रुपये की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से भेजी जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले से शाम करीब 4 बजे 23वीं किस्त जारी करेंगे। इसके साथ ही कई केंद्रीय योजनाओं का भी शुभारंभ और शिलान्यास किया जाएगा। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन किसानों ने पूरी नहीं की है, आधार को बैंक खाते से लिंक नहीं कराया है या भूमि रिकॉर्ड सत्यापित नहीं हैं, उनके खाते में किस्त नहीं आएगी। इसके अलावा ऐसे मामलों की भी जांच चल रही है जिनमें पात्रता संबंधी विवाद हैं।

स्विस बैंकों का टूटा तिलिस्म

2025 में 8 प्रतिशत की आई गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विस बैंकों में जमा भारतीय पैसा साल 2025 में आठ फीसदी से ज्यादा घटा है। यह घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 36,793 करोड़ रुपये) रह गया। स्थानीय शाखाओं के साथ अन्य बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई रकम में कमी के कारण यह गिरावट हुई। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) की तरफ से गुरुवार को जारी वार्षिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इन आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट आने के बावजूद व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 फीसदी से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (करीब 6,000 करोड़ रुपये) हो गया। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 फीसदी ही रही।

क्या है इसका मतलब: अब स्विट्जरलैंड भारतीय टैक्स चोरों और बड़े व्यवसायियों के लिए 'सेफ हेवन' नहीं रह गया है। इसका सबसे बड़ा कारण भारत और स्विट्जरलैंड के बीच लागू 'सूचनाओं का ऑटोमैटिक आदान-प्रदान' है। इसके तहत स्विस बैंक हर साल भारतीयों के खातों की पूरी वित्तीय जानकारी सीधे भारत सरकार को सौंप देते हैं। इस पारदर्शिता और भारत सरकार की सख्त टैक्स नीतियों के डर से लोग स्विस बैंकों से अपना पैसा निकाल रहे हैं। हालांकि, इस गिरावट के बीच व्यक्तिगत बचत खातों में पैसों का बढ़ना यह दिखाता है कि जो लोग नियमों का पालन कर

रहे हैं, वे अभी भी कानूनी और घोषित रूप से वहां निवेश कर रहे हैं।

एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहक जमा, 2.6 अरब स्विस फ्रैंक अन्य बैंकों के जरिये, 1.86 करोड़ स्विस फ्रैंक विश्वस्त संस्था या ट्रस्ट के जरिये और 10.57 करोड़ स्विस फ्रैंक बॉन्ड और प्रतिभूतियों जैसे अन्य वित्तीय साधनों के रूप में थे।

एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि साल 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। इसके बाद इसमें ज्यादातर समय गिरावट का रुख रहा। हालांकि, 2011, 2013, 2017, 2020, 2021, 2022, 2023 और 2024 जैसे कुछ सालों में इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई। एसएनबी ने साफ किया कि ये आंकड़े बैंकों की ओर से रिपोर्ट की गई कुल देनदारियों को दिखाते हैं। इन्हें स्विस बैंकों में काले धन का प्रत्यक्ष संकेतक नहीं माना जा सकता।

कुल रकम में यह रहा बड़ा हिस्सा

कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा 'बैंकों को देय राशि' के रूप में रहा, जो अन्य बैंकों और वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 फीसदी घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर था। साल 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के सबसे ऊंचे स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। ये बैंकों की तरफ से स्विस नेशनल बैंक को दी गई सूचनाओं पर आधारित आंकड़े हैं। स्विट्जरलैंड में भारतीयों के पास मौजूद काले धन की बहुचर्चित मात्रा को नहीं ये दिखाते हैं। इन आंकड़ों में वह धन भी शामिल नहीं होता जो भारतीयों, प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) या अन्य लोगों की ओर से स्विस बैंकों में तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखा गया है।

8,000 करोड़ के शेयर लेकर बैठे हैं राधाकृष्ण दमानी, 1भी शेयर नहीं बेचेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े आईपीओ बनने जा रहे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 30,000 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू में जहां सरकारी बीमा कंपनियां और कई विदेशी निवेशक अपने शेयर बेचकर भारी मुनाफा कमाने की तैयारी में हैं, वहीं देश के कुछ दिग्गज निवेशकों ने एक भी शेयर बेचने का फैसला नहीं किया है। सबसे बड़ा नाम डीमार्ट के संस्थापक राधाकिशन दमानी का है। दमानी के पास एनएसई के 3.90 करोड़ से अधिक शेयर हैं, जो कंपनी में 1.58 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। अनलिस्टेड मार्केट में लास्ट ट्रेडिंग प्राइस 2,055 रुपये प्रति शेयर के आधार पर उनकी हिस्सेदारी की कीमत करीब 8,032 करोड़ रुपये बैठती है। इसके बावजूद उन्होंने एक भी शेयर बेचने का फैसला नहीं किया है। सनिल कांत मुंजाल और क्रिस गोपालकृष्णन भी होल्ड पर हीरो ग्रुप के संस्थापक सनिल कांत मुंजाल के पास एनएसई के 1.02 करोड़ शेयर हैं, जिनकी अनुमानित कीमत

2,040 करोड़ रुपये है। वहीं इंफोसिस के सह-संस्थापक एस. गोपालकृष्णन के पास 94.29 लाख शेयर हैं, जिनका मूल्य करीब 1,886 करोड़ रुपये आंका गया है। डीमार्ट के सीईओ इग्नेशियस नविल नरोन्हा के पास भी 30 लाख शेयर हैं, जिनकी मौजूदा कीमत लगभग 600 करोड़ रुपये है। प्रसिद्ध निवेशक डॉली खन्ना के पास एनएसई के 15.16 लाख शेयर हैं, जिनकी कीमत करीब 311 करोड़ रुपये है। वहीं दिग्गज वैल्यू निवेशक रामदेव अग्रवाल और मोतीलाल ओसवाल के पास 8-8 लाख शेयर हैं, जिनकी मौजूदा कीमत लगभग 164 करोड़ रुपये प्रति निवेशक है।

रातोंरात अरबपति बन गए ये नौजवान

बॉर्डर पार हुई दोस्ती और अब 5 लाख करोड़ जेब में आए

नई दिल्ली, एजेंसी। दो युवा एंटरप्रेन्योर रातोंरात अरबति बन गए हैं। इनमें से एक भारतीय है। दूसरा पाकिस्तानी। ऐसा एलन मस्क की बदौलत हुआ है। मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने लोकप्रिय कोडिंग असिस्टेंट 'कर्सर' बनाने वाली कंपनी 'एनीस्फीयर' का 60 अरब डॉलर (करीब 5 लाख करोड़ रुपये) में सौदा किया है। इसके चलते अमन सांगर और सुलेह आसिफ अरबपति की लिस्ट में शुमार हो गए हैं।

भारत में जन्मे 25 साल के अमन सांगर और पाकिस्तान के 26 साल के सुलेह आसिफ को इस डील से लगभग 2.7 अरब डॉलर मिलने की उम्मीद है। इससे वे दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गए हैं। डेवलपमेंट को ऑटोमेट करने में मदद करते हैं। रॉयटर्स के साथ पहले शेयर किए गए कंपनी के डेटा के अनुसार, कर्सर ने अपने कामकाज का तेजी से विस्तार किया है। लगभग 2.6 अरब डॉलर का सालाना एंटरप्राइज रेवेन्यू हासिल किया है। एआई स्टार्टअप बनाने के लिए अपने भविष्य के को-फाउंडर्स के साथ जुड़ने से पहले उन्होंने अपना खुद का एआई कंसल्टिंग बिजनेस भी शुरू किया था।

कौन हैं अमन सांगर

सिर्फ 25 साल की उम्र में अमन सांगर 'कर्सर' की सफलता के बाद एआई इंडस्ट्री के सबसे युवा अरबपतियों में से एक के तौर पर उभरे हैं। अमेरिका में भारतीय मूल के माता-पिता के घर जन्मे सांगर ऐसे माहौल में पले-बढ़े जहां शिक्षा, एंटरप्रेन्योरशिप और प्रोफेशनल कामयाबी पर जोर दिया जाता था। उनके पिता अरविंद सांगर बॉम्बे के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने बाद में 'जियोस्फीयर कैपिटल' की स्थापना की, जो नेचुरल रिसोर्सेज, इंडस्ट्रियल सेक्टर और भारतीय इक्विटी पर फोकस्ड इन्वेस्टमेंट फर्म है। उनकी मां शिल्पा सांगर मुंबई में पली-बढ़ीं। उन्होंने हेल्थकेयर, एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप इन्वेस्टमेंट के क्षेत्रों में अपना करियर बनाया। ऑर्थोडॉन्टिस्ट के तौर पर ट्रेनिंग लेने के बाद वह बाद में एक एंटरप्रेन्योर और एंजेल इन्वेस्टर बनीं।

14 साल की उम्र में शुरू कर दी थी कोडिंग

अपने परिवार के बिजनेस बैकग्राउंड से प्रेरित होकर अमन सांगर ने 14 साल की उम्र में कोडिंग शुरू कर दी थी। बाद में उन्होंने एडमिशन लिया, जहां उन्होंने 2018 से 2022 तक कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की। यूनिवर्सिटी में रहने के दौरान वह स्ववैश के एक्टिव खिलाड़ी भी थे। एथलेटिक्स में भी हिस्सा लेते थे। कर्सर की सह-स्थापना करने से पहले सांगर ने गूगल और ब्रिजवाटर एसोसिएट्स में इंटर्नशिप पूरी की।

2022 में एमआईटी में हुई थी शुरुआत

अमन सांगर ने 2022 में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के अपने दोस्तों के साथ मिलकर 'कर्सर' की शुरुआत की थी। इन दोस्तों में माइकल ट्रूएल, सुलेह आसिफ और अरविंड लुनमार्क शामिल थे। जो कभी एक यूनिवर्सिटी प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू हुआ था, वह अब सिलिकॉन वैली की सबसे तेजी से बढ़ने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनियों में से एक बन गया है। कर्सर के पावर्ड कोडिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अब दुनिया भर की लगभग 50,000 कंपनियों में लाखों डेवलपर्स करते हैं। इनमें एनवीडिया, एडोब, शॉपिफाई और पेपॉल जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि उसने 1 अरब डॉलर का सालाना रेवेन्यू पार कर लिया है।

इन्फोसिस 5 साल और टीसीएस 6 साल के लो पर

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई बाजारों में तेजी के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में आज भारी गिरावट आई। इसकी सबसे बड़ी वजह आईटी शेयरों में आई गिरावट रही। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस का शेयर 7 प्रतिशत लुढ़ककर छह साल के लो के करीब पहुंच गया। इसी तरह इन्फोसिस का शेयर भी 9 प्रतिशत गिरावट के साथ 5 साल के लो

पर आ गया। इसी तरह विप्रो, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा के शेयरों में भी गिरावट रही। अनुमान की ऊपरी सीमा घटाने के बाद टेक्नोलॉजी पर होने वाले खर्च में कटौती कमजोरी को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं। इसका असर आज आईटी शेयरों में देखने को मिला। टीसीएस का शेयर बीएसई पर करीब 7 फीसदी गिरावट के साथ 2,060.50 रुपये तक लुढ़क गया जो इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। शेयरों में भारी गिरावट, इन्फोसिस और टीसीएस 52 हफ्ते के लो पर रेवेन्यू ग्रोथ का अनुमान घटाने से मचा गया यह हाहाकार निफ्टी आईटी इंडेक्स में करीब 6 प्रतिशत गिरावट, इन्फोसिस 8 प्रतिशत लुढ़का यह बिकवाली के शेयरों में 11 प्रतिशत की गिरावट के बाद हुई कमजोर आउटलुक इस बात का संकेत है कि कंपनियां आईटी कंसल्टिंग और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट्स पर अपनी खर्च में कटौती कर सकती हैं।

इन्फोसिस को बड़ी चपत

इसी तरह इन्फोसिस का शेयर भी 9 फीसदी गिरावट के साथ 1,030.35 रुपये पर आ गया। यह इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। इसे गिरावट से कंपनी के मार्केट कैप में 40,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई। बीएसई पर यह पिछले सत्र में 1,127.25 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,063.05 रुपये पर खुला। इस गिरावट से कंपनी का मार्केट कैप 3,63,500.47 करोड़ रुपये रह गया। गाइडेंस को 3 प्रतिशत-5 प्रतिशत के पिछले अनुमान से घटाकर 3 प्रतिशत-4 प्रतिशत कर दिया है। डेटा के अनुसार, कंपनी ने चौथी तिमाही के लिए 17.75 बिलियन-18.4 बिलियन के रेवेन्यू का अनुमान लगाया जो बाजार के अनुमान 18.47 बिलियन से कम है।

चांदी 8,000 लुढ़की, सोना भी 3,000 सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज भारी गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में चांदी की कीमत में करीब 7,800 रुपये की गिरावट आई है जबकि सोना करीब 3,000 रुपये सस्ता हो गया। सर्राफा बाजार में भी दोनों धातुओं की कीमत में भारी गिरावट आई है। अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने इस साल के अंत में ब्याज दरों में बढ़ोतरी का संकेत दिया है। इससे सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है।

एमसीएक्स पर 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,37,572 रुपये रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी और आज यह 2,32,371 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 8,011 रुपये की गिरावट के साथ 2,29,561 रुपये तक लुढ़की। 10 बजे यह 6,944 रुपये यानी 2.92 फीसदी गिरावट के साथ 2,30,628 रुपये पर ट्रेड कर रही थी।

सोने की कीमत में भी शुरुआती कारोबार में गिरावट आई है। 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 149309 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 1,47,175 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 3,057 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,252 रुपये तक फिसला। सुबह 10 बजे सोना 2695 रुपये यानी 1.8 फीसदी गिरावट के साथ 1,46,614 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 3,650 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,860 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

पश्चिम एशिया में युद्ध विराम के बाद

क्रूड तो सस्ता हुआ लेकिन शिपिंग कॉस्ट बढ़ गया!

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में युद्ध पर फिलहाल विराम है। लेकिन युद्ध की वजह से हुए नकुसान की भरपायी के लिए ईरान ने होर्मुज पर टोल वसूलने का संकेत दिया है। इससे कच्चे तेल के शिपिंग कॉस्ट में भारी बढ़ोतरी की खबर है। हालांकि, इंटरनेशनल मार्केट में आज भी कच्चे तेल का दाम नीचे आया। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली

सरकारी तेल कंपनियों ने शुक्रवार, 19 जून 2026 को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। अपने यहां बीते 25 मई के बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने बीते मई महीने में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

डीजल की कीमत क्या है

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध पर तो विराम लग गया लेकिन एक नया संकट खड़ा हो गया है। ईरान ने युद्ध से हुए नुकसान के लिए होर्मुज पर टोल वसूलने की मंशा जतायी है। इससे क्रूड ऑयल के शिपिंग कॉस्ट में भारी बढ़ोतरी की खबर है। हालांकि, आज भी कच्चे तेल के दाम एक फीसदी से ज्यादा गिरे हैं। सुबह छह बजे के ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी या 1.06 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट के साथ 78.79 के भाव पर ट्रेड होता दिखा।

सब्सिडी ने बढ़ाया बोझ, भारत की 23,632 करोड़ के लोन पर नजर, वर्ल्ड बैंक और एडीबी से बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौजूदा क्रेडिट लाइनों के जरिए लगभग 2.5 अरब डॉलर (लगभग 23,632 करोड़ रुपये) जुटाने की तैयारी में है। इसके लिए उसकी वर्ल्ड बैंक और एडीबी जैसे मल्टीलेट्रल लेंडर्स से बातचीत जारी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब नई दिल्ली पूंजी के नए स्रोत तलाश रही है। कारण है कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष ने सरकार की खर्च बढ़ाने की क्षमता पर असर डाला है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि वर्ल्ड बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक 1.5 अरब डॉलर और 1 अरब डॉलर के लोन पर बातचीत कर रहे हैं। अगले दो महीनों में इसकी घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इन फंड का मुख्य मकसद शहरी बुनियादी ढांचे और रोजगार पैदा करने में मदद करना है।

एक समझौते को लेकर पहले ही हुई थी घोषणा भारत और वर्ल्ड बैंक ग्रुप ने पहले एक समझौते की घोषणा

की थी। इसमें पांच सालों में सालाना 8 अरब डॉलर से 10 अरब डॉलर की फंडिंग की रूपरेखा तैयार की गई थी। उम्मीद है कि हालिया प्रस्तावित फंडिंग उसी बड़े वादे के दायरे में आएगी। एक बयान में वर्ल्ड बैंक ने कहा कि वह निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने और विकास को मजबूत करने के मकसद से किए जा रहे स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स के लिए संभावित समर्थन पर सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। इनका मकसद 2047 तक देश को एक विकसित अर्थव्यवस्था बनाना है।

फिलीपींस में स्थित एशियन डेवलपमेंट बैंक ने दिसंबर के अंत तक भारत को कुल 63.8 अरब डॉलर मूल्य के 683 पब्लिक सेक्टर लोन, ग्रांट और तकनीकी सहायता पैकेज देने का वादा किया है।

सरकार का बढ़ा है सब्सिडी पर खर्च

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारत को वित्त वर्ष की शुरुआत में उम्मीद से ज्यादा बजट घाटे का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ईरान संघर्ष के कारण तेल की बढ़ी हुई कीमतों से नागरिकों को राहत देने के लिए सब्सिडी पर खर्च बढ़ने की वजह से हुआ है। भारत अपने कच्चे तेल का 80 प्रतिशत से ज्यादा आयात करता है। ऊर्जा की बढ़ती लागत ने ईंधन और उर्वरक सब्सिडी पर सरकारी खर्च बढ़ा दिया है। इससे बड़े पैमाने की परियोजनाओं के लिए वित्तीय गुंजाइश सीमित हो गई है। सरकारी कार्यक्रमों को समर्थन मिलने की उम्मीद सरकार भारत के बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने और शहरी नवीनीकरण योजनाओं को आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी रखे हुए है।

'एरोक पूजा' से हुई खेती-बाड़ी की शुरूआत

पारंपरिक वेशभूषा में उमड़ा जनसैलाब

परंपरा और प्रकृति का अनूठा है मेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका के प्रसिद्ध दिशोम जाहेर थान में संथाल समुदाय का महान पारंपरिक और कृषि आधारित पर्व 'एरोक पूजा' बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिशोम मांझी बाबा बीनीलाल टुडू के नेतृत्व में आयोजित इस पावन अनुष्ठान को नायकी बाबा सीताराम सोरेन द्वारा पूरी विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया।

इस अवसर पर संथाल परगना के विभिन्न कोनों से आए श्रद्धालुओं ने प्रकृति और अपने आराध्य देवी-देवताओं के प्रति गहरी कृतज्ञता प्रकट की।संथाल संस्कृति में 'एरोक पूजा' का एक अत्यंत विशिष्ट और ऐतिहासिक महत्व है। सदियों से चली आ रही मान्यताओं के अनुसार, हर साल जब बाड़ी (बारी) और खेतों में नए बीज बोने का समय आता है, तब खेती की शुरूआत से ठीक पहले इस पूजा का आयोजन किया जाता है। गांव के पवित्र 'जाहेर थान' में मरांग बुरु, जाहेर आयो, मोड़ें कु, और तुरुय कु आदि प्रमुख देवी-देवताओं की सामूहिक आराधना की जाती है।

इस पूजा के पीछे मुख्य उद्देश्य धरती मां से अच्छी फसल का वरदान मांगना है। श्रद्धालु भगवान से प्रार्थना करते हैं कि बोए गए बीजों का अंकुरण बेहतर हो, फसलें हरी-भरी रहें और उन्हें हानिकारक कीटों, पतंगों, आवारा पशुओं तथा पक्षियों से कोई नुकसान न पहुंचे।

एक तरह से यह पर्व मनुष्य, प्रकृति और कृषि के बीच के अटूट संबंध को प्रदर्शित करता है। उत्सव के दौरान जाहेर थान का नजारा पूरी तरह से पारंपरिक और आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया।

संथाल परगना के कई हिस्सों से आए आतोमोड़ेंहोड़ और मरांगबुरु के भक्त अपनी भव्य पारंपरिक वेशभूषा 'पंछी-लुंगी' में सज-धजकर शामिल हुए। चारों ओर श्रद्धा, उल्लास और लोक गीतों की गूंज सुनाई दे रही थी।

इस मौके पर सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए जोगमांझी मोहन टुडू ने बताया कि इस साल के सभी सामाजिक और शादी-विवाह के कार्यक्रम अब समाप्त हो चुके हैं। 'मंडवा सिम' की अंतिम पूजा संपन्न करने के बाद, अब समाज के लोग पूरी तरह से अपनी जीविका यानी खेती-किसानी के लिए खेतों की ओर रुख करेंगे। इस पूजा के साथ ही संथाल समाज आधिकारिक तौर पर कृषि कार्यों में जुट जाता है।

इस भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने में समाज के कई गणमान्य लोगों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। पूजा के मुख्य अनुष्ठानों में राम प्रसाद हांसदा, शिवकांत मुर्मू, शिव शंकर सोरेन, संदीप मुर्मू, प्रेम हांसदा, दीपक मरांडी, साहेबराम किस्कू सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

जविप्र विक्रेताओं ने मंत्री को सौंपा मांगपत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। मंत्री के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान जनवितरण प्रणाली पीडीएस विक्रेताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक मांगपत्र सौंपा।

इस अवसर पर शिवाजीनगर जनवितरण विक्रेता संघ के प्रतिनिधि पवन कुमार सिंह, सुनील कुमार चौधरी, प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य विक्रेताओं ने मंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया।

विक्रेताओं ने मांगपत्र के माध्यम से प्रमुख रूप से अनुकंपा नियुक्ति में आयु सीमा समाप्त करने, जनवितरण दुकानों की आय बढ़ाने के लिए अतिरिक्त वस्तुओं की बिक्री की अनुमति देने तथा इसके लिए सरकार की ओर से पूंजी उपलब्ध कराने और विक्रेताओं के कमीशन में वृद्धि करने की मांग उठाई। प्रतिनिधियों ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में जनवितरण विक्रेताओं को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाना आवश्यक है।

मंत्री ने विक्रेताओं की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सरकार इन मुद्दों पर विचार कर रही है।

उन्होंने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति में आयु सीमा समाप्त करने, जनवितरण दुकानों के माध्यम से अतिरिक्त वस्तुओं की बिक्री की व्यवस्था करने तथा कमीशन वृद्धि जैसे विषयों पर विभागीय स्तर पर कार्य चल रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन मांगों को जल्द ही व्यवहार में लाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे मंत्री के आश्वासन से उपस्थित जनवितरण विक्रेताओं में खुशी देखी गई।

संघ के प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि सरकार शीघ्र ही इन मांगों को पूरा करेगी, जिससे राज्य के हजारों जनवितरण विक्रेताओं को लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी कार्यक्रम के अंत में जिले भर के जनवितरण विक्रेताओं की ओर से मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया गया। विक्रेताओं ने कहा कि उनकी समस्याओं को सुनने और समाधान का आश्वासन देने के लिए वे मंत्री के प्रति कोटि-कोटि धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

ट्रेन से गिरकर मौत

सालमारी। बलिया बेलौन क्षेत्र अंतर्गत बेनी जलालपुर पंचायत के वार्ड चार गोबिंदपुर निवासी प्रवासी मजदूर मंजर आलम (30) की मध्यप्रदेश के इटारसी जंक्शन के करीब ट्रेन से गिरकर घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के मुम्बई में रह कर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। बकर ईद के मौके पर घर आया था। 15 जुन को रोजगार की तलाश में मुम्बई जा रहा था की 17 जुन के प्रातःकाल में ट्रेन से गिरकर मौत होने की सूचना मिली। यात्रा के दौरान वह ट्रेन से कैसे गिरा। कुछ पता नहीं है। परिजनों ने संबंधित जीआरपी थाना में शिकायत दर्ज कर मामले की जांच की मांग की है। मृतक के घर जैसे ही यह खबर पहुंची। परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी अंजरा खातुन इस घटना अपने पति की इस तरह दर्दनाक मौत से पूरी तरह टूट चुकी हैं। उनका पांच वर्ष और एक वर्ष का दो बेटा हैं। पिता की मौत से बच्चों के सिर से सहारा छिन गया है।

एक गिरफ्तार

आजमनगर। थाना क्षेत्र अंतर्गत आलमपुर पंचायत के कुशहा गांव में वर्ष 2025 में हत्या का साजिश रचने वाले मामले में एक व्यक्ति को आजमनगर पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत कटिहार भेज दिया गया था। परंतु कुछ दिनों के बाद छानबीन के दौरान पता चला कि जिस महिला की हत्या के मामले में देवर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वह महिला अपने प्रेमी के साथ सात फेरे लेकर सुधानी के निकट स्थित एक गांव में खुशियाली की जिंदगी बिता रही थी। मामले का खुलासा होने के बाद आजमनगर पुलिस हरकत में आई, उक्त महिला को अपने प्रेमी संघ न्यायालय में हाजिर कराया गया। जेल की हवा खाकर आए व्यक्ति ने एक दर्जन से अधिक लोगों पर मामला दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई थी। दर्ज मामले के बाद आजमनगर पुलिस हरकत में आई।

हैवी ब्लास्टिंग के कारण सड़क धंसने से 30 गांवों का टूटा संपर्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

निरसा। निरसा विधानसभा के उत्तरी क्षेत्र को जोड़ने वाली गोपालगंज-बेनागोड़िया सड़क गुरुवार की देर रात लगभग 12 बजे जोरदार आवाज के साथ 50 फीट लंबाई एवं लगभग 14 फीट चौड़ाई में धंस गई। इसके कारण लगभग पांच पंचायत के लगभग 30 गांवों का निरसा प्रखंड मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। हालांकि, ईसीएल एवं आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने टूटी सड़क के किनारे से वैकल्पिक रास्ता बना दिया है, ताकि आम लोगों को आने जाने में असुविधा न हो।

स्थानीय लोगों ने बताया कि चापापुर कोलियरी में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी ने गुरुवार की दोपहर में उक्त स्थान से लगभग 30- 40 फीट की दूरी पर हैवी ब्लास्टिंग की थी। पूर्व में इसी जगह से ईसीएल की भूमिगत खदान चलती थी। साथ ही अवैध खनन भी वहां पर किया जाता था।

हैवी ब्लास्टिंग के कारण सड़क के नीचे का हिस्सा पूरी तरह हिल गया था। वही आउटसोर्सिंग कंपनी भारी वाहनों से इसी रस्ते से कोयला एवं ओबी डंप की ट्रांसपोर्टिंग कराती है। इस कारण रात्रि में अचानक जोरदार आवाज के साथ सड़क एवं उसके आसपास का हिस्सा धंस गया।

निरसा प्रखंड के बेनागोडिया, घाघरा, सोनवाद, सिजुआ एवं पूर्वी, टुंडी की पांड्रा बेजरा पंचायत के लगभग 30 गांवों का यह मुख्य संपर्क पथ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिला परिषद एवं पीडब्ल्यूडी का यह सड़क वर्षों पुरानी है। आउटसोर्सिंग कंपनियां कोयला निकालने की होड़ में ग्रामीण सड़क के साथ भी छेड़छाड़ कर रही है। ग्रामीण सड़क पर भारी वाहनों का परिचालन होने से पहले से ही लोगों आवागमन में परेशानी हो रही थी।

इस संबंध में जिला परिषद सदस्य पिंकी मरांडी का कहना है कि मैं बोर्ड की बैठक में भी यह मामला उठाया था। ग्रामीण सड़क का इस तरह से अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट। जिला व्यवहार न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से लोक अदालत भवन में शुक्रवार को आयुष्मान मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150 महिला एवं पुरुषों के ब्लड प्रेशर, शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि वीर एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपेश कुमार पटेल ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याएं सुनकर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया तथा निःशुल्क दवाओं का भी वितरण किया। अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मियों एवं आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में शिविर का लाभ उठाया।

इनामी महिला माओवादी ने बंगाल में किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। करीब 25 वर्षों तक झारखंड और पश्चिम बंगाल पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनी रही 10 लाख रुपये की इनामी महिला माओवादी कमांडर शकुंतला महतो उर्फ पुष्पा ने आखिरकार कानून के सामने घुटने टेक दिए हैं।

शकुंतला ने 17 जून को कोलकाता पुलिस मुख्यालय (लालबाजार) में आत्मसमर्पण कर दिया। इस दौरान उसने पुलिस के समक्ष अत्याधुनिक हथियार और 46 राउंड कारतूस भी जमा किए। इसके साथ ही वह हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौट आई है।

शकुंतला महतो झारखंड के चर्चित और वीभत्स हत्याकांडों में से एक- घाटशिला के बाघुडिया फुटबॉल मैदान में 4 मार्च 2007 को जमशेदपुर के तत्कालीन सांसद सुनील महतो समेत चार लोगों की हत्या के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की वांछित अभियुक्त रही है।

इस पर झारखंड सरकार ने 10 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। इसके खिलाफ पूर्वी सिंहभूम जिले के गालूडीह, धालभूमगढ़, पटमदा, बोड़ाम सहित विभिन्न थानों में नक्सली हिंसा और कई अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं।

पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले के बेलपहाड़ी थाना क्षेत्र स्थित मेचुआ गांव की रहने वाली शकुंतला महतो महज 10 वर्ष की उम्र में माओवादी संगठन से जुड़ गई थी।

सिर्फ पांचवीं कक्षा तक पढ़ी शकुंतला संगठन के भीतर परी, वर्षा और पुष्पा जैसे कई छद्म नामों से सक्रिय रही। वर्ष 2003 में झाड़ग्राम स्क्वाड में उसकी मुलाकात एरिया कमांडर अतुल महतो से हुई और साल 2005 में दोनों ने रांची जिले के तमाड़ के जंगलों में शादी कर ली।

वह माओवादियों की ईस्टर्न रीजनल ब्यूरो और जोनल कमेटी की सदस्य रही तथा झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में कई बड़े नक्सली हमलों में उसकी सक्रिय भूमिका रही।

हाल-ए- देवघर सदर अस्पताल का

मरीज को चढ़ाया एक्सपायरी स्लाइन

ड्रेसिंग के बदले गिरवी रखा मोबाइल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। अस्पताल मरीज ठीक होने आते है। लेकिन होता है इससे उलट। यहां मरीज को ना केवल एक्सपायरी सलान चढ़ा दी जाती है बल्कि ड्रेसिंग करने के एवज में पैसों की भी डिमांड होती है। अगर डिमांड पूरा नहीं किया तो पैसे मिलने तक मोबाइल फोन भी रख लिया जाता है। यह सारी घटना शुक्रवार को देवघर सदर अस्पताल में घटी।

जब मामला सामने आया तो मरीज के स्वजनों ने आक्रोश भी व्यक्त किया। कुछ देर तक सदर अस्पताल में तनाव भरा माहौल रहा।

घटना के संबंध में बैजनाथपुर गांधीनगर मोहल्ला की रहने वाली टुम्पा देवी ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनका पुत्र कृष कुमार अपने साथियों के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहा था।

उसी दौरान बिलासी मोड़ के समीप एक अज्ञात वाहन ने जोरदार धक्का मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल लाया गया।

यहां चिकित्सक की सलाह पर ड्रेसिंग कराने के लिए लाया गया। वहां ड्यूटी पर तैनात ड्रेसर ने ड्रेसिंग करने के नाम पर 550 रुपये की डिमांड की। पैसा देने में असमर्थता व्यक्त करने पर ड्रेसर ने फोन ले लिया और पैसा देने के बाद फोन वापस करने की बात कही।

बाद में उसे पैसा दिया गया तब उसने फोन वापस किया। इसके बाद ड्रेसिंग की। ड्रेसिंग के बाद उसे वार्ड में इलाज के लिए भर्ती कर लिया गया। जहां उसे सलाईन चढ़ाया जाने लगा। इसी दौरान स्वजन सुधीर तुरी की नजर चढ़ाए जा रहे सलाईन पर पड़ी।

सलाईन की अंकित तिथि देखकर वह हैरान रह गया, क्योंकि चढ़ाया जा रही सलाईन एक्सपायरी हो चुका था। सलाईन जनवरी 2026 में ही एक्सपायर हो चुका था।

जब बाबत तैनात कर्मी से पूछा गया तो हड़बड़ी में लगाने की बात कही। इसके बाद स्वजनों द्वारा आक्रोश व्यक्त करने पर सलाइन को बदला गया।

ऐसा नहीं है कि यह पहला मामला है। इससे पहले हाल ही में एक्सपायरी इंजेक्शन लगाने का मामला सामने आ चुका है। तब भी मामला बड़ा रूप लिया था।

मामले को लेकर जांच के लिए टीम भी बनाई गई थी। जांच भी हुई। वही दूसरा मामला मिठाई के नाम पर पैसे मांगने का सामने आया था। जिसकी भी जांच की जा रही है।

सरकारी भवनों पर लगेंगे सोलर प्लेट

रांची। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को राज्य सरकार के साथ बिजली एवं शहरी विकास क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी भवनों पर रूफटाप सोलर सिस्टम लगाकर बिजली की खपत कम करने पर तेजी लानी होगी, इससे स्वच्छ उर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने राज्य में बिजली वितरण क्षेत्र के वित्तीय घाटे को कम करने के लिए किए जाने वाले प्रयोग की जानकारी ली। इसमें वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए तरीके सुझाए गए।

सरकारी विभागों के लंबित बिजली बिलों के जल्द भुगतान के लिए एक समेकित सिस्टम बनाने की बात उन्होंने कही। मनोहर लाल खट्टर ने निर्देश दिया कि सरकारी उपभोक्ताओं के सभी मीटर 31 अगस्त तक प्रीपेड मीटर में बदले जाएंगे।

इसके लिए वाणिज्यिक एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य भी इस समय सीमा में पूरा किया जाए।

समीक्षा में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी परिवारों के विद्युतीकरण की प्रगति भी बताई गई।

जिंदा बेटी' का किया अंतिम प्रतीकात्मक संस्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिले के रमना थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को सामाजिक मान्यताओं और पारिवारिक भावनाओं से जुड़ी एक अनोखी घटना चर्चा का विषय बनी रही।

गांव की एक युवती, जिसने करीब एक माह पूर्व अपनी शादी में सिंदूरदान की रस्म के दौरान विवाह से इन्कार कर दिया था, उसके स्वजन और ग्रामीणों ने युवती को सामाजिक रूप से मृत मानते हुए प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार कर दिया।

जानकारी के अनुसार, विवाह समारोह में काफी समझाने-बुझाने के बावजूद युवती बरात के साथ शादी के लिए पहुंचे दूल्हे के शादी नहीं करने के अपने निर्णय पर अडिग रही थी।

इसके बाद बरात बिना दुल्हन के लौट गई थी। दुल्हन के स्वजन का कहना है कि अगले ही दिन युवती अपनी इच्छा से अपने प्रेमी के घर चली गई, जहां वह वर्तमान में रह रही है।

घटना के एक माह बाद स्वजन के साथ मिलकर ग्रामीणों ने युवती की प्रतीकात्मक अर्थी सजाई। गाजे-बाजे के साथ गांव में शवयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इसके बाद तेलाही बांध के समीप पहुंचकर रीति-

सिंदूरदान के समय प्रेमी संग फरार हो गयी थी बेटी

रिवाज के अनुसार प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार की रस्म निभाई गईं।

स्वजनों का कहना है कि परिवार, रिश्तेदारों और समाज की मान-मयार्दा की अनदेखी करने वाले सदस्य से संबंध बनाए रखना उचित नहीं है। उनका दावा है कि शादी की घटना के बाद से ही उन्होंने युवती को मृत मान लिया था और अब सामाजिक रूप से उससे अपना नाता भी समाप्त कर लिया है।

घटना को लेकर पूरे इलाके में चचाओं का बाजार गर्म है। शवयात्रा और अंतिम संस्कार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।

जंजीर से बंधे पाये गये चार छात्र, सनसनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा । बिहार में दरभंगा जिले के सिनुआरा गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब पेड़ की छांव में चार मासूम बच्चे बदहवास हालत में बैठे मिले। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि उनके पैरों में जंजीर और ताले बंधे थे। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

बहादुरपुर थाना क्षेत्र के सिनुआरा गांव में जंजीर और ताले से बंधे मदरसा के चार छात्रों के मिलने से लोग चौंक गए। सभी बच्चे मधुबनी जिले के अररिया संग्राम थानाक्षेत्र के पाए गए हैं। किसी के सिर में बाल नहीं पाया गया है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद सभी को बाल कल्याण समिति के माध्यम से तत्काल बाल गृह भेज दिया है। साथ ही सभी के स्वजन को घटना की जानकारी दी गई है। पूछताछ में चारों बच्चे एपीएम थाना क्षेत्र के सिरनिया मदरसा के छात्र पाए गए हैं।

बताया कि एक माह पहले सभी पढ़ने के लिए आए थे। जहां मदरसा के मौलाना ने चारों से जबरन शौचालय की सफाई सहित अन्य काम कराते हैं। विरोध करने के कारण सभी के पांव में जंजीर लगाकर ताले लगा दिए गए, ताकि कोई भाग नहीं सके।

बच्चों ने बताया कि जब - जब विरोध करने पर मौलाना ने उन लोगों के साथ मारपीट की। शुक्रवार को किसी तरह से मदरसा से निकलकर यहां तक पहुंचे है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पेड़ के छांव में चारों बदहवास बैठे थे। दृश्य को देख आस-पास से काफी संख्या में लोग पहुंच गए। पहले सभी को खाना खिलाया गया। इसके बाद घटना की जानकारी लेकर पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

थानाध्यक्ष प्रसुंजय कुमार ने बताया कि स्वजन के पहुंचने पर पुरी घटना की जानकारी मिल पाएगी।

एक्सपोजर विजिट: किशोरियों के दल ने कई सरकारी कार्यालयों का किया भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। कसमार से बोकारो जिला समाहरणालय में एक्सपोजर विजिट को आई किशोरियों के दल ने कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों और सुरक्षा इकाइयों का दौरा किया। जहाँ अधिकारियों ने स्वयं उन्हें विभाग के कामकाज की जानकारी दी गई।

इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार, डीएलएसए कार्यालय के सचिव ने किशोरियों को महिला हिंसा, बाल हिंसा और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विशेष रूप से जानकारी दी कि अनुसूचित जाति और जनजाति की पीड़ित महिलाओं को कानूनी लड़ाई के लिए सरकार की ओर से निशुल्क वकील की सुविधा दी जाती है। आपातकालीन सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 112 और 1098 की उपयोगिता भी समझाई गई।

बोकारो के पुलिस अधीक्षक नाथूराम मीणा ने किशोरियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा, ₹खूब पढ़ाई करो और जीवन में आगे बढ़ो।₹ उन्होंने लड़कियों को निडर रहने का संदेश दिया और भरोसा दिलाया कि किसी भी तरह की छेड़खानी या समस्या होने पर पुलिस की टीम उनकी मदद के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने बिना किसी झिझक के पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

महिला थाने में एक्सपोजर के दौरान किशोरियों को महिलाओं से जुड़े विशेष कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही, उन्हें यह भी सिखाया गया कि थाने में एफआईआर दर्ज कराने की सही प्रक्रिया क्या होती है, ताकि वे भविष्य में जागरूक नागरिक बन सकें।

बाल कल्याण समिति और जिला बाल संरक्षण इकाई के भ्रमण के दौरान बच्चों के संरक्षण, उनके अधिकारों और मुसीबत में फंसे बच्चों के पुनर्वास से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं से किशोरियों को अवगत कराया गया।

जिला उद्योग केंद्र में किशोरियों को स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं और कौशलों की जानकारी दी गई, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सोच सकें।

इस संबंध में सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि संस्था के द्वारा कसमार प्रखंड के 30 गांव में बाल विवाह तथा बाल हिंसा के खिलाफ सघन रूप से अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत किशोरी समूह बनाकर उनके बाद साथ लगातार कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है । इसी कड़ी में आज जिला स्तरीय एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया है।

बाल विवाह के खिलाफ जारी इस व्यापक कार्यक्रम और एक्सपोजर विजिट का सफल नेतृत्व सहयोगिनी संस्था की समन्वयक कुमारी किरण तथा मंजू देवी ने किया।

संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस तरह के दौरों से किशोरियों का आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे वे अपने गांवों में जाकर अन्य लड़कियों को भी बाल विवाह के खिलाफ जागरूक कर सकती हैं और एक 'सशक्त बेटी' के रूप में समाज का नेतृत्व कर सकती हैं।

किशोरियों के एक्सपोजर विजिट के दौरान मुख्य रूप से अंजली कुमारी सोनी कुमारी रमा कुमारी विद्या कुमारी दीप्ति कुमारी कोमल कुमारी सोनिया कुमारी नीतू कुमारी आदि उपस्थित थी।

श्रेयांका पाटिल महिला टी20 वर्ल्ड कप से हुई बाहर

● RCB की 24 वर्षीय लेग स्पिनर की भारतीय टीम में एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑफ-स्पिनर श्रेयंका पाटिल को बुधवार को हेडिंग्ले में नीदरलैंड के खिलाफ भारत के दूसरे ग्रुप स्टेज मैच के दौरान टखने में चोट लग गई थी। अब वो इस इंजरी की वजह से इंग्लैंड में खेले जा रहे 2026 महिला ञ20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई हैं। 23 साल की श्रेयंका का टखना पावरप्ले के आखिरी ओवर में गेंद रोकने की कोशिश करते समय मुड़ गया था और उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए भारतीय टीम में उनकी जगह 24 साल की अनकैप्ड लेग-स्पिनर प्रेमा रावत को शामिल करने की मंजूरी दे दी गई है।

प्रेमा रावत टीम में शामिल

प्रेमा रावत ने पिछले दो सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए विमेंस प्रीमियर लीग में छह मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं। घरेलू सर्किट मे, उन्होंने अपने ऑल-राउंड प्रदर्शन से उत्तराखंड को घरेलू सीनियर चैंपियनशिप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। प्रेमा गेंदबाजी के अलावा अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेती हैं और बेहतरीन फील्डर भी हैं।

हालांकि श्रेयांका के जाने से एक कमी तो भारत को जरूर खलेगी। अपनी जबरदस्त फील्डिंग के अलावा श्रेयांका भारत के लिए विरोधी टीम की बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ और डेथ ओवरों में गेंदबाजी के लिए एक बेहतरीन अटैकिंग विकल्प भी थीं। यही नहीं उनका अनुभव टीम के लिए काफी काम आता।

श्रेयंका पिछले दो सालों में ज्यादातर समय चोटों से जूझते हुए टीम से बाहर रही हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भारत तुरंत रावत को प्लेइंग इलेवन में शामिल करता है या राधा यादव को चुनता है।

फिलिप्स का पहला शतक, मैकुलम-गप्टिल के क्लब में एंट्री

जो रूट के लिए बढ़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने का इंतजार

नई दिल्ली। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला लंदन के केनिंग्टन ओवल में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में पहले खेलते हुए कीवी टीम ने 96.2 ओवर में 391 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स की बेहतरीन शतकीय पारी की बदौलत टीम इस स्कोर तक पहुंचा। फिलिप्स ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया और अब वह इसी के साथ एक खास मामले में ब्रेंडन मैकुलम और मार्टिन गुप्टिल की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले मैकुलम और गुप्टिल ने ही यह कारनामा किया था।

जो रूट के लिए बढ़ा इंतजार

इंग्लैंड क्रिकेट टीम की पारी की शुरुआत बहुत खास नहीं रही। 45 पर पहला विकेट गिरा और बेन डकेट 25 गेंद पर 36 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद 68 रन पर दूसरा विकेट गिरा और जैकब बेथेल 9 रन ही बना पाए। इसके बाद दूसरे ओपनर एमिलियो गे 53 रन बनाकर डटे रहे और तीसरे विकेट के लिए जो रूट के साथ 74 रन की पार्टनरशिप की। जो रूट ने 57 गेंद पर 46 रन की पारी खेली। उन्हें इस पारी से पहले 14 हजार टेस्ट रन पूरे करने के लिए 48 रन चाहिए थे।

मैक्सिको की लगातार दूसरी जीत

● साउथ कोरिया को हरा दूसरे दौर में बनाई जगह; लुइस रोमो ने किया गोल

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए के मुकाबले में मैक्सिको की भिड़ंत साउथ कोरिया के साथ हुई। इस मैच को मैक्सिको ने 1-0 से जीत लिया और दूसरे दौर में यानी राउंड ऑफ 32 में पहुंच गई। इस मुकाबले में मैक्सिको के लिए एकमात्र गोल लुइस रोमो ने 50वें मिनट में किया। ये मैक्सिको की लगातार दूसरी जीत रही जबकि साउथ कोरिया की 2 मैचों में ये पहली हार रही। मैक्सिको के अब 6 अंक हैं जबकि साउथ कोरिया के 3 अंक हैं।

मैक्सिको को मिली 1-0 से जीत, दूसरे दौर में पहुंचा- दोनों टीमों के बीच खेला गया ये मैच काफी रोमांचक रहा जिसके पहले हाफ में दोनों टीमों को मौके मिले, लेकिन किसी की तरफ से कोई गोल नहीं हो पाया। हालांकि मैक्सिको ने ज्यादा पजेशन हासिल किया जबकि साउथ कोरिया ने सोन ह्युंग-मिन और कंपनी के जरिए काउंटर पर खतरा पैदा किया। दोनों टीमों की तरफ से किया गया प्रयास विफल रहा और पहले हाफ का खेल बिना किसी गोल के समाप्त हुआ। इस मैच में दूसरे हाफ का खेल शुरू हुए 5 मिनट ही हुए थे कि कोरियाई गोलकीपर किम सेउंग-ग्यू ने अपने ही गोल के पास एक बड़ी गलती की, जिससे लुइस रोमो (50वें मिनट) ने गोल कर दिया और मैक्सिको को बढ़त दिला दी।

साउथ कोरिया ने इसके बाद जोरदार हमला किया और गोल करनने की लगातार कई कोशिशें भी की, लेकिन मैक्सिको के गोल कीपर और डिफेंस ने शानदार खेल दिखाया। साउथ कोरिया की तरफ से दूसरे हाफ के 76वें मिनट में ह्वांग ही-चान एक शानदार मौका चूक गए जबकि ली कांग-इन और चो गु-सुंग ने मैक्सिको के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा। मैच का अहम मोड़ 87वें मिनट में आया, जब गोलकीपर राउल रंगेल ने चो के हेडर को रोकने के लिए बहुत करीब से एक शानदार बचाव किया।

कोलंबिया ने किया जीत के साथ आगाज

उज्बेकिस्तान को 3-1 से दी मात

मेक्सिको सिटी। कोलंबिया ने फीफा वर्ल्ड कप में अपनी वापसी का जश्न मेक्सिको सिटी स्टेडियम में डेब्यू कर रहे उज्बेकिस्तान पर 3-1 की रोमांचक जीत के साथ मनाया। ग्रुप (के) के मुकाबले में कोलंबिया की ओर से लुइस डियाज ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एक गोल करने के साथ-साथ एक असिस्ट (गोल करने में मदद) भी किया। 2022 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाने के बाद टूर्नामेंट में लौटी कोलंबिया का रिकॉर्ड इस मुकाबले से पहले विश्व कप के पहले मैचों में खराब रहा था।

कोलंबिया ने अब तक छह वर्ल्ड कप खेले हैं, लेकिन उनमें से चार बार उसे अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। मैच के शुरुआती पलों में दोनों टीमों की तरफ से अटैकिंग अप्रोच देखने को मिली। कोलंबिया को 17वें मिनट में पहला बड़ा मौका मिला, जब जॉन एरियास का लंबी दूरी का शॉट साइड नेटिंग से टकराया। इसके बाद 32वें मिनट में लुइस डियाज ने शानदार मूव बनाया और डेनियल मुनोज के लिए गोल करने का बेहतरीन मौका तैयार किया। मुनोज ने बेहतरीन फिनिश करते हुए कोलंबिया को 1-0 की बढ़त दिला दी।

कनाडा और कतर मुकाबले में बवाल, मैच के बाद मैदान पर भिड़े दोनों टीमों के खिलाड़ी

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कनाडा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कतर को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराया। वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में कनाडा टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। हालांकि, मैच के आखिरी सीटी बजने के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच मैदान पर झड़प देखने को मिली। दरअसल, यह झड़प मैच खत्म होने के तुरंत बाद शुरू हुई। मैच के बाद कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श कतर के मैनेजर जूलन लोपेटेगुई से हैंडशेक करने पहुंचे, लेकिन इसी दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। कनाडा के कोच का बेरुखी भरा बर्ताव बेंच पर बैठे कतर के खिलाड़ियों को रास नहीं आया। इसके बाद अचानक से दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई,जो धक्का-मुक्की में तब्दील हो गई। सुरक्षाकर्मियों की मदद से दोनों टीमों के खिलाड़ियों को अलग किया गया।

माना जा रहा है कि कनाडा के खिलाड़ी टीम के मिडफील्डर इस्माइल कोन को कतर के प्लेयर असिम मदीबो द्वारा चोटिल किए जाने से काफी गुस्से में थे।

इसी गुस्से के कारण यह पूरा विवाद शुरू हुआ, जो धक्का-मुक्की तक जा पहुंचा।

IPL 2027 की शुरुआत कब, BCCI ने दी जानकारी

अगले सीजन में खेले जाएंगे इतने मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के शेड्यूल को पहले की तारीखों में शिफ्ट करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इस योजना के तहत आईपीएल के अगले सीजन को लगभग 10 मार्च से शुरू करके 15 मई तक खत्म करने पर चर्चा चल रही है। इस तरह का विचार खिलाड़ियों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए किया जा रहा है। बीसीसीआई के सचिन देवाजीत सैकिया ने पीटीआई से इस बात की पुष्टि की।

● 10 मार्च से हो सकती है अगले सीजन की शुरुआत- आईपीएल के अगले सीजन को जल्दी शुरू करने का ये प्रस्ताव मई के आखिर में मौसम के हालात को लेकर बढ़ती चिंताओं और आईपीएल के दो महीने के समय के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट के व्यस्त कैलेंडर को फिट करने की चुनौती के बीच आया है। बीसीसीआई सचिव सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने कहा कि इस साल यानी आईपीएल 2026 की शुरुआत 29 मार्च (या 28 मार्च) के आसपास शुरू हुआ और 31 मई को खत्म हुआ। हम बस इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि टूर्नामेंट के आखिरी दिनों में यानी 15 मई के बाद बारिश होने या प्री-मानसून सीजन शुरू होने की आशंका रहती है। देवाजीत सैकिया ने आगे कहा कि दूसरी तरफ गर्मी का मौसम भी होता है, जो न तो खिलाड़ियों के लिए और न ही दर्शकों के लिए बहुत अच्छा होता है। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई की मुख्य चिंता खेल और मैच देखने के लिए बेहतर माहौल सुनिश्चित करना है, खासकर उन इलाकों में जहां आईपीएल सीजन के दूसरे हिस्से में तापमान बहुत ज्यादा हो जाता है।

मनिका बत्रा को एशियन गेम्स 2026 के स्क्वाड में नहीं मिली जगह

वर्ल्ड रैंकिंग में 45वें नंबर की खिलाड़ी को मिल गई एंट्री

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को इस साल होने वाले एशियन गेम्स के स्क्वाड में एंट्री नहीं मिल पाई है। गुरुवार (18 जून) को सामने आए स्क्वाड में मनिका का नाम नहीं होना काफी हैरानी भरा था। मनिका ने भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (ञ्ज्ञस्रढ्ढ) द्वारा तय किए गए सेलेक्शन मानक में वह खरी नहीं उतर पाई। वहीं उनकी जगह वर्ल्ड रैंकिंग में 45वें स्थान पर काबिज श्रीजा अकुला को महिला टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिली है। गौरतलब है कि मनिका बत्रा लंबे समय से घरेलू इवेंट्स से दूर रही हैं। यही कारण है कि उनकी नेशनल रैंकिंग पर असर पड़ा है। जबकि टेबल टेनिस की वर्ल्ड रैंकिंग में मनिका श्रीजा से नीचे 51वें स्थान पर मौजूद हैं। जापान में होने वाले 20वें एशियाई खेलों का 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजन होगा।

क्या है टेबल टेनिस टीम की चयन प्रक्रिया?

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ने अपनी चयन प्रक्रिया के मानक के बारे में बताया, 'चयन प्रक्रिया के मुताबिक भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को उनके हालिया प्रदर्शन के हिसाब से स्क्वाड में जगह दी गई है।' एशियाई खेलों में टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं का आयोजन 20 सितंबर से 28 सितंबर तक होगा। 2023 में बनाई गई सेलेक्शन पॉलिसी के मुताबिक 50 प्रतिशत वेटेज नेशनल रैंकिं, 40 प्रतिशत वर्ल्ड रैंकिंग और 10 प्रतिशत चयन समित के फैसलों के ऊपर निर्भर होता है।

'सचिन तेंदुलकर भगवान हैं, वैभव सूर्यवंशी ईश्वर का बेटा'

श्रीकांत ने 15 साल के बल्लेबाज को बताया जबरदस्त प्रतिभा

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के ही है और उनकी तुलना क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर से होने लगी है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने फैंस से अपील की है कि वे वैभव सूर्यवंशी की तुलना सचिन तेंदुलकर से न करें। कृष्णामचारी श्रीकांत ने कहा कि सचिन, सचिन हैं। उनकी बराबरी कोई नहीं कर सकता।

श्रीकांत ने कहा कि सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के भगवान हैं और वैभव सूर्यवंशी 'ईश्वर का बेटा' है। उन्होंने कहा कि वैभव को किसी से तुलना के दबाव में नहीं रखना चाहिए, बल्कि उसे स्वाभाविक रूप से अपना खेल खेलने देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने वैभव को जबरदस्त प्रतिभा बताते हुए कहा कि अगर उसे सही समय और समर्थन मिला तो वह भारत के लिए भविष्य का मैच विनर बन सकता है।

श्रीकांत ने युवा बल्लेबाज की तारीफ करते हुए कहा कि उसके शॉट्स, बैट स्पीड

और दबाव में खेलने की क्षमता उसे खास बनाती है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने श्रीकांत के हवाले से लिखा, ''सचिन और वैभव सूर्यवंशी की तुलना न करें। बात यहीं खत्म करते हैं। सचिन क्रिकेट के भगवान हैं और मेरा मानना ??है कि यह लड़का, वैभव सूर्यवंशी, भगवान का बेटा है। इसे ऐसे ही रहने दें।''

'अलग दौर की तुलना में विश्वास नहीं'

श्रीकांत ने कहा, ''मैं अलग-अलग दौर की तुलना करने में विश्वास नहीं रखता, इसलिए सचिन की तुलना किसी से न करें। सचिन, सचिन हैं।

मनप्रीत सिंह 400 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दुनिया के 8वें हॉकी खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान मनप्रीत सिंह के लिए 18 जून 2026 का दिन खास रहा। इस दिन भारत ने रॉटरडम में जहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अपने दूसरे मैच में जर्मनी को 3-1 से हराया, वहीं मनप्रीत सिंह ने अपना 413वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर सबसे अधिक मैच खेलने वाले भारतीय का रिकॉर्ड अपने नाम किया। मनप्रीत सिंह से पहले यह रिकॉर्ड भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की के नाम था। दिलीप टिर्की ने भारत के लिए 412 मैच खेले थे। मनप्रीत सिंह 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दुनिया के आठवें हॉकी खिलाड़ी हैं।

2411 वाहनों से 39 लाख का जुर्माना

मई माह में ट्रैफिक पुलिस का बड़ा अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी रोहित कुमार साव के नेतृत्व में मई माह के दौरान जिलेभर में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 2411 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 38,98,050 रुपये का जुर्माना वसूला गया। मई माह में चलाए गए अभियान के दौरान खतरनाक जोन में वाहन पार्क करने के आरोप में 219 तथा गलत पार्किंग करने पर 189 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इसके अलावा फैंसी नंबर प्लेट लगाने वाले 140, बिना नंबर प्लेट के 36, प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन चलाने के आरोप में 1, सरकारी आदेशों का उल्लंघन करने पर 532, वाहन संबंधी सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर 157, अनाधिकृत संचालन के मामले में 3, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के 113 तथा अवैध मॉडिफिकेशन वाले 28 वाहनों का चालान काटा गया। अभियान के दौरान वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने वाले 2, प्रदूषण मानकों एवं प्रेशर हॉर्न के उल्लंघन पर 1046, काला शीशा लगाने पर 29, बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के 34, सीट बेल्ट का प्रयोग नहीं करने पर 26, ट्रिपल राइडिंग करने पर 78, बिना हेलमेट के 415 तथा बीमा नहीं होने पर 462 वाहन चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए चालान किया गया। एसएसपी प्रभात कुमार ने स्पष्ट कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि वे हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, वैध दस्तावेज अपने साथ रखें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा सभी यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जेल, यातना गृह नहीं बल्कि सुधार गृह : संतोष पांडेय

जागरूकता शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। जेल यातना गृह नहीं बल्कि सुधार गृह है। जेल में लोगों को अपने द्वारा किये गए अपराध को पश्चाताप करने का अवसर मिलता है। उक्त बातें लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कही। वे शुक्रवार को झालसा के दिशा निर्देश व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश श्री राम शर्मा के मार्गदर्शन व जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन के देखरेख में जागरूकता शिविर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कैदियों को भारतीय संविधान के अनुछेद 21 के तहत मानवीय गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। उनपर किसी भी प्रकार का शारिरिक उत्पीड़न व अमानवीय व्यवहार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि हर कैदी को अपने पसंद के वकील करने का अधिकार है। साथ ही कैदियों को पर्याप्त चिकित्सा, स्वास्थ्य सुविधाओं व उचित इलाज पाने का अधिकार बिना किसी भेदभाव के है। उन्होंने कहा कि महिला कैदियों के साथ जेल में बंद उसके छह वर्ष के आयु तक के बच्चों को उचित भोजन, कपड़े, शिक्षा व मनोरंजन का अधिकार प्राप्त है। मौके पर जेलर देंवनाथ राम ने कहा कि डालसा के माध्यम से जेल बन्दियों को मुफ्त वकील उपलब्ध कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कोई भी बन्दी बिना वकील के नहीं रहे। उन्होंने कहा कि बन्दी प्ली बारगेनिंग के तहत भी अपने मामले का निस्तारण करा सकते है। उन्होंने जेल से प्रदत सुविधा के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोई भी बन्दी बिना वकील के नहीं रहे। जो अभी तक वकील नहीं रख पाए हैं, वे उन्हें जरूर बताएं ताकि उन्हें अविलंब वकील मुहैया कराया जा सके। मौके पर भीष्म नारायण सिंह लॉ कॉलेज के इंटर्नशिप कर रही नेहा कुमारी, अंजली कुमारी, अनुराग कुमार तिवारी, प्रेमजीत कुमार गुप्ता के अलावे पीएलभी सहित दर्जनों बन्दी मौजूद थे।

मेदिनीनगर सब्जी मार्केट में भड़की आग, लाखों की संपत्ति स्वाहा

मेदिनीनगर (पलामू) (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पलामू के मेदिनीनगर स्थित सब्जी मार्केट क्षेत्र में मंगलवार अहले सुबह भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लादीगढ़ कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित एक मकान में लगी। आग देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। घटना में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई है।

स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कार्यपालक अभियंता निकेत कुमार ने दी विकास कार्यों की जानकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अररिया। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, फारबिसगंज के कार्यपालक अभियंता निकेत कुमार ने फ़ेसबुक लाइव के माध्यम से विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अररिया जिले में ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल-फारबिसगंज का पूर्ण गठन वर्ष 2012 में हुआ था। इससे पहले यह प्रमंडल आरईओ के नाम से कार्यरत था। निकेत कुमार ने बताया कि प्रमंडल के अंतर्गत फारबिसगंज, रानीगंज, भरगामा और नरपतगंज प्रखंड आते हैं। गठन के बाद से विभाग ने विभिन्न योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में सड़क और पुल-पुलियों का निर्माण कराया है, जिससे आवागमन की सुविधा बढ़ी है तथा क्षेत्र के विकास को गति मिली है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण-1, चरण-2 और चरण-3 के अंतर्गत कुल 141 सड़कों की स्वीकृति मिली, जिनकी कुल लंबाई 78.15 किलोमीटर है। इनमें 135 सड़कों की 72.89 किलोमीटर लंबाई का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि शेष सड़कों पर कार्य जारी है। इन परियोजनाओं पर 455 करोड़ 81 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सेतु योजना के चरण-1, 2 और 3 के अंतर्गत 144 पुलों की स्वीकृति प्राप्त हुई। इनमें 115 पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 29 पुल निर्माणाधीन हैं। इन पर अब तक 262 करोड़ 8 लाख रुपये व्यय किए गए हैं।ग्रामीण टोला संपर्क योजना के अंतर्गत 135 सड़कों की स्वीकृति मिली थी, जिनकी कुल लंबाई 152 किलोमीटर है। सभी सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 735 सड़कों की स्वीकृति प्राप्त हुई थी, जिनकी कुल लंबाई 1,563 किलोमीटर है। इनमें 631 सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 104 सड़कों पर कार्य प्रगति पर है।निकेत कुमार ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्यों में सहयोग करें। इन परियोजनाओं के पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम होगा तथा विकास को नई गति मिलेगी।

ई-रिक्शा से विदेशी शराब बरामद

कटोरिया (बांका) (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कटोरिया मधनिषेध थाना प्रभारी जीवेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार को दर्दमारा चेक पोस्ट पर सघन वाहन जांच व तलासी अभियान चला रहे थे। इसी क्रम में देवघर की ओर से नीला रंग एक रिक्शा आ रहे था। पुलिस टीम को देखते ही तस्कर मौके से भागने की कोशिश करने लगे। हांलाकि पुलिस जवानो ने ई-रिक्शा को रोक लिया। तलासी लेने पर विभिन्न ब्रांडो के कुल -167 बोतल विदेशी शराब एवं 21 कैन वियर कुल मात्रा -90. 750 लीटर अवैध विदेशी शराब व बियर विधिवत जब्त की गई। पूछताछ में चालक ने अपना नाम देवराज कुमार दास, पिता कामेश्वर दास जिला जमुई बताया गया। गिरफ्तार किये गये रिक्सा चालक के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बिदेशी शराब के साथ-साथ शराब ले जाने मे इस्तेमाल किए जा रहे नीले रंग के ई-रिक्सा को भी जब्त कर लिया है।

शिवाजीनगर में जनवितरण विक्रेताओं ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

समस्याओं के समाधान का मिला आश्वासन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर में मंत्री के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान जनवितरण प्रणाली पीडीएस विक्रेताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक मांगपत्र सौंपा। इस अवसर पर शिवाजीनगर जनवितरण विक्रेता संघ के प्रतिनिधि पवन कुमार सिंह, सुनील कुमार चौधरी, प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य विक्रेताओं ने मंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। विक्रेताओं ने मांगपत्र के माध्यम से प्रमुख रूप से अनुकंपा नियुक्ति में आयु सीमा समाप्त करने, जनवितरण दुकानों की आय बढ़ाने के लिए अतिरिक्त वस्तुओं की बिक्री की अनुमति देने तथा इसके लिए सरकार की ओर से पूंजी उपलब्ध कराने और विक्रेताओं के कमीशन में वृद्धि करने की मांग उठाई। प्रतिनिधियों ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में जनवितरण विक्रेताओं को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाना आवश्यक है। मंत्री ने विक्रेताओं की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सरकार इन मुद्दों पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति में आयु सीमा समाप्त करने, जनवितरण दुकानों के माध्यम से अतिरिक्त वस्तुओं की बिक्री की व्यवस्था करने तथा कमीशन वृद्धि जैसे विषयों पर विभागीय स्तर पर कार्य चल रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन मांगों को जल्द ही व्यवहार में लाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे मंत्री के आश्वासन से उपस्थित जनवितरण विक्रेताओं में खुशी देखी गई। संघ के प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि सरकार शीघ्र ही इन मांगों को पूरा करेगी, जिससे राज्य के हजारों जनवितरण विक्रेताओं को लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी कार्यक्रम के अंत में जिले भर के जनवितरण विक्रेताओं की ओर से मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया गया। विक्रेताओं ने कहा कि उनकी समस्याओं को सुनने और समाधान का आश्वासन देने के लिए वे मंत्री के प्रति कोटि-कोटि धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। साथ ही उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार जनवितरण विक्रेताओं के हित में जल्द ठोस निर्णय लेगी।

राज्यसभा चुनाव को लेकर माले नेताओं ने कांग्रेस के आरोप को बताया निराधार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। माले प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में माले नेताओं ने राज्यसभा चुनाव को लेकर कंाग्रेस नेता (के. राजू) द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में माले के दोनों विधायकों ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार प्रणव झा के पक्ष में मतदान किया था। इसका प्रमाण एजेंट को दिखाया गया था और मतदान के दौरान पार्टी का वोट स्वयं उन्होंने देखा था। माले नेताओं ने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद हार की वजह तलाशने के लिए नई-नई कहानियां गढ़ी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कंाग्रेस अपनी हार की जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय सहयोगी दलों पर आरोप लगा रही है। माले का कहना है कि कांग्रेस के भीतर ही पद और नेतृत्व को लेकर संघर्ष चलता रहा है और इसी का खामियाजा उम्मीदवार को भुगतना पड़ा। प्रेस वार्ता में माले नेताओं ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा यह कहना कि माले या राजद ने वोट नहीं दिया, पूरी तरह गलत है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि आरोप लगाने वाले नेता यह साबित करें कि माले के विधायकों ने गठबंधन उम्मीदवार को वोट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान वे स्वयं एजेंट थे और उन्होंने अपने विधायकों का मतदान देखा था।

भरत तिवारी कांड की सच्चाई सामने लाए सरकार : मनोज भारती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शाहपुर (भोजपुर)। जन सुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने बिलौटी गांव पहुंचकर कथित पुलिस मुठभेड़ में मृत भरत भूषण तिवारी के परिजनों से मुलाकात की तथा उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। मनोज भारती ने कहा कि सरकार को पूरे मामले की स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच करानी चाहिए। क्योंकि स्व. भरत तिवारी मानसिक रूप से परेशान नही थे, अधिकारियों की कार्यशैली से नाराज थे। उन्हें प्रताड़ित कर पुलिस ने हत्या कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला गंभीर है और इसकी सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मृतक को कितनी गोलियां लगीं और शरीर के किन हिस्सों में चोटें आईं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मी की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी विधिसम्मत कारवाई होनी चाहिए। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि न्याय दिलाने की मांग को लेकर उनकी पार्टी लगातार आवाज उठाती रहेगी। मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता किशोर कुमार, नेत्री अनुरानी झा, डॉ. पद्मा ओझा, ददन यादव सहित अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

बड़ा हादसा टला : पशुओं से टकराई पुरूलिया एक्सप्रेस, परिचालन प्रभावित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लोहरदगा। लोहरदगा -टोरी रेलखंड पर शुक्रवार सुबह बड़ा रेल हादसा हो गया। बंदुआ जंगल में पोल संख्या 509 - 510 के बीच सुबह करीब 6:41 बजे आनंद विहार से पुरुलिया की ओर जा रही ट्रेन नंबर 14022 आनंद विहार टर्मिनल-पुरुलिया साप्ताहिक एक्सप्रेस की चपेट में आने से 7 भैंसों (काड़ा) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार सभी पशुओं को एक व्यापारी द्वारा ले जाया जा रहा था। इसी दौरान वे रेलवे ट्रैक पर आ गए और तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सात पशुओं के चिथड़े उड़ गए, वहीं कई पशु दूर तक जा गिरे और घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन में सवार यात्री भी करीब ढाई घंटे तक परेशान रहे। हादसे के बाद रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित हो गया। बड़की चापी स्टेशन पर लोकल पैसेंजर और सासाराम एक्सप्रेस को लंबे समय तक रोकना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। दुर्घटना के कारण प्रभावित रेल मार्ग को सुचारु करने तथा ट्रैक को सुरक्षित बनाने के लिए दो इंजन लगाए गए, जिसके बाद करीब 10 बजे ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया जा सका। बताया जा रहा है कि पशुओं को ले जा रहे व्यापारी घटना के बाद मौके से फरार हो गए। वहीं समाचार लिखे जाने तक घायल पशु चिलचिलाती धूप और प्रचंड गर्मी में तड़पते रहे। न तो रेलवे के कोई बड़े पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और न ही किसी ने उनके इलाज की व्यवस्था करने की सुध ली।

गांजा के साथ एक धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। नावकोठी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को 160 ग्राम गांजा एवं एक एंड्राइड मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुरुवार देर शाम थाना क्षेत्र के रजाकपुर गांव में की गई।गिरफ्तार आरोपी की पहचान रजाकपुर निवासी स्वर्गीय राम सनेही सहनी के पुत्र बाबूलाल सहनी के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त व्यक्ति अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार में संलिप्त है। सूचना के सत्यापन के बाद थाना अध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी में थानाध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस के अलावा एसआई पूनम कुमारी साहा, आर ओ लवली कुमारी एवं सशस्त्र बल मौजूद थे। आरोपी के पास से 160 ग्राम गांजा एवं एक एंड्राइड मोबाइल बरामद किया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। इसके बाद आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर थाना लाया गया। थाना अध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस ने बताया कि बरामद गांजा एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत थाना कांड दर्ज कर लिया गया है। साथ ही मामले की जांच करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध पुलिस का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

योग तनावमुक्त जीवन जीने की सिखाता है कला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राम लखन सिंह यादव महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय योग शिविर का पांचवां दिन उत्साह एवं अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। 15 जून से प्रारंभ यह शिविर प्रतिदिन प्रातः 7 बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता लगातार बढ़ रही है। पांचवें दिन योग प्रशिक्षक श्रेया थापा ने प्रतिभागियों को ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन एवं पवनमुक्तासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। इसके साथ ही उन्होंने अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी तथा नाड़ी शोधन प्राणायाम की विधियों की जानकारी देते हुए कहा कि नियमित योग एवं प्राणायाम से शरीर स्वस्थ, मन शांत और विचार सकारात्मक बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को तनावमुक्त जीवन जीने की कला सिखाता है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर योग गुरु राजन योगी ने ध्यान योग, सूक्ष्म व्यायाम एवं सूर्य नमस्कार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से योग को दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय रजक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को महाविद्यालय परिसर में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि योग भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत है और वर्तमान समय में स्वस्थ जीवन के लिए इसकी आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह को सफल बनाने हेतु सभी लोगों से सहभागिता की अपील की।

तस्करी के 12 गोवंश के साथ पिकअप चालक गिरफ्तार

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कथित गौ तस्करी के प्रयास को गौ सेवकों ने सतर्कता से विफल कर दिया गया। मामला रिसियप थाना क्षेत्र स्थित दोहन पुल के समीप की है। जहां मवेशियों से लदा एक पिकअप वैन को रोककर पुलिस के हवाले कर दिया। वाहन से कुल 12 गोवंश बरामद किए गए, जिनमें 11 बछड़े और एक गाय शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गौ सेवकों ने पिकअप वैन में गोवंशों को कथित रूप से अमानवीय तरीके से ले जाते हुए देखा, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा कराया तथा चालक को गिरफ्तार कर लिया। मामले को लेकर गौ सेवकों की ओर से थाने में लिखित आवेदन दिया गया है। आवेदन के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बरामद सभी 11 बछड़ों और एक गाय को सुरक्षित रूप से बभंडी गोशाला भेज दिया है, जहां उनकी देखरेख की जा रही है। आरोपी से पूछताछ जारी है। गिरफ्तार चालक की पहचान रसीद कुरैशी पिता- इस्लाम कुरैशी के रूप में हुई है। वह नगर थाना क्षेत्र के कुरैशी मोहल्ला का निवासी बताया जाता है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर अवैध परिवहन से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

डी.ए.वी. में एन.डी. ग्रोवर मेमोरियल सुपर परफॉर्मर्स फेलिसिटेशन समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हज़ारीबाग। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, हज़ारीबाग में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय उपलब्धियों के सम्मान में ''एन. डी. ग्रोवर मेमोरियल सुपर परफॉर्मर्स फ़ेलिसिटेशन समारोहऽ2026'' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सत्र 2025-26 के एस.एस.ई. एवं एस.एस.सी.ई. परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड एवं नीट जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय श्री अमन कुमार, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, हज़ारीबाग तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के आगमन से हुआ। इसके पश्चात डी.ए.वी. गान प्रस्तुत किया गया तथा अतिथियों को स्मृति-चिह्न एवं पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन एवं डी.ए.वी. कॉलेज मैनेजिंग कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं महान शिक्षाविद् स्वर्गीय श्री एन. डी. ग्रोवर जी को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए स्वर्गीय श्री एन. डी. ग्रोवर के प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं उनके शैक्षिक योगदान को स्मरण किया। मुख्य अतिथि अमन कुमार, आईपीएस ने नीट, जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड एवं एस.एस.सी.ई.-2026 के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति पूर्णतः समर्पित एवं एकाग्र रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हीं को प्राप्त होती है जो कठिन परिश्रम, अनुशासन, धैर्य एवं दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर रहते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'क्षितिज' का लोकार्पण रहा, जिसमें विद्यार्थियों की साहित्यिक, रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति दी गई है। समारोह में डी.ए.वी. संस्थान, झारखंड जोन-जे के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी एस. के. मिश्रा द्वारा एस.एस.सी.ई.-2026 में 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में श्री मिश्रा ने डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, हज़ारीबाग की निरंतर उपलब्धियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा, खेलकूद, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय के प्राचार्य को देते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों ने विद्यालय को उत्कृष्टता की नई उंचाइयों तक पहुँचाया है।

इसके उपरांत स्थानीय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल तथा डी.ए.वी. जूनियर पब्लिक स्कूल, हज़ारीबाग के प्राचार्य माननीय श्री विवेकानंद चौधरी द्वारा एस.एस.ई.-2026 में 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। दोनों वक्ताओं ने विद्यार्थियों की मेहनत, लगन एवं अनुशासन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ, जिसमें समस्त मानवता के कल्याण, शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। यह समारोह स्वर्गीय एन. डी. ग्रोवर के आदर्शों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, हज़ारीबाग की शैक्षणिक उत्कृष्टता, नैतिक मूल्यों एवं सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

21 जून को बैंक मोड़ स्थित डीएमसी मॉल में होगा आम महोत्सव का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उप विकास आयुक्त सन्नी राज की अध्यक्षता में 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले आम महोत्सव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभिन्न विभागों एवं जेएसएलपीएस (पलाश) के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उप विकास आयुक्त ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रातः 8:00 बजे से बैंक मोड़ स्थित डीएमसी मॉल परिसर में आम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों द्वारा उत्पादित आमों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव में जिले के किसानों एवं एफपीओ के माध्यम से विभिन्न किस्मों के आमों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री की जाएगी। आगंतुकों को आम्रपाली, मल्लिका, लंगड़ा, दशहरी, सिंदूरी सहित कई लोकप्रिय किस्मों के आम एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। महोत्सव में जेएसएलपीएस से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों (दीदियों) द्वारा विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर आम आधारित उत्पाद जैसे आचार, चटनी, अमावट, आम जूस, आम पन्ना सहित अन्य मूल्य संवर्धित उत्पादों की बिक्री की जाएगी। इससे महिला समूहों को अपनी उत्पादकता और उद्यमिता का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि धनबाद जिले में आम एक प्रमुख बागवानी फसल है और इसकी बेहतर उपज को देखते हुए किसानों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल संचालन, समुचित व्यवस्था, व्यापक प्रचार-प्रसार तथा आगंतुकों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलेवासियों से आम महोत्सव में शामिल होकर स्थानीय किसानों एवं महिला समूहों को प्रोत्साहित करने की अपील की।

आमटाल पंचायत भवन में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बलियापुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर शुक्रवार को आमटाल पंचायत भवन में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रशिक्षु जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजयकांत श्रीवास्तव एवं जे. जननी ने ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। न्यायाधीश गण ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को न्याय प्राप्त करने का अधिकार है तथा आर्थिक या सामाजिक कारणों से कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रहना चाहिए। उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, महिला एवं बाल संरक्षण कानून, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध तथा लोक अदालत की उपयोगिता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को कानूनी समस्याओं के समाधान हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध सेवाओं के बारे में भी बताया गया। शिविर में उपस्थित लोगों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और विधिक जागरूकता अभियान की सराहना की।

लॉज के कमरे में पंखे से लटका युवक का शव बरामद, पुलिस जांच में जुटी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के चास थाना क्षेत्र स्थित चेक पोस्ट के समीप एक लॉज के कमरे से सड़ी-गली अवस्था में एक व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक का शव कमरे के अंदर पंखे से लटका मिला। मृतक की पहचान धनबाद जिले के जयप्रकाश नगर निवासी लक्ष्मण साव के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि वह बोकारो और रांची में जमीन का कारोबार करता था। 17 जून को पत्नी से फोन पर घर आने की बात कही थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना चास थाना क्षेत्र के चेक पोस्ट के समीप स्थित शिवा लॉज की है। यहां तीसरी मंजिल के कमरा संख्या 15 में ठहरे लक्ष्मण साव का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार, कई दिनों से कमरे का दरवाजा नहीं खुलने और अंदर से दुर्गंध आने पर लोगों को संदेह हुआ। जब कमरे की जांच की गई तो मृतक का शव पंखे से चादर के सहारे फंदे से लटका मिला। होटल का कमरा अजय प्रसाद के नाम से बुक किया गया था। चास के एडिशनल एसपी वेदांत सरगम करने बताया कि मामला प्रथम दृष्टिया आत्महत्या का लग रहा है। मामले की जांच की जा रही है। होटल संचालक की लापरवाही से इनकार नहीं किया जा सकता है। होटल संचालक प्रवीण मंडल ने कहा कि सभी का आईडी लिया जाता है लेकिन किसी परिस्थिति में इसका आईडी नहीं लिया गया था। यह हमारे मैनेजर की गलती है।

संक्षिप्त समाचार

'रन फॉर योग' के माध्यम से योग को जन-जन तक पहुंचाने का दिया संदेश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को 'रन फॉर योग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रणधीर वर्मा चौक से हुआ। जबकि इसका समापन सिटी सेंटर पर हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मी, खेल प्रेमी, छात्र-छात्राएं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक दौड़ में भाग लेते हुए नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान लोगों को योग के महत्व, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभाव तथा दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लिए जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग को जन-आंदोलन बनाने एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए 21 जून 2026 को मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मेमको मोड़ में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में भी अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

तेनुघाट महाविद्यालय में नशा मुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना, इकाई के तत्वाधान में नशा मुक्त भारत के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर नशा मुक्त समाज का निर्माण करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रोफेसर श्रीकांत प्रसाद ने कहा कि नशा एक सामाजिक और आर्थिक अभिशाप है। यह व्यक्ति, परिवार और पूरे समाज को शारीरिक, मानसिक व आर्थिक रूप से खोखला कर देता है। युवा पीढ़ी को इससे बचाना हमारी प्राथमिकता है। एन.एस.एस. पदाधिकारी प्रोफेसर रावण माझी ने कहा कि एन.एस.एस. का उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से परिवर्तन लाना है। कहा कि नशा युवाओं की प्रतिभा और क्षमता को नष्ट कर देता है, इसलिए समाज में जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है। वहीं कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज को भी नशा मुक्त बनाने में योगदान देंगे। मौके में प्रोफेसर धनंजय रविदास, विनय कुमार यादव, प्रेम कुमार, मुन्नालाल सोनी सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

छात्रा की प्रथम पुण्यतिथि पर अनाथ बच्चों को कराया भोजन

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट पंचायत की मुखिया नीलम श्रीवास्तव एवं समाज सेवी संतोष कुमार श्रीवास्तव ने अपनी एकलौती पुत्री आरोही रानी की प्रथम पुण्यतिथि पर गोमिया स्थित माहेर संस्था मे रह रहे अनाथ बच्चों को भोजन कराकर अपनी पुत्री की पुण्यतिथि मनाई। अपनी पुत्री के बारे मे बताया कि 29 मई 2025 को आर्कीड अस्पताल रांची मे ईलाज के दौरान मौत हो गई थी। उनकी पुत्री पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया मे नाइथ कक्षा की छात्रा थी। स्कूल की ओर से एनसीसी ट्रेनिंग के लिए हजारीबाग सिलवार ट्रेनिंग सेंटर गई थी, जहां ट्रेनिंग के दौरान अचानक तबियत बिगड़ जाने के बाद रांची आर्कीड अस्पताल मे भर्ती किया गया, जहाँ ईलाज के दौरान वह चल बसी। वहीँ इस मामले मे गोमिया आई ई एल थाना मे मामला दर्ज की गई जो तेनुघाट व्यवहार न्यायालय मे विचाराधीन है। उसी को लेकर अनाथ बच्चों के बीच अपने बेटी की खुशी को पूरा करने में दोनों दाम्पति लगे हुई है। जो उनके जिंदगी की एक सहारा थी।

चापापुर ओसीपी के पास ग्रामीण सड़क धंसी, कई गांवों का संपर्क टूटा

निरसा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ईसीएल के चापापुर ओसीपी के समीप शुक्रवार को ग्रामीण सड़क अचानक धंस जाने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सड़क धंसने के कारण आसपास के कई गांवों का मुख्य मार्ग से संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोग सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लगातार खनन गतिविधियों के कारण जमीन कमजोर हो गई है, जिसके चलते सड़क धंसने की घटना हुई। सड़क टूट जाने से रोजमर्रा के आवागमन, स्कूली बच्चों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित खनन प्रबंधन से तत्काल वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करने तथा धंसी सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। वहीं सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारी मौके का निरीक्षण करने पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो भविष्य में बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सड़क से 5 फीट नीचे बना पुल हादसे को दे रहा खुला निमंत्रण

भारतमाला परियोजना के इस पुल के कारण ग्रामीण आक्रोशित है

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। देशभर में विकास की नई इबारत लिखने का दावा करने वाली भारतमाला परियोजना कसमार प्रखंड के लोगों के लिए परेशानी का पर्याय बनती जा रही है। बहादुरपुर से कसमार जाने वाली मुख्य सड़क पर बना एक पुल इन दिनों लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोग इसे 'खतरे का पुल' कहने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले जहां सड़क समतल और सुगम थी, वहीं भारतमाला परियोजना के तहत बने पुल ने सफर को मुश्किल बना दिया है। पुल मुख्य सड़क से करीब 5 फीट नीचे बनाया गया है। नतीजा यह है कि वाहनों को अचानक नीचे उतरना और फिर ऊपर चढ़ना पड़ता है। पुल संकरा और घुमावदार होने के कारण सामने से भारी वाहन आते ही लोगों की सांसें थम जाती हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब पुल पर बने बड़े-बड़े गड्ढे वाहन चालकों के लिए जाल बन जाते हैं। कई बाइक सवार यहां गिरकर घायल हो चुके हैं, जबकि कई चारपहिया वाहनों को नुकसान पहुंच चुका है। ट्रक और अन्य भारी वाहन पुल पार करते समय हिचकोले खाते नजर आते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस रास्ते से प्रतिदिन प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और हजारों आम नागरिक गुजरते हैं, लेकिन किसी का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर नहीं जा रहा है। ग्रामीणों को सबसे ज्यादा चिंता आने वाले मानसून की है। उनका कहना है कि बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाएगा और सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देगी, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पुल की ऊंचाई मुख्य सड़क के बराबर की जाए और क्षतिग्रस्त हिस्से की तत्काल मरम्मत कराई जाए। लोगों का कहना है कि विकास के नाम पर बना यह पुल कहीं किसी बड़े हादसे की वजह न बन जाए।

शिविर लगाकर दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य की हुई जांच

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित विशेष दिव्यांग स्कूल पहला कदम में ग्रीष्म ऋतु के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक माह आयोजित होने वाले नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर का संचालन ट्रस्ट की सदस्य एवं चिकित्सक डॉ. अलका सिंह के द्वारा किया गया। शिविर के दौरान सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिए गए।गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान के कारण बच्चों में डिहाइड्रेशन, लू, वायरल संक्रमण, त्वचा संबंधी समस्याएं एवं कमजोरी जैसी स्वास्थ्य समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है। इसी उद्देश्य से शिविर में बच्चों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।डॉ. अलका सिंह ने बच्चों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, पौष्टिक एवं संतुलित आहार लेने, स्वच्छता बनाए रखने तथा तेज धूप से बचने की सलाह दी। साथ ही अभिभावकों को भी बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। स्कूल की सचिव अनीता अग्रवाल ने कहा कि, दिव्यांग बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है। ऐसे शिविर समय रहते स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान कर उचित उपचार में सहायता करते हैं। हमारा उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना भी है। नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

बीएसएल में 'ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन' में कमी लाने का प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने तथा सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बीएसएल के मानव संसाधन विकास विभाग में ईसीएस विभाग के सहयोग से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की गणना, उसके प्रभावों, वर्तमान वैश्विक एवं राष्ट्रीय नियमों तथा उत्सर्जन में कमी लाने के उपायों संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की गणना हेतु विश्व इस्पात संघ की विधि पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उत्सर्जन में कमी से संबंधित वर्तमान वैश्विक एवं राष्ट्रीय नियमों, नीतियों तथा इस्पात उद्योग में अपनाई जा रही नवीनतम प्रवृत्तियों एवं सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण में इस्पात उद्योग में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की अवधारणा, उसके स्रोतों तथा पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं उत्पाद लागत पर पड़ने वाले प्रभावों का विस्तार से विश्लेषण किया गया। प्रतिभागियों को उद्योग में उत्सर्जन कम करने की दिशा में अपनाए जा सकने वाले प्रभावी उपायों एवं नवाचारों से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बीएसएल द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी भी साझा की गई, साथ ही प्रतिभागियों से अपेक्षित योगदान एवं उनकी भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई । अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम में उपायुक्त ने सुनी जनसमस्याएं

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित 'हम आपको सुनते हैं...' (लोक संवाद) कार्यक्रम के तहत उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों की सुनवाई की। कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय परिसर में किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, राशन कार्ड, पेंशन, पेयजल, सड़क, विद्युत आपूर्ति, आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों को नागरिकों ने प्रमुखता से उठाया। उपायुक्त ने सभी आवेदनों एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से निपटारा किया जाए ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

भू माफिया से अपनी जमीन बचाने को आदिवासियों ने सरना समिति से लगाई गुहार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में भू माफियाओं को मनोबल इतना बढ़ गया है कि कथित रूप से आदिवासियों की जमीन को भी अब बेचने का काम कर रहे हैं। मामला तेतुलिया मौज से सामने आया है, जो चास अंचल में पड़ता है। पीड़ित आदिवासियों ने बोकारो सरना विकास समिति से अपनी जमीन को बचाने की गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक तेतुलिया मौज में आदिवासी वकील टुडू की चार एकड़ से अधिक जमीन को भू माफिया बेचने का काम कर रहे हैं। वकील टुडू और सरना विकास समिति के अध्यक्ष महेश मुंडा का आरोप है कि जमीन को कब्जा करने में दूसरे जगह के खाता प्लॉट का इस्तेमाल किया जा रहा है और दखल आदिवासियों की जमीन का किया जा रहा है। आरोप लगाया है कि फरियाद लगाने के बाद भी अधिकारी इस पर संज्ञान नहीं ले रहे हैं। भू माफिया आदिवासियों को मारने पीटने के साथ धमकी देने का भी काम कर रहे हैं। पीड़ित आदिवासी और अध्यक्ष का कहना है कि अगर इस मामले में जांच हो तो अधिकारी से लेकर कर्मचारी सभी लोग जेल के अंदर होंगे ।क्योंकि इन लोगों की संलिप्त है जिला प्रशासन और सरकार से आदिवासियों की वापसी की मांग की गई है और एसआईटी का गठन करने का भी मांग किया गया है। कहा गया कि अगर इस मामले में संज्ञान नहीं लिया जाता है तो एसटी कमिशन के पास भी फरियाद लगाने का काम करेंगे। पीड़ित आदिवासी वकील टुडू ने 11 जून को डीसी को पत्र लिखा है, जिसमें जमीन माफिया जलेसर शाह ,सत्येंद्र तिवारी और अजय प्रसाद भगत के द्वारा चार एकड़ 17 डिसमिल जमीन को नेचर चेंज कर दूसरा खाता प्लॉट देकर बेचने का काम किया जा रहा है।

एनएच को एक्सिडेंट फ्री बनाने के लिए 'हाईवे टास्क फोर्स' का गठन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय राजमार्ग को एक्सिडेंट फ्री बनाने के लिए हाईवे टास्क फोर्स का गठन किया गया है। टास्क फोर्स हरिहरपुर से मैथन तक एनएच की निगरानी करेगी। यह शनिवार से ही एक्शन में आ जाएगी। टास्क फोर्स के साथ पुलिस की टीम रहेगी, जो राष्ट्रीय राजमार्ग की दिन रात निगरानी करेगी। एनएच पर स्थित पेट्रोल पंप, बड़े प्रतिष्ठान, क्लिनिक, होटल में फर्स्ट एड कॉर्नर बनाया जाएगा। साथ-साथ नो हेलमेट नो पट्रोल का उल्लंघन करने वाले 11 पेट्रोल पंप को नोटिस कर पूछा जाएगा कि क्यों नहीं उनका लाइसेंस रद्द किया जाए। उपरोक्त निर्णय आज उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिया गया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ती सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए गहन विचार विमर्श किया गया। तत्पश्चात उसे एक्सीडेंट फ्री बनाने के लिए हाईवे टास्क फोर्स का गठन किया गया। टास्क फोर्स का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी एवं ट्रैफिक डीएसपी करेंगे। टास्क फोर्स के साथ पुलिस की टीम भी रहेगी। जो केवल एनएच की निगरानी करेगी। टास्क फोर्स के साथ हाइड्रा और क्रेन भी रहेगी। जो एनएच पर जहां-तहां खड़े वाहनों को हटाकर उन पर कार्रवाई करेगी। साथ में अवैध कट को बंद कराने, बंद स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त कराने तथा एनएच को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। बैठक में उपायुक्त ने निरसा देवयाना स्थित भारत पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप, बाबा लोकनाथ सर्विस स्टेशन, आकाश फ्यूल्स, धनसार के कुमार फ्यूल्स, जोड़ाफाटक के मां शक्ति फ्यूल्स, मनईटांड के मंगलम फ्यूल्स, पुटकी के चीरुडीह पेट्रोल पंप, बस्ताकोला के गुप्ता एनर्जी, झरिया के रतन जी भगवान जी एंड कंपनी, कुमारधुबी के तालडंगा पेट्रोल पंप सहित 11 पेट्रोल पंप को नो हेलमेट नो पेट्रोल का उल्लंघन करने के लिए नोटिस भेजने का निर्देश दिया। एनएच पर दुर्घटना के दौरान घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए एनएच पर स्थित क्लीनिक, बड़े प्रतिष्ठान, होटल में फर्स्ट एड कॉर्नर विकसित किया जाएगा। इनके कर्मचारियों को घायलों को प्राथमिक उपचार देने, एंबुलेंस बुलाने सहित आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब, वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, डीएसपी ट्रैफिक रोहित कुमार साव के अलावा सड़क सुरक्षा टीम, जेबीवीएनएल, रेलवे, बसीसीएल, एनएचएआई के पदाधिकारी व विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com